जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 16 संख्याः 190 प्रभात हिण्डौन सिटी, शनिवार 11 मई, 2024 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

वैज्ञानिकों को जाएंट रिवर डॉल्फिन की खोपड़ी का एक जीवाश्म मिला है। समझा जाता है कि डॉल्फिन की यह प्रजाति पहले समुद्र में रहती थी और 16 मिलियन वर्ष पूर्व पेरु की एमेज़ॉन नदी में रहने लगी थी। वैज्ञानिकों का मानना है कि, विलुप्त प्रजाति की ये डॉल्फिन साढ़े तीन मीटर लम्बी रही होंगी, जिसे विश्व की सबसे लम्बी रिवर डॉल्फिन कहा जा सकता है। इस नई प्रजाति, पेबानिस्टा याकूरुना की खोज ने विश्व की बची खुची रिवर डॉल्फिन्स के खतरे को उजागर कर दिया है। शोध के अनुसार, आगामी 20-40 वर्षों में इन सभी को ऐसे ही खतरे का सामना करना पड़ेगा। साईन्स एडवांसेज़ में छपे इस शोध में मुख्य शोध लेखक आल्डो बेनीते पालमीनो ने कहा कि, यह नई प्रजाति डॉल्फिन की प्लाटानिस्टोइडिआ फैमिली से संबंधित है, जो 24 मिलियन और 16 मिलियन वर्ष पूर्व महासागरों में मिलती थीं। इस समय जो रिवर डॉल्फिन्स हैं, वे इन्हीं समुद्री डॉल्फिन्स की वंशज मानी जाती हैं। माना जाता है कि, इन्होंने नए भोजन स्रोत की तलाश में समुद्र को छोड़कर मीठे पानी वाली नदियों को अपना आवास बनाया था। वैज्ञानिक बेनीते पालमीनो ने वर्ष 2018 में पेरु में इस जीवाश्म की खोज की थी, तब वे स्नातक छात्र थे और अब युनिवर्सिटी ऑफ ज़्यूरिख में रिसर्च कर रहे हैं। उस समय अपने साथी के साथ घूमते समय उन्हें सबसे पहले जबड़े का एक टुकड़ा मिला था। वे पहचान गए कि यह जीवाश्म डॉल्फिन का था, लेकिन यह एमेज़ॉन में मिलने वाली पिंक रिवर डॉल्फिन का नहीं था। क्योंकि यह किसी बड़े आकार की डॉल्फिन का लग रहा था, जिसके सबसे करीबी रिश्तेदार इस समय दस हजार कि.मी. दूर साउथ ईस्ट एशिया में रहते हैं। ज़्यूरिख युनिवर्सिटी के जीवाश्म विभाग के निदेशक मारसैलो आर. सैन्चेज़ विसाग्रा ने कहा कि, यह खोज बहुत रोचक है। इस तरह की डॉल्फिन की खोज पहली बार हुई है। बेनीते ने कहा कि, डॉल्फिन का यह जीवाश्म अपने आकार की वजह से महत्वपूर्ण तो है ही साथ ही इस वजह से भी खास है क्योंकि, इसका इस समय एमेज़ॉन नदी में मिलने वाली डॉल्फिन्स से कोई सम्बंध नहीं है। जीवाश्म के वर्तमान जीवित रिश्तेदार, जो गंगा और सिंधु नदी में पाए जाते हैं, सहित सभी रिवर डॉल्फिन विलुप्ति के खतरे से जूझ रही हैं।

एक जून तक के लिये केजरीवाल जेल से अंतरिम जमानत पर रिहा

उनकी रिहाई से मीडिया व राजनीतिक नेता अचंभित, क्योंकि, अधिकतर चर्चा यह थी कि, केजरीवाल को किसी हालत में जमानत नहीं मिलेगी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतरिम जमानत दिए जाने से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुश्किलें और बढ़ गईं हैं।

शुक्रवार शाम उन्हें तिहाड़ जेल से छोड़ दिया गया। कार्यकर्ताओं की भीड़ ढोल और गाजे- बाजे के साथ उन्हें घर ले गई।

केजरीवाल को एक जून तक के लिए जमानत मिली है। इससे सत्तारुढ भाजपा और मीडिया को भारी झटका लगा है क्योंकि चर्चा यही थी कि केजरीवाल को किसी भी सूरत में जमानत नहीं मिल सकती। पर केजरीवाल ने हर मुश्किल का सामना किया, अब वे दिल्ली, पंजाब यहां तक कि उत्तरप्रदेश में भी मोदी का मुकाबला करने को तैयार हैं। उम्मीद है कि वे इन राज्यों में गहन चुनाव प्रचार करेंगे।

- **यह सच है कि, जब से मु.मंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी हुई थी तथा उन्हें तिहाड़ जेल में कैद रखा गया था, उनके प्रति दिन पर दिन सहानुभूति पैदा हो रही थी जनमानस में।**
- **अब दिल्ली की सात संसदीय सीटों पर तीव्र संघर्ष होगा, क्योंकि चर्चा है कि, केजरीवाल अब धुंआधार चुनाव अभियान चलायेंगे दिल्ली में।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को इस शर्त पर रिहा किया है कि, वे ना तो अपने दफ्तर जायेंगे, ना ही मु.मंत्री कार्यालय जायेंगे और ना ही किसी ऑफिशियल फाइल पर दस्तखत करेंगे। पर, वे चुनाव प्रचार के लिए पूर्ण रूप से स्वतंत्र हैं, उन पर कोई पाबंदी नहीं है।**

जब से केजरीवाल को गिरफ्तार कर जेल में डाला गया है तब से उनके लिए जमीनी स्तर पर बेहद गरीब वर्गों में सहानुभूति बढ़ रही है।

वे सवाल कर रहे हैं कि चुनाव से ठीक पहले एक निर्वाचित मुख्यमंत्री को क्यों गिरफ्तार किया गया है? वे कहते हैं केजरीवाल ने गरीबों को बहुत ज्यादा राहत दी है इसीलिए वे मोदी की आंखों में चुभ रहे हैं।

सूत्रों का कहना है कि उनकी रिहाई के बाद भाजपा दिल्ली की सातों सीटों पर मुश्किल में आ गई है, क्योंकि अब केजरीवाल इन सीटों पर भारी प्रचार करेंगे।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन है। आप 4 सीटों पर कांग्रेस 3 सीटों पर मैदान में है।

आशंकाएं थी कि दोनों दलों के कार्यकर्ता एक दूसरे की पार्टियों के लिए काम नहीं करेंगे। पर सभी कार्यकर्ता और नेताओं का मत है कि अभी ज्यादा महत्वपूर्ण है भाजपा को हराना, आपसी मतभेद तो बाद में भी हल किए जा सकते हैं।

केजरीवाल से सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वे ना तो अपने ऑफिस जा सकते हैं ना ही किसी फाइल पर हस्ताक्षर कर सकते हैं पर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें देशभर में भाजपा के खिलाफ प्रचार से नहीं रोका है। इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों ने केजरीवाल की रिहाई पर बधाई दी और कहा कि इससे विपक्ष की ताकत बढ़ी और भाजपा कमज़ोर पड़ी है।

हेमंत सोरेन के समर्थक अति उत्साहित है, केजरीवाल की रिहाई ने राह दिखा दी है, झारखण्ड के मु.मंत्री की भी रिहाई की

हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना, जो पार्टी की नेता भी हो गयी हैं, ने कहा, ''हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है, हमें शीघ्र ही शुभ समाचार मिलेगा कोर्ट से''

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। ''इण्डिया ब्लॉक'' और ''आप'' पार्टी के नेता, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उच्चतम न्यायालय द्वारा अंतरिम जमानत दिए जाने पर उत्साहित हैं क्योंकि यह अब विपक्ष के चल रहे चुनाव प्रचार में नया जोश भर देगा, लेकिन इस घटनाक्रम ने झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जे.एम.एम.) के सदस्यों में बड़ी आशाएं जगा दी हैं। शीर्ष न्यायालय ने केजरीवाल को सशर्त जमानत देने के बाद जे.एम.एम. के नेता खुश हैं क्योंकि इस आदेश से एक नज़ीर बन गई है जिसके आधार पर हेमंत सोरेन के जेल से छूटने के प्रयास किए जा सकते हैं। हेमंत सोरेन भी एक आन्य विपक्षी मुख्यमंत्री हैं जो भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण जेल में हैं।

- **कल्पना सोरेन ने इन तर्कों को खारिज कर दिया कि, सुप्रीम कोर्ट के आदेश से गलत परम्परा पड़ी है कि, राजनीतिज्ञ (नेता लोग) एक अलग व सोशल क्लास हैं।**
- **कल्पना सोरेन के अनुसार, चुनाव प्रचार में भाग लेना और अपनी पार्टी के लिये प्रचार करके वोट मांगना संवैधानिक अधिकार है तथा सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से सभी चुनाव लड़ने वालों के लिये, ''लैवल प्लेईंग फील्ड'' स्थापित हुई है।**

हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना जो हाल ही में जे.एम.एम. में सक्रिय पद पर आई हैं, ने कहा, हम आशावान ही नहीं बल्कि हमें पक्का यकीन है कि, ''बहुत जल्दी हमको न्यायालय से खुशखबरी मिलेगी।'' उन्होंने आगे कहा, ''केजरीवाल के केस का फैसला निश्चित रूप से हमारे लिए ऊर्जादायक है। इससे हम सबको, हर जे.एम.एम. पार्टी कार्यकर्ता को और ''इण्डिया'' गठबंधन को उम्मीद बंधी है। हमको खुशी है कि केजरीवाल बाहर आ गये हैं और हेमंत सोरेन के लिए भी हम यही आशा करते हैं।

कल्पना ने इन दलीलों को नकार दिया कि उच्चतम न्यायालय ने राजनीतिज्ञों को आम आदमी से अलग मानते हुए एक गलत उदाहरण पेश किया है और कहा कि आदेश संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार था। जे.एम.एम. नेता कल्पना ने आगे कहा, ''आम चुनाव पांच साल में एक बार ही आते हैं। राजनीतिज्ञ होने के नाते प्रचार करना, जनादेश मांगना और चुनाव लड़ना हमारा हक है। आज के समय में, सभी को अवसर मिलने चाहिए ताकि संविधान को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे अनर्गल आरोप न लगाएं'

नई दिल्ली, 10 मई। चुनाव आयोग ने मौजूदा लोकसभा चुनाव में मतदान के आंकड़ों में विसंगति के बारे में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के छह मई के पत्र में उठाए गए सवालों को आक्षेप और आरोप बताते हुए को शुक्रवार को खारिज कर दिया।

आयोग ने खड़गे को भेजे गए विस्तृत जवाब में यह भी कहा है कि, उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी उस पत्र में संबंधित मुद्दे पर सवाल पूछने की आड़ में एक वक्तव्य दिया जो सार्वजनिक तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में असत्य है।

- **चुनाव आयोग ने मतदान आंकड़ों में विसंगति के आरोप के संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा लिखी गई चिट्ठी का जवाब देते हुए कहा।**

खड़गे ने छह तारीख को आयोग को लिखे पत्र में छह सवाल उठाए थे और उस पत्र को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर डाल दिया था। आयोग ने कहा है कि, पत्र में लिखा है कि ''इतिहास में पहली बार मतदान के अंतिम प्रतिशत आंकड़े जारी करने में देरी की गयी है और उसमें मीडिया की विभिन्न खबरों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शराब के ठेके चलाने की अवधि जबरन बढ़ाने का आदेश रद्द

हाईकोर्ट ने लगभग 500 लाइसेंस धारकों को राहत देते हुए राज्य सरकार के आदेश को रद्द किया है

जयपुर, 10 मई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के 13 मार्च 2024 के उस आदेश को रद्द कर दिया है जिसके तहत शराब के ठेकों के लाइसेंस धारकों को 30 जून 2024 तक शराब की दुकानें संचालन करने के आदेश दिये गये। गौरतलब है कि प्रदेश में करीब 7000 शराब ठेकों के लाइसेंस धारकों में से 4000 ने जनवरी-फरवरी, 2024, में आयोजित शराब के ठेकों के लाइसेंस की नीलामी में भाग नहीं लिया था। परंतु राज्य सरकार ने सभी भाग ना लेने वाले पुराने लाइसेंसधारकों की लाइसेंस अवधि का समय एकतरफा कार्रवाई करते हुए तीन माह और बढ़ा दिया था, जिसके खिलाफ कृष्णा शर्मा व 275 अन्य याचिकाकर्ताओं ने जयपुर स्थित हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और वहीं करीब 200 अन्य लाइसेंस धारकों ने जोधपुर में याचिका दायर की थी। आज जयपुर में सुनवाई के बाद जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल की एकलपीठ के इस आदेश से इन करीब 500 लाइसेंसधारकों को राहत मिली है। इस मामले में लाइसेंसधारकों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.बी.माथुर और उनके सहायक अधिवक्ता पलक माथुर पेश हुए थे और अदालत में इस मामले को अधिवक्ता अचिंत्य कौशिक ने दायर

- **राज्य सरकार ने नई लिकर पॉलिसी के तहत जनवरी-फरवरी में 7000 शराब ठेकों के लाइसेंस के लिये निविदा आमंत्रित की थी लेकिन करीब 4000 पुराने लाईसेंस धारकों ने इसमें भाग नहीं लिया। उनका कहना है कि, उन्हें नई नीति से तय दर पर राजस्व देने में घाटा हो रहा है।**
- **इन 4000 लाइसेंस धारकों में से करीब 500 ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। उनका कहना था कि, राज्य सरकार उनके लाइसेंस की अवधि बढ़ाकर उन्हें घाटे पर कार्य करने पर विवश नहीं कर सकती। उन्होंने कोर्ट से यह भी कहा कि, राज्य सरकार ने उनकी सुरक्षा राशि लौटाने से मना कर दिया, जब तक कि बढ़ाई गई अवधि का समय समाप्त नहीं हो जाता।**
- **हालांकि, अदालत को यह नहीं बताया गया है कि, लाइसेंस धारकों को नई पॉलिसी के तहत घाटा क्यों हो रहा है, जबकि नई पॉलिसी और पुरानी पॉलिसी में कोई खास परिवर्तन नहीं है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भारत को परमाणु शक्ति सम्पन्न पाकिस्तान से डरना चाहिए'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। कांग्रेस ने अपने पूर्व सांसद मणि शंकर अय्यर के द्वारा पाकिस्तान पर की गई टिप्पणी से अधिकृत रुप से स्वयं को अलग कर लिया है, परंतु भाजपा के केन्द्रीय मंत्री राजीव चन्द्रशेखर ने शुक्रवार को दावा किया कि कांग्रेस का यह एक पैटर्न बन गया है कि उसके नेताओं द्वारा दिए गए बयानों से खुद को अलग कर लेती है

- **कांग्रेस ने अपने पूर्व सांसद मणिशंकर अय्यर के इस बयान से हालांकि दूरी बना ली है, पर भाजपा इस बयान के आधार पर कांग्रेस को निशाना बना रही है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चुनाव प्रचार में भाग लेना न तो ''फंडामैंटल राईट'' है, न ही संवैधानिक अधिकार और न ही कानूनी अधिकार'

ई.डी. के वकील व एडिशनल सॉलिसिटर जनरल की यह दलील सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार नहीं की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। सुप्रीम कोर्ट ने देश के लोकतांत्रिक मूल्यों पर दृढ़ रहते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को आज 1 जून तक के लिए अंतरिम जमानत पर रिहा कर दिया। उन्हें अंतरिम जमानत देने से पूर्व एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) ने भारी आपत्तियाँ जतायीं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उनकी जमानत मंजूर करते हुए उन्हें वर्तमान लोकसभा चुनाव में प्रचार करने की अनुमति प्रदान की। केजरीवाल दिल्ली के आबकारी घोटाले से संबंधित एक मनी लॉण्ड्रिंग केस को लेकर गिरफ्तार किए गए थे।

जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की एक बैंच ने कहा कि ''हम 1 जून तक अंतरिम जमानत प्रदान करने के लिए एक अंतरिम आदेश जारी कर रहे हैं।

इसी बैंच ने गत 7 मई को यह स्पष्ट संकेत दिया था कि लोकसभा चुनावों को देखते हुए केजरीवाल को एक सीमित अवधि के लिए रिहा किया जा सकता है।

केजरीवाल की पैरवी कर रहे सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने बैंच से अनुरोध किया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री को कुछ और दिन बाहर रहने दिया जाए क्योंकि वोटों की गिनती 4 जून को होगी, तथापि बैंच ने उनकी इस मांग को स्वीकार नहीं किया।

सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ''ऐसा कोई पूर्व उदाहरण मौजूद नहीं है जिसमें किसी व्यक्ति को चुनाव प्रचार के लिए रिहा किया गया हो।''

इस पर जस्टिस खन्ना ने कहा कि ''हमें यह किसी धारणा से नहीं जोड़ना है। हम आदेश पारित कर रहे हैं।''

- **सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मु.मंत्री को 21 दिन की अंतरिम जमानत पर रिहा किया।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने रिहाई का आदेश देते हुए यह भी कहा कि, केजरीवाल बार-बार सम्मन मिलने के बाद भी, न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हुए तथा उनके खिलाफ एक गंभीर मुकदमा चल रहा है, पर, उन्हें अभी दोषी करार नहीं किया गया है, और वो आदतन अपराधी नहीं हैं, और न ही समाज को उनसे कोई खतरा है, अतः उन्हें अंतरिम जमानत पर 21 दिन के लिये रिहा किया जाता है।**

एडीशनल सॉलीसिटर जनरल एस.वी. राजू ने कहा कि ''केजरीवाल इस केस के बारे में कुछ नहीं कह सकते है,'' तो जस्टिस खन्ना ने कहा कि ''संजय सिंह के प्रकरण की भांति उतने ही मजबूत बयान से आप उन्हें जवाब दे सकते हैं।

गत 21 मार्च को गिरफ्तार किए गए केजरीवाल वर्तमान में दिल्ली की तिहाड़ जेल में हैं। उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा गत 9 अप्रेल को दिए गए निर्णय को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। दिल्ली हाई कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी को जायज़ माना था। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने केजरीवाल को 20 मई तक न्यायिक अभिरक्षा में रखने के आदेश दिए थे।

आम आदमी पार्टी (आप) के सीनियर नेता संजय सिंह को भी आबकारी नीति घोटाले से संबंधित केस में 4 अक्टूबर 2023 को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन शीर्ष अदालत ने गत 2 अप्रेल को उनकी जमानत मंजूर कर ली थी।

संजय सिंह के केस में ई.डी. ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि उन्हें जमानत पर रिहा करने में उसे कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, ई.डी. ने यह भी स्पष्ट किया था कि सिंह को दी गई न्यायिक छूट को एक नज़ीर ना माना जाए।

''आप'' के दो अन्य सीनियर नेता दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन, मनी लॉण्ड्रिंग के दो अलग-अलग केसों में अभी जेल में ही बंद हैं।

10 मई की अहम सुनवाई से ठीक पहले ई.डी. ने एक ताजा शपथ पत्र प्रस्तुत कर इस पर जोर दिया था कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केजरीवाल को सशर्त जमानत

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। न्यायाधीश संजीव खन्ना व दीपांकर दत्ता की सुप्रीम कोर्ट बैंच ने दिल्ली के मुख्यमंत्री से कहा कि वे शराब नीति घोटाला के बारे में कुछ भी नहीं बोलेंगे यही बात कोर्ट ने इसी मामले से संबंधित पिछले माह आप पार्टी के नेता संजय सिंह को जमानत देते समय कही थी। यही शर्त उन पर भी लगाई थी।

- **दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने एक जून तक के लिए 5 शर्तों पर जमानत दी है।**

उन्हें वर्तमान लोकसभा चुनावों के दौरान केवल आप पार्टी का प्रचार करने के लिए अनुमति प्रदान की गई है।

केजरीवाल को इस जमानत अवधि में मुख्य मंत्री के बतौर कोई भी अधिकारिक कार्य करने की इजाजत नहीं दी गई है और वो इस अवधि के दौरान उनके दिल्ली सचिवालय स्थित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

पति के किये पत्नी कार्य में मंत्री के समान सलाह देने वाली, सेवा में दासी के समान काम करने वाली, माता के समान सुन्दर भोजन बनाने वाली, धर्म के अनुकूल और क्षमादी गुण धारण करने में पृथ्वी के समान स्थिर रहने वाली होती है। –संस्कृत सूक्ति

असंगठित क्षेत्र में महिला कामगारों की बढ़ती भागीदारी

बात भले ही थोडी अजीब लगे पर वास्तविकता तो यही बयां करती हैं कि आज देश में असंगठित क्षेत्र में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक हो गई है। केन्द्र सरकार के ई–श्रम पोर्टल पर देश में 29 करोड़ 56 लाख श्रमिकों का पंजीकरण हो चुका है जिसमें से महिला श्रमिकों की संख्या पुरुषों की तुलना में अधिक है। देखा जाए तो असंगठित क्षेत्र में आज महिला श्रमिकों की हिस्सेदारी आधी से भी ज्यादा हो चुकी है। केन्द्र सरकार के ई–श्रम पोर्टल की ही बात करे तो इसमें पंजीकृत 29 करोड़ 56 लाख श्रमिकों में से 53 फीसदी से भी अधिक महिला श्रमिक रजिस्टर्ड हैं जबकि पुरुष श्रमिकों की संख्या यही कोई 46 फीसदी से कुछ ही अधिक है। दरअसल बात भले ही कुछ भी की जाती हो पर तस्वीर तो यही है कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक श्रम कर रही थी और कर रही है। भले ही व्हाईट कालर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों की तुलना में कम हो पर आज संगठित व असंगठित क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों से पीछे नहीं है।

भारत सरकार के ई श्रम पोर्टल के आंकडों की ही भाषा में बात करें तो केरल में सबसे अधिक 59.79 प्रतिशत महिला श्रमिक असंगठित क्षेत्र में है तो आंध्रप्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, कर्नाटक, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड और पश्चिम बंगाल आदि सभी जगह पुरुषों की तुलना में महिला श्रमिक अधिक है। दरअसल देखा जाएं तो खेती और पशुपालन तो महिलाओं के भरोसे ही चल रहा है। शहरों में घरेलू कामकाज और रियल स्टेट क्षेत्र में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की हिस्सेदारी सर्वाधिक है। करीब 15 करोड़ श्रमिक खेती किसानी क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। इसका अर्थ साफ–साफ यह हुआ कि खेती किसानी से आधे से भी अधिक श्रमिक जुड़े हुए हैं और इसमें भी कोई दो राय नहीं कि पुरातन काल से ही पशुपालन तो महिलाओं के भरोसे ही चलता आया है। खेती किसानी में भी महिलाओं की प्रमुख भागीदारी होती है।

बात भले ही थोड़ी अजीब लगे पर वास्तविकता तो यही बयां करती हैं कि आज देश में असंगठित क्षेत्र में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक हो गई है। केन्द्र सरकार के ई-श्रम पोर्टल पर देश में 29 करोड़ 56 लाख श्रमिकों का पंजीकरण हो चुका है जिसमें से महिला श्रमिकों की संख्या पुरुषों की तुलना में अधिक है। देखा जाए तो असंगठित क्षेत्र में आज महिला श्रमिकों की हिस्सेदारी आधी से भी ज्यादा हो चुकी है।

दरअसल गली कुचें में बनिये की दुकान, चाय पानी की स्टॉल या इसी तरह की किसी दुकान में काम करने वाले श्रमिक, चौकटियों में कारीगारी–बेलदारी के काम की प्रतीक्षा करने वाले श्रमिक, खेतों में जुताई, कटाई व इसी तरह के काम करने वाले श्रमिक, छोटे दस्तकारों, कारीगरों, हस्तशिल्पियों, गली–मोहल्ले में घूमने वाले वेण्डर्स और इसी तरह के स्थाई काम नहीं करने वाले लोग असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की श्रेणी में आते हैं। डेली वेजेज के आधार पर काम करने वाले लोगों को भी इसी श्रेणी में रखा जाएगा। इनमें महिला और पुरुष श्रमिक दोनों ही शामिल है। संगठित क्षेत्र के श्रमिक अपनी संख्या बल के आधार पर अपनी बात मनवाने में सफल रहते हैं पर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की अपनी समस्याएं हैं और उन्हें कुछ हद तक दूर करवाये जाने के प्रयास जारी रहे हैं। श्रमिकों से जुड़े गैर सरकारी संगठनों द्वारा भी समय समय पर आवाज उठाई जाती है और उसी का परिणाम है कि सरकारें अब असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की सुरक्षा योजनाओं के लिए गंभीर प्रयास करने लगी है।

दरअसल असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की अपनी समस्या है। काम मिले तो मिल गया और नहीं मिला तो नहीं मिला। यानी असंगठित क्षेत्र में रोजगार की स्थिरता नहीं होती। यही कारण है कि पूरे महीने रोजगार मिलेगा या नहीं व पूरे महीने की पगार मिलेगी, इसकी कोई गॉरन्टी नहीं होती। इसके लिए रोजगार व आय की सुरक्षा व नियमितता की बात भी नहीं की जा सकती। इसका अर्थ यह हुआ कि सामाजिक आर्थिक सुरक्षा की बात करना बेमानी होगी। मोटे रुप से रोजगार, सुरक्षा और स्वास्थ्य व आवश्यक सुविधाओं की सुलभता असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए दूर की कोडी ही मानी जा सकती है। हांलाकि असंगठित क्षेत्र की श्रमिकों की समस्याओं को लेकर सरकार गंभीर होने लगी है। पहली बात यह कि श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड होने से सरकार के सामने वास्तविक तस्वीर सामने आने लगी है। सरकार ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, श्रम योगी मान धन योजना, अटल पेंशन योजना और इसी तरह की अन्य योजनाओं से जोड़कर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा देने के प्रयास किये गये हैं।

अब देश दुनिया में श्रमिक आंदोलन का समय तो करीब–करीब समाप्त ही हो चुका है। ऐसे में इस क्षेत्र में कार्य कर रहे गैरसरकारी संगठनों, सामाजिक संगठनों आदि को आगे आना होगा और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की आवाज बनना होगा और अब तो चूंकि असंगठित श्रेत्र में पुरुषों की अपेखा महिला श्रमिक अधिक है तो फिर और भी अधिक जिम्मेदारी हो जाती है। सरकार को भी इस क्षेत्र के श्रमिकों की समस्याओं के समधान के लिए फोकस करना होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शनिवार 11 मई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, मृगशिरा नक्षत्र दिन 10:15 तक, सुकर्मा योग दिन 10:02 तक, वणिज करण दिन 2:27 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मेष, चन्द्रमा–मिथुन, मंगल–मीन, बुध–मेष, गुरू–वृष, शुक्र–मेष, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज रवियोग प्रातः 7:02 तक है और प्रातः 10:15 से पुनः आरम्भ होगा। भद्रा दिन 2:27 से रात्रि 7:04 तक रहेगी। आज विनायक चतुर्थी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:25 से 9:04 तक, चर 12:19 से 2:03 तक, लाभ–अमृत 2:03 से 5:21 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:45, सूर्यास्त 7:01

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

मिथुन
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा।

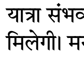

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण भागदौड़ रहेगी और मन में असंतोष बना रहेगा। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

सिंह
आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

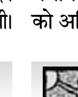

कन्या
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

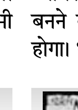

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

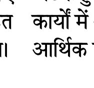

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

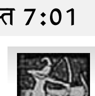

धनु
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर
घर–परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

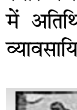

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। सम्भावित धन प्राप्त होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

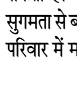

मीन
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

भारतीय राजनीति में दल–बदल

प्रो. अशोक कुमार

दल बदल, जिसे राजनीतिक दल–बदल भी कहा जाता है, एक ऐसी प्रथा है जिसमें कोई निर्वाचित प्रतिनिधि उस राजनीतिक दल को छोड़ देता है जिसके टिकट पर वह चुनाव जीता था और दूसरे दल में शामिल हो जाता है।

इतिहासः– भारत में दल बदल की प्रथा स्वतंत्रता से पहले से ही मौजूद थी, लेकिन 1960 के दशक में गठबंधन सरकारों के उदय के साथ यह अधिक आम हो गई। 1980 के दशक में, दल बदल ने भारतीय राजनीति में अस्थिरता पैदा कर दी, जिसके कारण अक्सर सरकारें गिर जाती थीं।

दल बदल विरोधी कानूनः– 1985 में, दल बदल को रोकने के लिए 52वें संविधान संशोधन के माध्यम से दसवीं अनुसूची को संविधान में जोड़ा गया। इस कानून के तहत, यदि कोई निर्वाचित प्रतिनिधि दल बदल करता है, तो उसे अपनी सीट से अयोग्य घोषित किया जा सकता है और उसे अगले कुछ वर्षों तक चुनाव लड़ने से वंचित किया जा सकता है।

दल बदल के कारणः– दल बदल के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें शामिल हैं:–

वैचारिक मतभेदः– कभी–कभी, निर्वाचित प्रतिनिधि उस राजनीतिक दल की विचारधारा से सहमत नहीं रह जाते हैं जिसके टिकट पर उन्होंने चुनाव लड़ा था।

राजनीतिक महत्वाकांक्षा :– कुछ निर्वाचित प्रतिनिधि अधिक शक्ति या पद प्राप्त करने के लिए दल बदलते हैं।

पैसे या अन्य प्रलोभनः– कभी–कभी, निर्वाचित प्रतिनिधियों को दूसरे दल में शामिल होने के लिए रिश्वत या अन्य प्रलोभन दिए जाते हैं।

विरोधी दल द्वारा दबावः– विरोधी दल कभी–कभी सत्ताधारी दल के सदस्यों को दल बदलने के लिए धमकाते हैं या उन्हें मनाते हैं।

दल बदल के प्रभावः– दल बदल के कई नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं, जिनमें शामिल हैं:

राजनीतिक अस्थिरताः– दल बदल से सरकारें गिर सकती हैं और राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो सकती है।

मतदाताओं का विश्वास कम होनाः– दल बदल से मतदाताओं का राजनीतिक दलों और नेताओं पर विश्वास कम हो सकता है।

राजनीतिक भ्रष्टाचारः– दल बदल से राजनीतिक भ्रष्टाचार बढ़ सकता है, क्योंकि निर्वाचित प्रतिनिधि अक्सर अपने निजी लाभ के लिए दल बदलते हैं।

नीतिगत निष्क्रियताः– दलबदल से नीतिगत निष्क्रियता पैदा हो सकती है, क्योंकि सरकारें अक्सर राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रही होती हैं।

दल बदल को रोकने के उपायः– दल बदल को रोकने के लिए कई उपाय किए जा सकते हैं, जिनमें शामिल हैं:

दल बदल विरोधी कानून को मजबूत करनाः– दल बदल विरोधी कानून को और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है ताकि दल बदल को रोकने में अधिक प्रभावी हो सके।

राजनीतिक दलों के बीच आंतरिक लोकतंत्र को बढ़ावा देनाः– राजनीतिक दलों के बीच आंतरिक लोकतंत्र को बढ़ावा देने से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि निर्वाचित प्रतिनिधि दल के नेतृत्व और सदस्यों के साथ सहमत हों।

मतदाताओं में जागरूकता पैदा करनाः– मतदाताओं में जागरूकता पैदा करने से उन्हें उन उम्मीदवारों को चुनने में मदद मिलेगी जो दल बदल की संभावना कम रखते हैं। दल बदल क़ानून में संशोधन के लिए एक सुझाव– आचार संहिता लागू होने के बाद से चुनाव परिणाम तक दल बदल अवैध माना जाएगा।

निष्कर्षः– दल बदल भारत में एक गंभीर समस्या है जिसके कई नकारात्मक प्रभाव हैं। दल बदल को रोकने के लिए कई उपाय किए जा सकते हैं, लेकिन इसके लिए राजनीतिक दलों, चुनाव आयोग और नागरिकों की ओर से एक ठोस प्रयास की आवश्यकता होगी।

–प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय

कागजों में ही चल रहा रणजीतपुरा उप तहसील कार्यालय

उप तहसील कार्यालय पर ताले लगे होने से किसानों को भटकना पड़ रहा है

- **किसानों को काम के लिए 90 किलोमीटर दूर बज्जू जाना पड़ता है**
- **बज्जू में भी कई बार पटवारी व कर्मचारी नहीं मिलने से निराश लौटना पड़ता है**

बीकानेर, (निसं)। जिले की बज्जू उपखण्ड के सीमावर्ती क्षेत्र के किसानों को वर्ष 2022 में रणजीतपुरा में उपतहसील कार्यालय खुलने पर प्रसन्नता हुई थी कि अब भटकना नहीं पड़ेगा, लेकिन उप तहसील कार्यालय पर ताले लगे हैं और किसानों को भटकना पड़ रहा है। वैसे तो 2022 में उपतहसील कार्यालय खुलने के साथ ही परेशानी शुरू हो गई थी, लेकिन अब तो ताला लगने की स्थिति आ चुकी है। किसानों को अब काम के लिए 90 किलोमीटर दूरी तय करके बज्जू पहुंचना पड़ रहा है। बज्जू में भी कई बार पटवारी व कर्मचारी नहीं मिलने से निराश लौटना पड़ता है।

बज्जू राजस्व तहसील के 7 राजस्व ग्राम रणजीतपुरा, गजेवाला, चारणवाला, बरसलपुर, भूरासर, छिला कश्मीर, राववाला के 30 गांवों में 14 पटवार मंडल, 4 गिरदावरी सर्किल की 7 लाख 20 हजार बीघा जमीन व 339 चकों को रणजीतपुरा उपतहसील में शामिल किया गया था। उपतहसील कार्यालय शुरू होने के साथ ही परेशानी शुरू हो गई थी। गत 14 मार्च को नायब तहसीलदार का तबादला होने के साथ ही तहसील कार्यालय पर ताला लग गया। इसके बाद पटवारियों ने भी बज्जू में ठहराव शुरू कर दिया। अन्य कर्मचारियों को भी बज्जू लगा दिया, एकमात्र एलडीसी ही तहसील में कभी कभार दिखते है। उन्हें भी आए दिन काम के लिए बज्जू से रणजीतपुरा के चक्कर लगाने पड़ते हैं। नायब तहसीलदार का पद रिक्त होते ही रणजीतपुरा क्षेत्र के पटवारी बज्जू बैठने लगे हैं। सहायक कर्मचारी का पद भी रिक्त होने से साफ सफाई लंबे समय से ठप है।

नायब तहसीलदार पद 14 मार्च से रिक्त है, ऑफिस कानूनगो जैसा महत्वपूर्ण पद कार्यालय खुलने के बाद से रिक्त हैं। यूडीसी व एलडीसी का एक–एक पद भरा है। जिन्हें बज्जू में ज्यादा कार्य होने पर दोनों जगह सेवाएं देनी पड़ रही है।

बज्जू राजस्व तहसील व रणजीतपुरा उपतहसील में लंबे समय से तहसीलदार व नायब तहसीलदार का पद रिक्त है। इससे जनता का कोई धणी धोरी नही है। बज्जू में तहसीलदार व नायब तहसीलदार, रणजीतपूरा में नायब तहसीलदार का पद रिक्त है। इससे रणजीतपुरा में काम बंद है। बज्जू में कभी कभार कार्य होता है। बज्जू में कार्यवाहक भी राजस्व तहसील के बजाय एसडीएम कार्यालय से नायब तहसीलदार को बज्जू का कार्यवाहक के रूप में चार्ज दिया। वे भी इन दिनों अवकाश पर है, जिससे आमजन को परेशानी उठानी पड़ रही है।

मनरेगा कार्य स्थलों पर पीने के पानी को तरस रहे हैं मजदूर

- **कुछ मनरेगा कार्य स्थलों पर छाया-पानी की समुचित व्यवस्था भी नजर नहीं आ रही है**
- **भीषण गर्मी में मनरेगा श्रमिकों के लिए मजदूरी का काम काफी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है**

हनुमानगढ़, (निसं)। शहरी मनरेगा में काम रहे मजदूरों को समय पर मजदूरी नहीं मिल रही है। स्थिति यह है कि नवम्बर के बाद से अब तक यानी पांच महीने की मजदूरी श्रमिकों को नहीं मिली है। इस स्थिति में इनकी आर्थिक स्थिति खराब हो रही है। शहरी क्षेत्र में ज्यादातर मनरेगा मजदूरों में महिलाएं हैं। कुछ मनरेगा कार्य स्थलों पर छाया–पानी की समुचित व्यवस्था भी नजर नहीं आ रही है। ऐसे में भीषण गर्मी में मनरेगा श्रमिकों के लिए मजदूरी का काम काफी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

शहरी मनरेगा से अलग ग्रामीण मनरेगा में मार्च तक की मजदूरी मजदूरों को जारी कर दी गई है। ऐसे में मजदूरी भुगतान मामले में उनकी स्थिति थोड़ी ठीक है, लेकिन शहरी क्षेत्र में मनरेगा श्रमिकों की स्थिति दयनीय बनी हुई है। बड़े स्तर पर बजट के अटकने से मनरेगा योजना में लगे कार्मिक व श्रमिक प्रभावित हो रहे हैं। मनरेगा मजदूरों के साथ ही मेट का भुगतान भी अटका हुआ है। वहीं मनरेगा कार्य स्थलों पर पीने के पानी को मजदूर तरस रहे हैं।

नगर परिषद में मनरेगा कार्यालय में कार्यरत जेटीए रघुवीर मीणा के अनुसार मनरेगा कार्य स्थल पर हम छाया–पानी की समुचित व्यवस्था करवा रहे हैं। सभी मेट को हमने कैंपर दे रखा है। ताकि मजदूरों को पेयजल आसानी से उपलब्ध हो सके। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्र में ज्यादातर मजदूर पार्क के सौंदर्यीकरण कार्य में लगे हुए हैं। ऐसे में पेड़ आदि की छांव में वह आराम कर लेते हैं। जहां पेड़ नहीं होते, वहां पर हम छाया की व्यवस्था करवाते हैं। जेटीए के अनुसार नवम्बर के बाद मनरेगा मजदूरों के मजदूरी मद में भुगतान नहीं हुआ है।

मनरेगा मजूदरों मांगों को लेकर सरकार गंभीर नहीं हो रही है। मनरेगा मजदूरों के बकाया भुगतान की मांग अब तक अधूरी है। श्रमिक नेता सुरेंद्र शर्मा के अनुसार केंद्र सरकार लगातार मनरेगा के कार्य को बंद करना चाहती है। इसलिए वह मनरेगा मजदूरों की पूरी मजदूरी भेज नहीं रही है। इसके कारण मजदूरों के 100 दिन का कार्य नहीं हो रहा है। ना ही उन्हें पांच महीने तक कोई मजदूरी मिली है। इससे रोजगार की गारंटी मजाक बन रही है। इतना ही नहीं मजदूरी अटकने से रोजगार की गारंटी पर सवाल उठ रहे हैं।

संगरिया में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना तहत कार्यस्थलों पर सरकार की ओर से मजदूरों के लिए पर्याप्त पानी, छाया व्यवस्था के साथ मेडिकल किट मौजूद होना अनिवार्य है, मगर ऐसा नहीं है। जिम्मेदारों की उदासीनता से गर्मी में कार्य करना किसी दिन मजदूरों को भारी पड़ सकता है। इस समय तापमान 45 डिग्री के इर्द–गिर्द है। तेज गर्मी में लू, तापघात, उल्टी, दस्त आदि बीमारी अचानक होने की संभावना रहती है। उपखंड के अधिकांश गांवों में चुनाव आचार संहिता के बाद खेतों में गेहूं कटाई व फसल बिजाई को लेकर काम चलने पर श्रमिकों का ध्यान वहां से मिलने वाली मजदूरी पर ही है। फिलहाल काम बंद हैं। नए वित्तीय वर्ष में स्वीकृति उपरांत कार्य शुरू होंगे।

भाखरांवाली सरपंच महेंद्र भाकर, रासूवाला प्रतिनिधि भरत जोशी, ग्राम विकास अधिकारी संघ पूर्व अध्यक्ष रघुवीर गोदारा के अनुसार एक जून से वृहद स्तर पर काम चलेगा। कुछ जगह पौधरोपण या शेष रहे पक्के काम चल रहे हैं। गर्मी में सुबह छह से दोपहर एक बजे तक काम है। टास्क पूरा होते ही मजदूर घर चला जाता है। पानी की दो लीटर बोतल भरकर साथ लाते हैं। पेड़ की छांव में आराम कर लेते हैं। गांव ढाबां में करणीसिंह ब्रांच की नहर के पटड़ा पर बुर्जी संख्या 13 से 26 पर घास–फूस, झाड़ी सफाई आदि कार्य इन दिनों चल रहा है।

पूर्व मेट मांगीलाल लेघा व मजदूरों ने बताया कि गर्मी में परेशानी तो होती है। चार–पांच सालों से तंबू–टेंट नहीं देखे। छाया के लिए पेड़ों तले बैठ जाते हैं। मेडिकल किट कहां है। पखवाड़े में कभी–कभार एएनएम आती है। पानी की बोतल घर से भरकर लाते हैं। दिनभर चलने वाली गर्म हवा से लोगों को परेशानी होती है। टास्क पूरा होते ही घर चले जाते हैं।

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर नौनिहालों की भीषण गर्मी में हालत खराब

- **आंगनबाड़ी केन्द्रों की मानदेय कार्मिकों ने समय परिवर्तन या अवकाश की कलेक्टर से गुहार लगाई**
- **'आंगनबाड़ी केन्द्रों में 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए अभी तक सुबह 8 से 12 बजे तक समय निर्धारित है'**

श्रीगंगानगर, (निसं)। प्रदेश भीषण गर्मी की चपेट में हैं। सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में समय बदल दिया गया है लेकिन आंगनबाड़ी केन्द्रों में 3 से 6 साल के नौनिहालों की इस गर्मी में हालात खराब हो रही है। आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों से भेदभाव नहीं किया जाएं, इसके लिए समय परिवर्तन या अवकाश देने का मार्ग प्रशस्त करो ताकि बच्चों को राहत मिल सके। यह कहना था नारी शक्ति महिला एवं बाल विकास विभाग संगठन की जिलाध्यक्ष मंजू स्वामी और संगठन संस्थापक सीता स्वामी का। इस संगठन से जुड़ी महिलाओं ने कलेक्टर लोकबंधु के समक्ष पेश होकर कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी, सहायिका, साथिनों की इस समस्या से अवगत कराया। इस संबंध में ज्ञापन भी दिया।

इस दौरान दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि जिले में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूल का समय सुबह 7 से 11 बजे तक कर दिया गया है। वहीं कई विद्यालयों में समय में परिवर्तन किया गया है। लेकिन आंगनबाड़ी केन्द्रों में 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए अभी तक सुबह 8 से 12 बजे तक समय निर्धारित है। भीषण गर्मी के प्रकोप से छोटी आयु के बच्चों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ सकता है। इस मौके पर कुलविन्द्र कौर और अरुषी भी मौजूद थी।

इन महिलाओं का कहना था कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषाहार रेडीमेड आ रहा है। वहीं उन केन्द्रों के साथ दोहरे मापदंड बनाए हैं जहां सरकारी स्कूलों में केन्द्र संचालित है। इन स्कूलों में तो समय में परिवर्तित कर दिया जबकि केन्द्रों के बच्चों के लिए आने के लिए दबाव डाला जा रहा है। इस दोहरे मापदंड से छुटकारा दिलाने के लिए कलेक्टर को निर्णय लेने के लिए आग्रह किया है।

महाराव शेखाजी की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित

- **स्त्री रक्षक एवं हिन्दु-मुस्लिम एकता के प्रतीक थे महाराव शेखाजी : शेखावत**

चूरू, (कासं.)। महाराव शेखाजी की 536वीं पुण्यतिथि शेखावत कॉलोनी के श्रीकरणी माता जी मन्दिर सभागार में संस्थान के अध्यक्ष डॉ. अमरसिंह शेखावत की अध्यक्षता में मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलेक्टर उत्तम सिंह शेखावत ने क्षत्रीय का गौरवपूर्ण इतिहास बताते हुए उच्च संस्कारों को ग्रहण करने की बात कही।

उन्होंने कहा कि जीवन में सकारात्मक सोच के साथ सभी समाज को एक साथ लेकर एकजुटता से प्रयास करना चाहिए ताकि समाज आगे बढ़कर देश सेवा करता रहे। विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक चूरू सतपाल सिंह शेखावत ने कहा कि शेखाजी सद्गुणी व्यक्तित्व के धनी थे। उनके जीवन के एक भी गुण को अपने जीवन में उतार लिया जावे तो व्यक्ति का जीवन सफल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को महाराव शेखाजी से प्रेरणा लेकर शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए। राव शेखाजी प्रजातंत्र एवं एकता में विश्वास रखते थे।

प्रारम्भ में अतिथियों ने महाराव शेखाजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर सभी ने पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्थान के अध्यक्ष डॉ. अमर सिंह शेखावत ने कहा कि महाराव शेखा के जीवन मूल्यों को वर्तमान में अपने जीवन में ढालने तथा संस्कृति एवं संस्कार बच्चों को सिखाने की आवश्यकता है। शेखा नारी रक्षक व हिन्दु–मुस्लिम एकता के प्रतीक थे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि भवानी सिंह निर्वाण डीएफओ, एएसपी (सेवानिवृत्त) रामसिंह बीका, दिलीप सिंह राठौड़ डीएफओ ने भी महाराव शेखाजी के जीवनवृत्त पर प्रकाश डाला।

इस दौरान रतन सिंह ख्याली ने महाराव शेखा की प्रेरणादायक जीवनी पर विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर कर्नल विक्रम सिंह शेखावत, सेवानिवृत प्राचार्य उम्मेदसिंह राठौड़, गुलाब सिंह, जय सिंह, एड. सुरेन्द्र सिंह, एड. कुन्दन सिंह, कमल सिंह राठौड़, रतन सिंह, प्रेम सिंह इन्दा, मदन सिंह, गुमानसिंह, रघुवीर सिंह, इन्द्र सिंह राठौड़, सूरजभान सिंह, कर्णपाल सिंह, रणजीत सिंह, सुन्दरपाल सिंह, हरिसिंह, जगमाल सिंह टकणेत, भागीरथ सिंह, नरेन्द्र सिंह, उम्मेद सिंह भाटी, प्रभु सिंह, एड. धन्ने सिंह, वैद्य विजेन्द्र सिंह राठौड़, रविन्द्र सिंह, डॉ. हर्षवर्द्धन सिंह शेखावत, प्रहलाद सिंह, अशोक सिंह, नाहर सिंह भाटी, विक्रम सिंह, राकेश सिंह, भरत सिंह ख्याली, जसवन्त सिंह, लादू सिंह, नरपाल सिंह, सम्पत सिंह, रणवीर सिंह आदि उपस्थित थे। कप्तान मदन सिंह शेखावत ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट हेमसिंह शेखावत ने किया।

जनसुनवाई का आयोजन हुआ

भरतपुर (निस)। बिजली घर चौराहा स्थित भरतपुर इलेक्ट्रिसिटी सर्विसेज लिमिटेड के सब-डिविजनल कार्यालय बिजली घर पर सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जिसमें बीईएसएल के आलाधिकारी मौजूद रहे।

बीईएसएल के जनसंपर्क अधिकारी सुधीर प्रताप सिंह ने बताया कि भरतपुर शहर के 16 उपभोक्ता ही बिजली से संबंधित अपनी शिकायतें लेकर जनसुनवाई में पधारे। उपभोक्ता विद्युत बिल में किश्त करवाने, नया विद्युत कनेक्शन लेने, लो वोल्टेज की शिकायत करने, पोल और ट्रांसफॉर्मर शिफ्ट करवाने हेतु मिले। उन्होंने बताया कि ज्यादातर परिवादों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। परन्तु कुछ समस्याओं का समाधान 10 से 15 दिन में हो पाएगा।

इस मौके पर पीआरओ सुधीर प्रताप सिंह के अलावा सी.आर.एम हैड क्षितिज मिश्रा, सहायक अभियंता बहादुर सिंह, सहायक अभियंता ए-1 मनोज शर्मा, सहायक अभियंता ए 2 विजय तोमर, एच.आर प्रभात सिंह, एडमिन अजय परमार, कनिष्ठ अभियंता बुद्धिलाल कन्नौजिया, कनिष्ठ अभियंता पारितोष पाण्डेय, कनिष्ठ लिपिक शिवांगी उपाध्याय व अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

भगवान परशुराम का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया

करौली(नि.स.)। करौली जिला मुख्यालय सहित आस पास के ग्रामीण क्षेत्रो मे अक्षय तृतीया के अवसर पर भगवान परशुराम का जन्मोत्सव हषोउल्लास के साथ मनाते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए।

करौली जिला मुख्यालय पर भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का जन्मदिन करौली ब्राह्मण सभा भवन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान परशुराम की प्रतिमा का दूध-गंगाजल से मंत्रोउच्चारण के साथ अभिषेक कर हवन पूजा,परशुराम स्त्रोत्र का पाठ किया गया। ब्राह्मण समाज द्वारा हवन-पूजा और पाठ कर समस्त पृथ्वी वासियों की कुशल-क्षेम,सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। इस दौरान करौली ब्राह्मण समाज अध्यक्ष मदन मोहन पचौरी सहित प्रमुख समाज बंधु मौजूद रहे।

इस अवसर पर संगठन को मजबूत करने,सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और सामाजिक कार्यों को लेकर चर्चा की गई।ब्राह्मण समाज अध्यक्ष मदन मोहन शर्मा ने बताया कि हर वर्ष की भांति भगवान परशुराम का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान परशुराम का अभिषेक, हवन, पूजा-पाठ के बाद सत्तू और पंजीरी का प्रसाद वितरित किया गया। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम के जन्मदिन पर कई धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।इस अवसर पर श्रीमद् भागवत कथा वाचक रमेश शास्त्री ने भगवान परशुराम की जीवनी पर विचार प्रकट किया और भगवान परशुराम से सीख लेकर जीवन में अपने और सर्वधर्म समभाव के साथ देश प्रदेश की खुशी के लिए काम करने का संदेश दिया।समारोह में ब्राह्मण समाज के भूपेंद्र भारद्वाज, परसोत्तम शर्मा, कैलाश शर्मा, दीनदयाल शर्मा, उमेश शर्मा, यशवेंद्र, श्याम सुंदर शर्मा, कान्हा व्यास सहित बडी संख्या में समाज बंधु शामिल हुए। वही भगवान परशुराम जी जन्मोत्सव अतेवा स्तिथ परशुराम मन्दिर पर बड़े धूमधाम, अभिषेक, पूजन,महाआरती के साथ मनाया। आयोजन समिति के गोपेश शर्मा,भुनेश मुदगल ने बताया कि प्रातः 4:00 बजे से विद्धवान पण्डित दिनेश शास्त्री के सानिध्य में बेदिक विद्ववानों द्वारा शुक्लयजुर्वेद के मंत्रों से भगवान परशुरामजी का अभिषेक पूजन गंगाजल,दूध,दही,शहद,पंचामृत के साथ कराया।उसके पश्चात भगवान की महाआरती हुई। इसके अलावा गणेश ब्राह्मण धर्मशाला सपोटरा में ब्राह्मण समाज के तत्वाधान में भगवान परशुराम का जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया कार्यक्रम के अध्यक्ष महंत रसिक बिहारी अमरगढ़ द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

करौली में परशुराम जयंती के अवसर पर बाह्मण समाज के लोगों ने यज्ञ मे आहुति दी।

इस अवसर पर विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक हंसराज मीणा ने कहा कि ब्राह्मण समाज ने हमेशा अग्रज बनकर देश का नेतृत्व और सेवा की है, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश राजोरिया ने कहा कि ब्राह्मण समाज संगठित रहे बच्चों को रोजगार से जोड़ और नशे से दूर रखें, उपखंड अधिकारी सुभाष चंद्र गोयल ने ब्राह्मण समाज को विकास कार्यो से जुडने की अपील की, अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा संगठन के प्रदेश सचिव शिवचरण ने ब्राह्मण समाज के इतिहास और वर्तमान में ब्राह्मण समाज के परिवेश पर प्रकाश डाला विचार गोष्ठी को तहसीलदार नवल किशोर शर्मा, ब्राह्मण समाज सपोटरा के अध्यक्ष हरिनंद शर्मा, नारौली अध्यक्ष भगवान सहाय सहित समाज के कई लोगों ने संबोधित करते हुए समाज और संगठन के विकास पर जोर दिया।

सार-समाचार

विधवा महिलाओं का सम्मान किया

करौली(नि.स.)। भगवान परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में विप्र सेना करौली के तत्वाधान में विप्र सेना शक्ति केंद्र पर परशुराम भगवान् के चित्रपट के समक्ष सभी समाज के लोगो ने पूजा अर्चना एव हवन कर समाज में सुख,शांति एव समाज के उत्थान हेतु प्रभु से सामूहिक प्रार्थना की। कार्यक्रम के अगले क्रम में विप्र सेना करौली द्वारा विप्र नारी सशक्तीकरण के क्षेत्र में काम करते हुए समाज की 5 विधवा महिलाओं को महिला सम्मान कार्यक्रम के तहत् 1100 रुपये सम्मान राशि के रूप में दिये जो की प्रतिमाह उन महिलाओं के खातों मे निर्बाध रूप से विप्र सेना द्वारा डाली जाएगी। कार्यक्रम में विप्र सेना के बीरेंद्र शर्मा,पवन शुक्ला,हेमराज तिवारी,महेंद्र सुरोठिया, मुकुट बिहारी शोत्रीय,राजेंद्र सारस्वत,मनोज,फोजी, अरविंद शर्मा, योगेश सारस्वत वासु भैया,योगेश शर्मा योगी महाराज,रमाकान्त शर्मा, मनोज शर्मा, वृजेश शुक्ला,अंकुश शुक्ला,देवेश शर्मा,बिक्की (बेद गुरु) ,पवन व्यास, आभा शर्मा, हर्ष शर्मा आदि विप्र बंधु उपस्थित थे। प्रभु परशुराम कि पूजा अर्चना आचार्य शिवनारायण शास्त्री एव राजेंद्र शास्त्री द्वारा संपन्न कराई गई।

भगवान परशुराम का अभिषेक किया

जुरहरा (निस)। शुक्रवार को जुरहरा कस्बे में भगवान श्री परशुरामजी का जन्मोत्सव हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। जुरहरा में श्री आदि गौड़ ब्राह्मण समाज के द्वारा स्व. दुर्गाप्रसाद थानेदार के नोहरे में प्रेमचन्द गौड़ की अध्यक्षता व मदनलाल गौड़ के मुख्य आतिथ्य में परशुरामजी की जन्म जयन्ती मनाई गई। इस अवसर पर पण्डित गजेन्द्र आर्य ऊँचेडा के सान्निध्य में हवन किया गया जिसमें आदि गौड ब्राह्मण समाज के महिला-पुरुषों के द्वारा आहुति दी गईं वहीं भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्ज्वलित किया गया। कार्यक्रम में पीयूष गौड़ व मुख्य अतिथि मदनलाल गौड़ के द्वारा परशुरामजी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला गया। इस मौके पर मुख्य रूप से मनीराम गौड़, शिवराम गौड़, प्रदीप गौड़, संजय गौड़, विनोद गौड़, देवेन्द्र गौड़, महेश गौड़, गोपाल गौड़, सुभाष चंद उर्फ पप्पू गौड़, गंगाप्रसाद गौड़, कमल गौड़, भगवानदास गौड़, विवेक गौड़ व अंकित गौड़ सहित काफी संख्या में आदि गौड ब्राह्मण समाज के सेंकडों की संख्या में महिला व पुरुष मौजूद रहे। वहीं स्थानीय ब्राह्मण समाज के द्वारा ब्राह्मण धर्मशाला में भगवान परशुराम जी के अभिषेक के साथ उनका जन्मोत्सव हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। ब्राह्मण समाज के गणमान्य लोगों के द्वारा परशुराम जी की विशेष पूजा-अर्चना के साथ-साथ उनके चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित किए गए। इस अवसर पर पंडित श्यामलाल शर्मा, पंडित गोरधनलाल शर्मा, पंडित गंगाशरण शर्मा, भगवानदास पाराशर, महेश शर्मा, डॉ. सोहनलाल शर्मा, योगेश शर्मा व महेश तिवारी सहित समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

धौलपुर । धौलपुर जिले के मनियां थाना क्षेत्र में सुआ का बाग पर एक तेज रफ्तार मैक्स गाडी ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। हादसे के दौरान मौके पर मौजूद लोग मृतक को लेकर मनियां अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने बाइक सवार को मृत घोषित करते हुए शव मोर्चरी में रखवा दिया। जिसका शुक्रवार को पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराया। मृतक हरिओम के चचेरे भाई शिवराम ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि गुरुवार रात को उसका चचेरा भाई हरिओम पुत्र हाकिम सिंह उम्मेदीलाल के साथ बाइक से मनियां कस्बे से अपने घर मुगरवारा गांव जा रहा था। रास्ते में तेज रफ्तार मैक्स गाडी ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से हरिओम को मनियां अस्पताल लाया गया, जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के चचेरे भाई की ओर से दी गई रिपोर्ट के बाद शुक्रवार को पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

जरूरतमंद परिवारों को बांटे राशन किट

मंडावर। कस्बे स्थित जय श्री परशुराम सेवा समिति मंडावर के तत्वाधान में भगवान परशुराम के जन्मोसव पर (अक्षय तृतीया)के पावन पर्व पर समाज के जरूरतमंद लोगों राशन किट वितरण किया गया। इस मौके पर मोहनलाल शर्मा ने बताया कि भामाशाह सतीश पाराशर द्वारा अपने स्वर्गीय पिता की स्मृति में ब्राह्मण समाज के जरूरत मंद परिवारों को राशन किट का वितरण किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा युवा अध्यक्ष रिंकु हल्देनिया पूर्व अध्यक्ष महेंद्र शर्मा (सांथा वाले) डॉक्टर अजय शर्मा उमेश शर्मा (हल्देनियां)सुरेश चंद शर्मा बृजेश जोशी हितेश जोशी महन्त संतोष उपाध्याय कृष्ण मोहन शर्मा हरिओम शर्मा दिनेश शर्मा (बेरखेड़ावाले) पंडित श्यामसुंदर शास्त्री सहित कई लोग मौजूद रहे

ध्वनि यंत्रों के विरूद्ध की गई कार्यवाही

करौली (नि.स.)। जिला परिवहन अधिकारी महावीर प्रसाद पंचोली ने बताया कि जिला परिवहन एवं सडक सुरक्षा विभाग के उडन दस्तों द्वारा ऐसे टैक्टर-ट्रॉलियों जिन पर ध्वनि विस्तारण यंत्र लगे हुए है के विरूद्ध सख्त कार्यवाही प्रारंभ कर यंत्रों की जप्ती की कार्यवाही के साथ बिना रजिस्टेशन नम्बर प्लेट,बीमा,लाईसेंस, प्रदूषण कार्ड तथा तेज गति से संचालित पाये जाने पर चालान बनाकर ऐसे ट्रैक्टर ट्रॉलियों को सीज करने की कार्यवाही की गई। उन्होने बताया कि इसी प्रकार यह कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी। इसके अलावा उन्होने ध्वनि विस्तारक यंत्रों को स्वयं ही हटाने के लिये टैक्टर ट्रॉली मालिको को निर्देश भी दिये।

बुजुर्ग दंपत्ति के साथ की मारपीट

भरतपुर (निस)। जिले के चिकसाना थाना इलाके की रहने वाली एक लड़की अपने माता-पिता को इंसाफ दिलाने के लिए अधिकारियों के चक्कर काटने को मजबूर है। लड़की का कहना है कि, कल देर रात कुछ दबंग उसके घर में घुस आये और उसके माता पिता को बेहरमी से पीटा।

जिसके बाद लड़की ने अपने माता पिता को आरबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया है। जिसके बाद वह एसपी ऑफिस पहुंची और एसपी मृदुल कच्छावा से मिलकर अपनी समस्या बताई। रेखा ने बताया कि, 24 अप्रैल को गांव के महेंद्र, राजेश उत्तम, राजू, सावित्री, कमलेश और प्रेमवती ने घर पर कब्ज़ा करने की नियत से हमारे घर पर हमला कर दिया। जिस पर मेरी माता मानवती ने चिकसाना थाने में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। इसके बाद कल देर रात फिर से सभी लोग एक राय होकर हमारे घर में घुस गए। जिसके बाद सभी लोग मानवती और उसके पति को गालियां देने लगे। उन्होंने धमकी दी कि, उन्होंने अगर केस वापस नहीं लिया तो, वह उन्हें जान से मार देंगे।जब मानवती ने लोगों का विरोध किया तो, वह मानवती को खींचकर घर से बाहर ले आये और कपड़े उतारकर उनके साथ मारपीट करने लगे।

जब रेखा के पिता मानवती को बचाने आये तो, उन्होंने उन्हें भी पीटा। जिन्हें रेखा ने बड़ी मुश्किल से बचाया और अपने माता-पिता को आरबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया। रात को ही रेखा चिकसाना थाने पहुंची तो, पुलिसकर्मियों ने कहा कि, पहले वह अपने माता-पिता का इलाज करवाए। जब रेखा अपने माता पिता को लेकर अस्पताल आई तो, दबंगों ने उसके घर पर ताला लगा दिया और घर में रखा सारा सामान निकालकर ले गए।

सुभाष गर्ग ने सुनी जन समस्याऐं

भरतपुर (निस)। पूर्व मंत्री एवं भरतपुर विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने भरतपुर दौरे के दूसरे दिन शहरी व ग्रामीणों क्षेत्रों का दौरा कर आम जन की समस्याओं को सुना और सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को समस्या समाधान के निर्देश दिये।

डॉ. गर्ग ने भरतपुर दौरे के दौरान शहर के मुखर्जी नगर, पुराना लक्ष्मण मन्दिर, अनाह गेट बजारिया सहित गांव गुण्डवा, पीपला, महचौली, बराखुर, ठेई, खैमरा सहित अन्य गांवों में पहुंचकर क्षेत्र के लोगों के दुख-दर्द में शामिल हुये तथा आम जन की समस्याओं को भी सुना। लोगों ने डॉ. गर्ग को बिजली, पानी, सडक, अतिक्रमण सहित अन्य समस्याओं से अवगत कराया। जिस पर उन्होंने समस्याओं का समाधान कराने का विश्वास दिलाते हुये सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को समाधान करने के निर्देश दिये। इस दौरान डॉ. गर्ग ने रणजीत नगर कार्यालय पर भी जनसुनवाई की।

सैन समाज का प्रथम सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित

डीग (निस)। शुक्रवार को कामां रोड स्थित सैन धर्मशाला पर सैन महासभा विकास समिति के तत्वाधान में सैन समाज का प्रथम बार सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन गृहराज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ।

इस दौरान गृहराज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म का समाज के पदाधिकारियों ने माला वा दुपट्टा पहनाकर भव्य स्वागत किया सामूहिक विवाह सम्मेलन के दौरान कुल 6 वर वधु ने सात फेरे लेते हुए एक दूसरें के हमसफ़र बने। इस दौरान मुख्य अतिथि गृहराज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने वर वधु को आशीर्वाद प्रदान किया। इस मौके पर जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन वर्तमान की आवश्यकता है। ऐसे सम्मेलनों से समाज के आर्थिक रूप से सक्षम ना हों, वे परिवार भी अपने बेटे-बेटियों के विवाह धूमधाम से कर सकते है। उन्होंने कहा कि विवाह सिर्फ पति-पत्नी का मिलन ही नहीं बल्कि दो परिवारों का भी मिलन है। पति-पत्नी दोनों को एक दूसरे के माता-पिता और परिजनों का सम्मान करना चाहिए। सामूहिक विवाहोत्सव से समाज की एकता और एक दूसरे के प्रति बेहतर भावना समाज में फैलती है।इस मौके पर अमरदीप सैन, मुकेश सैन, दीपक सैन, मुकेश सेन, रामस्वरुप, राजवीर, खेमचंद, रामजीलाल, गोपीचंद एडवोकेट, बलराम, अमरचंद सीकरी, चन्द्रभान मास्टर, सोहनलाल, देवेंद्र, रमेश, रामस्वरूप सहित बड़ी संख्या में सैन समाज के लोग उपस्थित थे।

सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन गृहराज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ।

श्रीपति मिश्र का सम्मान किया

भरतपुर (निस)। अक्षय तृतीया भगवान परशुराम जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर भगवान परशुराम मंदिर, पं. सुन्दर लाल बगीची, भरतपुर पर आयोजित, भगवान परशुराम कथा में श्री ब्राह्मण सभा, भरतपुर के पूर्व जिलाध्यक्ष व प्रमुख समाजसेवी कौशलेश शर्मा के नेतृत्व में विभिन्न विप्र सामाजिक संगठनों द्वारा स्वरचित ग्रंथ के वाचक एवं कथा व्यास पं. श्रीपति मिश्र का पटका, माला, शॉल, साफा पहनाकर व भगवान परशुराम का प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया व भगवान परशुराम कथा का पूजन किया।

भगवान परशुराम कथा के आचार्य ने व्यास गद्दी से कथा में भगवान परशुराम के द्वारा आततायिओं का, जो वध किया गया था, उसका विस्तार से वर्णन किया गया। कथा में प्रभु श्री राम के द्वारा, भगवान शिव-धनुष तोड़ने का वर्णन भी किया गया। इस अवसर पर श्री ब्राह्मण सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष व वरिष्ठ समाजसेवी कौशलेश शर्मा, विप्र फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष डॉ. सुशील

■ **भगवान परशुराम के द्वारा आततायिओं का, जो वध किया गया था, उसका विस्तार से वर्णन किया गया**

पाराशर, समता आंदोलन के जिलाध्यक्ष केदारनाथ पाराशर, कांग्रेस के शहर अध्यक्ष दयाचंद पचौरी, बाल कल्याण समिति के पूर्व जिलाध्यक्ष गंगाराम पाराशर, रांगेय राघव राघव कॉलेज के निदेशक शिशुपाल लवानियां, विप्र फाउंडेशन, भरतपुर के पूर्व जिलाध्यक्ष नेमीचंद मुद्गल, अन्नपूर्णा रसोई के संचालक विष्णुदत्त शर्मा, जयश्री बाँके बिहारी सेवा समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरिगोविन्द मिश्रा, राजस्थान रोडवेज सेवानिवृत कर्मचारी यूनियन के संभागीय अध्यक्ष दिनेश शर्मा जघीना, श्री ब्राह्मण समाज, तिलक नगर के अध्यक्ष नत्थीलाल दीक्षित, सेवानिवृत्त थानेदार प्रभुदयाल कटारा, वरिष्ठ सदस्य बनवारीलाल शर्मा, वाइस प्रिंसीपल बाबूलाल कटारा, एलआईसी के लालचंद शर्मा, सेवानिवृत्त अमीन रामेश्वर शर्मा, सहायक अभियंता डी.एन. शर्मा, सेवानिवृत्त विकास अधिकारी इंजी. राजेंद्र दण्डौतिया, सेवानिवृत्त सहायक लेखाधिकारी ईश्वरीप्रसाद शर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी मदन गोपाल शर्मा, बाल कल्याण समिति के सदस्य एडवोकेट भूपेंद्र शर्मा, बृजभूषण पाराशर, जयशंकर जूडो करांटे क्लब के संचालक पीयूष जयशंकर टाइगर, शिक्षाविद दिनेश शर्मा, समाजसेवी अशोक शर्मा सारस, समाजसेवी सुरेश शर्मा, पवन पाराशर, शिक्षाविद सुरेश शर्मा, युवा सामाजिक कार्यकर्ता भरत पचोरी, सारथी महेश शर्मा चिचाना, शिक्षाविद नवीन उपाध्याय ने भी व्यास महाराज का सम्मान किया व व्यास गद्दी का पूजन किया। कथा की समाप्ति पर व्यास महाराज ने सभी विप्र जनों को आशीर्वाद देते हुए अक्षय तृतीया की शुभकामनाएं दी।

सट्टे की खाईवाली में 2 गिरफ्तार

धौलपुर। जिले की सरमथुरा थाना पुलिस ने अवैध शराब, अवैध हथियार एवं जुआ सट्टा के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी गौरव कुमार ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए अवैध शराब रखने, ले जाने और उसकी बिक्री करने वाले आरोपी हरकेश पुत्र मोतीलाल मीणा निवासी बीलोनी सरमथुरा को बीलोनी मोड बथुआ खोह से गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से 102 अवैध देशी शराब के पव्वे जप्त किए हैं। इसी प्रकार सती का चौक सरमथुरा से मुखबिर की सूचना पर सट्टे की खाई वाली करते हुए सटोरिया बिज्जो उर्फ विजय सिंह पुत्र लाल सिंह उर्फ लाला ठाकुर निवासी सती का चौक सरमथुरा को गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से 2 हजार 200 रुपए की सट्टा राशि व अन्य उपकरणों को जप्त किया है। ऐसे ही सरमथुरा थाना पुलिस ने एक और कार्रवाई करते हुए गुरुवार दिन रात सुरारी मोड़ से विधि से संघर्षरत दो बालकों के कब्जे से अवैध देसी कट्टा 315 बोर और एक जिंदा कारतूस जप्त किया है।

कन्या दान महादान परम्परा का निर्वहन किया

कामां (निस)। कामां तहसील के गांव पथवारी में जायन्ट्स ग्रुप ऑफ कामवन कामां द्वारा सामाजिक सरोकार निभाते हुए एक कन्या के विवाह आयोजन मे सहयोग प्रदान कर कन्या दान महादान की परम्परा का निर्वहन किया।

जायन्ट्स ग्रुप कामवन के अध्यक्ष खेमराज खंडेलवाल ने बताया कि कामां तहसील के गांव पथवारी में एक लड़की की शादी का आयोजन किया गया। जो कि परिवार निहायत ही गरीब था उसके पास बेटी की शादी करने के लिए सुविधाओं का अभाव होने के कारण परिवार ने जायन्ट्स ग्रुप ऑफ कामवन व सेवा भारती के कार्यकर्ताओं से सम्पर्क किया तो उन्होंने सम्भल प्रदान करते हुए सहयोग के लिए आश्वस्त किया। हरप्रसाद नाटाणी ने बताया कि कन्या की शादी में सहयोग करने पर जायन्ट्स के पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से कहा की कन्यादान से बढ़कर कोई दान नही है। जिस पर ग्रुप के पदाधिकारीयों ने चर्चा कर शादी में आने वाले सभी लोगों के लिए भोजन व अन्य जरूरी सामग्री उपलब्ध करायी गई व अन्य व्यवस्थाओ में सहयोग प्रदान कर शादी को संपन्न कराया गया। इस अवसर जायन्ट्स ग्रुप के हरिकुम्हेरिया, हरिशंकर खण्डेलवाल रिटायर्ड प्रधानाचार्य, जायन्ट्स के यूनिट डायरेक्टर संजय जैन बड़जात्या, सुरेश सोनी, भामाशाह अशोक सोनी, अपनाघर के अध्यक्ष प्रमोद पुजारी, मोहन पुजारी, मनोज गंगोरा वाले, सुनील तमोलिया, राजेश तमोलिया, सेवा भारती के रमन आर्य, यथार्थ सेवा समिति अध्यक्ष धर्मवीर गुर्जर व अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

■ **कामां तहसील के गांव पथवारी में जायन्ट्स ग्रुप ऑफ कामवन कामां द्वारा एक कन्या के विवाह आयोजन किया**

अक्षय तृतीया पर माली समाज के 33 जोड़े परिणय-सूत्र में बंधे

करौली(नि.स.)। अक्षय तृतीया के अवसर पर माली समाज का छठवां सामूहिक विवाह सम्मेलन मंडरायल रोड स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास परिसर आयोजित किया गया। सामूहिक विवाह सम्मेलन में 33 जोड़े परिणय-सूत्र बंध गए। इस मौके पर तुलसी-शालिग्राम विवाह का भी आयोजन किया गया। इस दौरान करौली के पूर्व विधायक लाखन सिंह मीणा,करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर के पुत्र सहित विभिन्न समाजों के अध्यक्ष और जनप्रतिनिधियों ने विवाह सम्मेलन में पहुंचकर वर वधु को आशीर्वाद दिया।

संस्थान एवं समिति अध्यक्ष प्रेम सिंह माली ने बताया कि महात्मा ज्योतिबा फूले विकास संस्थान के तत्वाधान में छठवां सामूहिक विवाह सम्मेलन अक्षय तृतीया पर समाज के अथक प्रयास से भीषण गर्मी के बीच सफलता पूर्वक आयोजित हुआ। सेलोकर हनुमान मंदिर से बारात की चढ़ाई शुरू हुई। बारात का नेतृत्व घोडी और मुख्य ध्वज के बोली दाता रघुवीर सैनी खेड़ा मदनपुर ने किया।छात्रावास में बारात का स्वागत और पाणिग्रहण संस्कार संपन्न कराए गए। जहां पर तुलसी विवाह के मुख्य यजमान करौली पंचायत समिति की पूर्व प्रधान विद्या देवी और उनके पति जमनालाल माली रहे।उन्होंने बताया की सभी समाज बंधुओं ने सम्मेलन को सफल बनाने में तन,मन,धन से सहयोग किया।संस्था सचिव रामगोपाल माली ने बताया कि विवाह सम्मेलन में 12 विधवा कि बेटी और 12 बेटे विधवा के शामिल हैं। जबकि करौली जिले के अलावा भरतपुर, दौसा, सवाई माधोपुर, गंगापुर जिले के वर-वधु भी सामूहिक विवाह सम्मेलन में परिणय सूत्र में बंधे।इस अवसर पर बाराती, कन्या पक्ष के लोगों के साथ समाज के लोगों को सामूहिक भोज का भी आयोजन किया गया।

करौली मे आयोजित माली समाज के विवाह सम्मेलन मे मंच के सामने बैठे दुल्हे।

जाजम बैठकों का आयोजन

धौलपुर। शासन सचिव बाल अधिकारिता विभाग और जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी टी के निर्देशानुसार सभी शुक्रवार को जिले की सभी 188 ग्राम पंचायतों में मेगा जाजम बैठकों का आयोजन किया गया। इसके साथ ही नारी चौपाल और महिला ग्राम सभाओं का आयोजन भी रखा गया। उक्त कार्यक्रमो में महिला अधिकारिता विभाग की साथिनों, महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं सहित पंचायती राज विभाग के ग्राम विकास अधिकारियों द्वारा भाग लिया गया। सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग विश्व देव पांडेय एवं उपनिदेशक आईसीडीएस भूपेश गर्ग द्वारा उक्त बैठकों का भ्रमण कर बाल विवाह निषेध की अपील की गई। महिलाओं ने जाना कि बाल विवाह सबसे ज्यादा उनके लिए ही घातक है एवं इसके लिए उन्हें ही सबसे पहले आगे आना चाहिए। उन्होंने कसम खाई कि वे बिना जांच पड़ताल के आगे से किसी विवाह न्योते में भी नहीं जाएंगी। वहीं पुलिस एवं प्रशासन द्वारा शुक्रवार को अंतिम जानकारी मिलने तक जिले में अलग-अलग स्थानों पर तीन बाल विवाहों को रोकने में सफलता पाई। पंडितो के अनुसार शुक्र एवं गुरु गृह अस्त होने के कारण विवाहों के संख्या कम होना एवं सरपंचों में माननीय उच्च न्यायालय के आदेश का भय पुलिस एवं प्रशासन के लिये मददगार साबित हुआ।

भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर रक्तदान

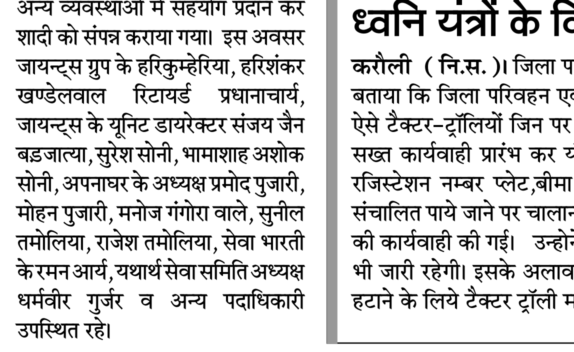

विशाल रक्तदान शिविर में युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

धौलपुर। अक्षय तृतीया भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के अवसर पर भगवान परशुराम चैरिटेबल ट्रस्ट एवं सर्व समाज धौलपुर के तत्वाधान में परशुराम सेवा सदन धौलपुर में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी, पीएमओ डॉ विजय सिंह, पी सी बोहरा अध्यक्ष एवं किशन चंद शर्मा कोषाध्यक्ष भगवान परशुराम चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा पूजन एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।

जिला कलेक्टर ने अपने उद्बोधन में धौलपुर जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक में रक्त की कमी को बताते हुए युवाओं से रक्तदान करने का आहान किया। पीएमओ डॉ विजय सिंह ने स्वैच्छिक रक्तदानों से अपील की है कि वे रक्तदान को दान के रूप में लें न कि उसका रिप्लेसमेंट करें। शिविर में सर्व समाज के युवाओं द्वारा 50 रक्त यूनिट का रक्तदान किया गया। इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र एवं टी-शर्ट प्रदान की गई। रक्तदान शिविर के समापन पर अध्यक्ष पीसी बोहरा ने समस्त रक्तदाताओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर विशंभर दयाल शर्मा, कन्हैयालाल वेद, मुकेश शर्मा, मुकेश हनुमानपुरा, राम शर्मा, मिठ्ठन लाल, राजेश महदपुरा, प्रमोद शर्मा, अशोक सिकरवार, लोकेश राजपूत, राजा हिंदुस्तानी, प्रमोद पचौरी, प्रमोद भारद्वाज, दुष्यंत शर्मा आदि मौजूद रहे।

चोरी के आरोप में दो गिरफ्तार

करौली (नि.स.)। करौली कोतवाली पुलिस ने चोरी करने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने शहर के बजाज नगर में एक निर्माणाधीन मकान से पानी मोटर, केबल, रस्सा आदि सामान चोरी किया था। करौली कोतवाली थाना अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि रिन्कू 32 पुत्र चेतराम मीना निवासी गुर्जर गाँवडा हाल निवासी कॉलेज के पीछे बजाज नगर करौली ने कोतवाली पर एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया कि 3 मई को गवर्नमेंट कॉलेज के पीछे बजाज नगर में निर्माणधीन मकान की तराई कर वह शाम करीब 7:00 बजे अपने कमरे पर चला गया। दूसरे दिन 4 मई को प्रात 8:00 बजे मकान पर पहुंचा तो देखा की रात में चोर बोरवेल से 110 फीट लंबी केबल,रस्सा तथा पानी की मोटर को चोरी करके ले गए।

नाम परिवर्तन

मैं केशराम मीना पुत्र श्री देवीलाल मीना आयु 41 साल जाति मीना निवासी नाहरपुरा तहसील मण्डरायल जिला करौली (राजस्थान) यह कि गोविन्द मीना मेरा पुत्र है मेरे पुत्र को विद्यालय में प्रवेश दिलाते समय कम्प्यूटर ऑपरेटर से नाम चढाते समय पुत्र की माता का नाम मनीषा गलत दर्ज हो गया है जबकि मेरे पुत्र की माता का नाम मनीता देवी मीना है। इसलिए मैं अपने पुत्र के शिक्षा रिकार्ड में माता का सही नाम मनीता देवी मीना दर्ज करवाना चाहता हूं। ह. शपथकर्ता

झुंझुनूं के कई इलाकों में बारिश के साथ ओले गिरे

बिगड़े मौसम के मिजाज से शादियों के कार्यक्रमों में भी खलल पड़ गया

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं के कई इलाकों में शुक्रवार शाम को मौसम पलटा और बारिश के साथ ओले भी गिरे। बारिश के कारण आमजन को गर्मी से राहत मिली।

जानकारी के मुताबिक पिलानी के बेरी, रामपुरा, हमीनपुर, बनगोठड़ी आदि गांवों के अलावा सूरजगढ़ के

- **पिलानी में अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री दर्ज किया गया**

गोदा का बास और बुहाना क्षेत्र में शाम को तेज हवाओं के साथ बारिश हुई और ओले गिरे। बारिश के कारण आमजन को गर्मी से राहत मिली। वहीं कई खेतों में किसानों की कटी हुई सरसों की फसल और पशुओं के लिए चारा पड़ा हुआ है, जिसे नुकसान भी हुआ है, लेकिन नुकसान काफी कम है। शुक्रवार को बिगड़े मौसम से उन शादियों के कार्यक्रमों में भी खलल पड़ गया, जिन्होंने अक्षय तृतीया के दिन अबूझ सावे को ध्यान में रखते हुए अपने बेटे-बेटियों की शादी करने का कार्यक्रम तय कर लिया। बदले मौसम से टेंट आदि उखड़ गए। इधर, शुक्रवार को दिन का तापमान गुरूवार की बजाय अधिक रहा। गुरूवार को जहां पिलानी में अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं शुक्रवार को यह बढ़कर 43.5 डिग्री दर्ज किया गया। तेज गर्मी ने शुक्रवार को दिनभर आमजन को बेहाल रखा। हालांकि जिले के अन्य इलाकों में भी बादल छाने से गर्मी से राहत मिली।

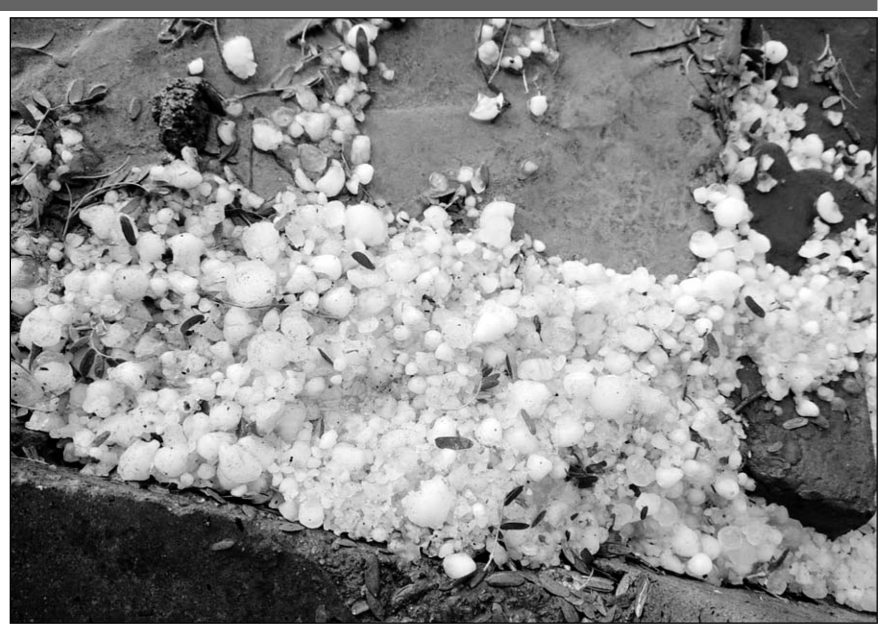

झुंझुनूं के कई इलाकों में बारिश के साथ ओले भी गिरे।

युवक ने आत्महत्या की

जोधपुर, (कासं)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 8 में एक युवक ने अपने घर की सीढियों पर लगी रेलिंग से फंदा लगाकर जान दे दी। उसे फंदे से हटाकर अस्पताल ले जाया गया। मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। इस बारे में देवनगर थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। आरंभिक पड़ताल में मालूम हुआ कि पिता पुत्र में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। देवनगर पुलिस ने बताया कि चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 8 सेक्टर निवासी रवि पुत्र राजकुमार सिंधी ने फंदा लगा लिया। उसका अपने पिता से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। बाद में रवि ने घर की सीढियों पर लगी रेलिंग में चुन्नी का फंदा डाला और झूल गया।

प्री-डीएलएड परीक्षा-2024 के आवेदन आज से

बीकानेर, (निसं)। प्री-डीएलएड परीक्षा 2024 में प्रवेश के लिए आवेदन 11 मई से शुरू होंगे। इस बार वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय इस परीक्षा का आयोजन पूरे राज्य में कर रहा है।

वीएमओयू के कुलपति प्रो. कैलाश सोडाणी ने बताया कि पूरी तैयारी के साथ प्री-डीएलएड परीक्षा में आवेदन करने तथा प्रवेश परीक्षा कराने की तिथियां घोषित की जा रही है। परीक्षा समन्वयक डॉ. रवि गुप्ता ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया के लिए आवेदन फॉर्म भरने की शुरुआत 11 मई से होगी। 31

- **31 मई तक आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि है**
- **30 जून को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा**

मई तक आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि रखी गई है और 30 जून को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। आवेदक का कक्षा 12वीं उत्तीर्ण होना अथवा वर्ष 2024 में कक्षा 12वीं की परीक्षा में सम्मिलित होना आवश्यक है।

सह-समन्वयक संदीप हुड्डा ने बताया कि अभ्यर्थी पर 11 मई से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन शुल्क प्री-डीएलएड प्रवेश परीक्षा सामान्य अथवा संस्कृत के लिए 450 रुपए है। प्री-डीएलएड प्रवेश परीक्षा सामान्य तथा संस्कृत दोनों में आवेदन करने के लिए 500 रूपये है। आवेदन शुल्क यूपीआई, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग अथवा ई-मित्र के माध्यम से कर सकते हैं।

बीकानेर में अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री पहुंचा, गर्मी से लोग परेशान

बीकानेर, (निसं)। दिनों-दिन गर्मी अपने तेवर तल्ख कर रही है। नतीजा सुबह के दो घंटे बीतते ही सड़कें-गलियां सूनी होने लगी हैं। लू के थपेड़े ऐसे सता रहे हैं, जैसे अभी जला ही देंगे। हालांकि, मौसम विभाग ने पहले ही लू तथा तापघात की चेतावनी दे रखी थी। फिर भी दिनों दिन बढ़ रही गर्मी एवं लू की वजह से जनता परेशान रही है। वहीं शुक्रवार शाम को करीब करीब 5.30 पर अचानक बादल आये और हल्की बूंदाबादी हुई। जिससे लोगों को बड़ी राहत मिली और

- **हल्की बूंदाबांदी होने से गर्मी से लोगों को मिली राहत**

पतंगबाजी का दौर जोर-शोर से पुनः शुरु हो गया।

इससे पूर्व भीषण गर्मी के चलते स्थिति यह हो गई है कि प्रशासन को भी अब आगे आना पड़ा है। तेज गर्मी से छुटकारा दिलाने के लिए शहर की सड़कों पर पानी से छिड़काव किया गया। आलम यह था कि सुबह दस बजे ही सड़कें सूनी होने लग गई थीं। आखातीज पर अवकाश होने के कारण बाजारों में भीड़ कम थी। इस वजह से दुकानदार भी सुस्ताते नजर आए। गर्मी की प्रभाव पशु पक्षियों पर भी नजर आने लगा है। पक्षी पेड़ की छांव में बैठे रहते हैं और पशु पानी और छांव की तलाश में भटकते रहे।

बीकानेर में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं रात के समय न्यूनतम तापमान भी अधिकतम के पीछे-पीछे 31.3 डिग्री सेल्सियस तक चढ़ा। यह अब तक का सबसे अधिक है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। राहत दिलाने के लिए पानी का छिड़काव पीबीएम अस्पताल, केईएम रोड, रानी बाजार, जूनागढ़, स्टेशन रोड, जस्सूसर गेट आदि इलाकों में फायर ब्रिगेड से छिड़काव किया गया। महापौर ने कहा कि इस बार गर्मी का प्रकोप तेज होने पर आवश्यकता अनुसार पानी का छिड़काव किया जाएगा।

पुलिस की लुक्का गैंग से हुई मुठभेड़, एक बदमाश को दबोचा

दोनों ओर से 100 से अधिक राउंड फायरिंग हुई

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले के दिहौली थाना क्षेत्र में जुगईपुरा के बीहड़ों में पुलिस और डकैत लुक्का गैंग में जमकर मुठभेड़ हुई। इस दौरान दोनों ओर

- **लुक्का गैंग के अन्य छह सदस्य भागने में सफल हुये**

से करीब 100 से अधिक राउंड फायर किए गए। जहां पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान लुक्का गैंग के एक सदस्य सतीश को दबोच लिया है। वहीं गैंग के अन्य सदस्य अंधेरे व बीहड़ों का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। मामला गुरुवार देर रात्रि का है जहां दिहौली थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने कांस्टेबल अमित शर्मा की सूचना पर कार्रवाई को अंजाम दिया है।

थाना प्रभारी परमजीत सिंह ने बताया कि कांस्टेबल अमित शर्मा की सूचना पर डीएसटी टीम के साथ दिहौली क्षेत्र में सिद्ध बाबा मंदिर के पास जुगईपुरा के बीहड़ों में पहुंचे, जहां पर डकैत लुक्का गैंग ने पुलिस को देखते ही ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इधर पुलिस ने भी आत्मरक्षा के लिए जवाबी फायरिंग की। थाना प्रभारी ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान लुक्का गैंग के एक सक्रिय सदस्य सतीश पुत्र मुंशीलाल गुर्जर निवासी जुगईपुरा दिहोली को दबोच लिया। वहीं मौके से गैंग द्वारा भागने के उपयोग में ली जारी एक मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया।

थाना प्रभारी परमजीत सिंह ने बताया कि पुलिस और डीएसटी टीम द्वारा करीब 45 राउंड फायर किए गए, तो वहीं लुक्का गैंग ने पुलिस पर 50 से 60 राउंड फायर किए। मुठभेड़ के दौरान अंधेरे एवं बीहड़ों का फायदा उठाकर लुक्का गैंग के धर्मेंद्र उर्फ लुक्का पुत्र विजय सिंह निवासी देव का पुरा थाना कोतवाली धौलपुर, विष्णु उर्फ भगत पुत्र राजेन्द्र निवासी करका खेरली थाना दिहौली, तहसीला पुत्र सोनेराम निवासी मोरोली थाना कोतवाली, हनुमान दास पुत्र करतार सिंह निवासी तिघरा थाना सदर धौलपुर, सोनू पुत्र मान सिंह निवासी अतिराज का पुरा थाना कंचनपुर और सोनू पुत्र राजाबाबू निवासी सादिकपुर थाना मनियां भागने में सफल रहे। जिनकी तलाश जारी है।

इस दौरान पुलिस की कार्रवाई टीम में थाना प्रभारी परमजीत सिंह के साथ कांस्टेबल जयकुमार, सत्यपाल, सुरेंद्र सिंह, राजेश कुमार, मुकेश कुमार, लक्ष्मण, राधेश्याम, रामपाल और डीएसटी टीम के हैड कांस्टेबल दीनदयाल, कांस्टेबल अमित शर्मा, धर्मेंद्र, रविंद्र, सुरेश, अश्वनी पचौरी और वासुदेव शामिल रहे।

पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान लुक्का गैंग के एक सदस्य सतीश को दबोचा।

पुलिस को देख चालक सड़क पर बजरी खाली कर डंपर ले भागा

निवाई के मूंडिया गांव में सड़क के बींचों-बीच पड़ी हुई बजरी।

निवाई, (निसं)। गांव मूण्डिया में पुलिस की गाड़ी को देखकर एक डंपर के चालक अवैध बजरी को सड़क के बींचो-बीच डालकर डंपर भगा ले गया, जिससे मूण्डिया जाने वाले सड़क मार्ग पर आने-जाने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी प्रकार दूसरे डंपर का चालक पुलिस को देखकर डंपर को तेज गति से भागाकर ले गया। सदर पुलिस मौक पर पहुंची और अवैध बजरी के बारे में खनिज विभाग को सूचना दी।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस गश्त की गाड़ी को देखकर बजरी का डंपर चालक डंपर को तेजगति से भगाकर राहोली की ओर फरार हो गया तथा दूसरे चालक ने मूण्डिया में सड़क के बींचो बीच बजरी डालकर डंपर को भगा ले गया। पुलिस डंपरों की पहचान करने में जुट गई है। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों डंपर चालक तेज गति से डंपरों को भगाकर ले गए जिससे गांव में कोई भी हानि भी हो सकती थी। इस दौरान गांव में बड़ा हादसा होने से टल गया।

पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर ऑनलाइन ठगी

अजमेर, (कासं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र में एक युवक से ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने अमेजॉन पर पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर पीड़ित का मोबाइल हैक कर लिया। बाद में पीड़ित के अकाउंट और क्रेडिट कार्ड से ट्रांजैक्शन कर करीब 8 लाख रुपए विड्रॉल कर लिए। पीड़ित को वापस पैसे देने की एवज में 20 प्रतिशत फिरौती की मांग की। पीड़ित ने परेशान होकर अलवर गेट थाने में शिकायत दी है। अलवर गेट थाना पुलिस के अनुसार मेयो लिंक रोड रबड़िया मोहल्ला निवासी प्रतीक वर्मा की ओर से मुकदमा दर्ज करवाया गया है।

उन्होंने शिकायत में बताया कि इंस्टाग्राम पर अमेजॉन पर पार्ट टाइम जॉब के ऑफर का लिंक उनके पास आया था। साइबर ठगों ने लिंक के माध्यम से उसका फोन हैक कर लिया। बाद में उसके अकाउंट और क्रेडिट कार्ड से करीब 8 लाख रुपए विड्रोल कर लिए। पीड़ित ने बताया कि उसने किसी तरह का ओटीपी साझा नहीं किया था। बाद में उसने साइबर सेल के नंबर पर जानकारी देकर इसकी शिकायत दी थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

रेलवे कर्मचारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

रेलवे कर्मचारी के भाई ने महिला पर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया

अजमेर, (कासं)। अलवरगेट पुलिस थाना क्षेत्र धोलाभाटा अजयपाल नगर में रहने वाले एक रेलवे कर्मचारी ने अपने ही कमरे में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची ने शव को अपने कब्जे में लेकर जवाहर लाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया। पोस्टमार्टम करा शव परिजन के सुपुर्द किया। मृतक रेलवे कर्मचारी के भाई ने आरोप लगाया कि उसके साथ एक लड़की रहने लगी और वह उसे ब्लैकमेल कर रही थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर सभी पहलुओं पर जांच शुरू कर दी है।

- **अलवर गेट थाना पुलिस सुसाइड के कारणों को लेकर जांच में जुटी है**

आबू रोड हाल धोलाभाटा अजयपाल नगर में निवासी प्रदीप कुमार पुत्र मदन कुमार ने अपने घर पर पाइप से फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। मकान मालिक और पड़ोसियों ने जब उसे लटका देखा तो क्षेत्र में हड़कंप मच गया। इसके बाद इसकी सूचना अलवर गेट थाना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को जेएलएन अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को अस्पताल के मुर्दाघर में सुरक्षित रखवा दिया और परिजन को सूचना दी। शुक्रवार सुबह मृतक के परिवार वाले अजमेर पहुंचे, जहां अलवर गेट थाना पुलिस ने अस्पताल में पोस्टमार्टम की कार्रवाई कर शव परिजन के सुपुर्द कर दिया। अलवर गेट थाना पुलिस सुसाइड के कारणों को लेकर जांच में जुटी है।

भाई ने लगाया महिला ब्लैकमेल का आरोप :- मृतक के छोटे भाई आबू रोड निवासी प्रवीण कुमार ने पड़ोसी महिला पर ब्लैकमेल करने के आरोप लगाए है। प्रवीण ने बताया कि उसका भाई प्रदीप कुमार रेलवे में कर्मचारी था, करीब छह माह पहले ही अजमेर में ट्रांसफर हुआ था। इसके बाद से वह अपनी पत्नी के साथ अजमेर में किराए पर मकान लेकर रह रहे थे। भाई ने आरोप लगाया कि पड़ोस में रहने वाली महिला ने पहले उनसे बहन बनाकर नजदीकी बढ़ाई थी। बाद में रिलेशनशिप में आ गई थी। पीड़ित भाई ने आरोप लगाया कि महिला के द्वारा उसके भाई को शादी के लिए ब्लैकमेल किया जा रहा था। ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर भाई ने सुसाइड किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

निर्माण कार्य से ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा

जोधपुर, (कासं)। मेड़ता रोड-बीकानेर रेल मार्ग पर स्थित चीलो स्टेशन पर लूप लाइन के निर्माण कार्य के तहत नॉन इण्टरलॉकिंग के कारण रेल यातायात प्रभावित रहेगा।

जोधपुर डीआरएम पंकज कुमार सिंह के अनुसार उपरोक्त कार्य के कारण उत्तर पश्चिम रेलवे पर कुछ ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा। इसके तहत गाड़ी संख्या 19719, जयपुर-सूरतगढ़ रेलसेवा जो 25 व 26 मई को जयपुर से प्रस्थान करेगी वह अपने निर्धारित मार्ग जयपुर-फुलेरा-मेड़ता रोड-बीकानेर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाया जयपुर-रींगस-सीकर-चूरू-बीकानेर होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में यह रेलसेवा श्रीडूंगरगढ़, राजलदेसर, रतनगढ़, चूरू, फतेहपुर शेखावाटी, सीकर, रींगस, ढेहर का बालाजी स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इसी तरह गाड़ी संख्या 19720, सूरतगढ़-जयपुर रेलसेवा जो 25 व 26 मई को सूरतगढ़ से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा अपने निर्धारित मार्ग बीकानेर-मेड़ता रोड-फुलेरा-जयपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाया बीकानेर-चूरू-सीकर-रींगस-जयपुर होकर संचालित होगी।

पांच हजार लीटर वनस्पति एवं देशी घी सील किया

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में चल रहे "शुद्ध आहार-मिलावट पर वार" अभियान के तहत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रीको स्थित एक फैक्ट्री पर दबिश दी जहां बंद पैकेटों में की गई पैकिंग का घी राजस्थान के अलावा कई प्रदेशों में सप्लाई किया जा रहा था। इस घी में मिलावट की आंशका पर इस कार्रवाई के दौरान टीम ने करीब पांच हजार लीटर वनस्पति एवं देशी घी सील किया। इसके साथ साथ मौके से तीन सैंपल लिए।

सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने बताया कि मुख्यालय से विभागीय सूचना मिली कि रिको स्थित महादेव इंडस्ट्री में नकली देशी घी का निर्माण किया जा रहा है, यह घी देश के विभिन्न राज्यों उड़ीसा, असम व रायपुर आदि में सप्लाई किया जाता है। वहीं राजधानी जयपुर सहित राज्य के अन्य हिस्सों में भी मिल्क बाइट ब्रांड का घी सप्लाई होता है। यहां पर टीम गठित कर फैक्ट्री पर दबिश दी गई। जहां मौके पर वनस्पति एवं देशी घी पाया गया। टीम ने खुले में

- **रीको में फैक्ट्री सीज, बंद पैकेटों में की गई पैकिंग का घी राजस्थान के अलावा कई प्रदेशों में सप्लाई किया जा रहा था**

रखे गए वनस्पती, प्रोटो ब्रांड का वनस्पति घी एवं मिल्क बाइट ब्रांड का घी के सैंपल लिए। मिलावट की आशंका के चलते टीम ने मौके पर ही 2750 लीटर वनस्पति एवं 2160 लीटर मिल्क बाइट ब्रांड का देशी घी को सील किया। उन्होंने बताया कि सैंपल तत्काल लैब में भेजकर रिपोर्ट करवा कर आगामी कार्रवाई की जाएगी। जांच टीम में सीओआईईसी विनोद बिश्नोई, एफएसओ हेतराम खुडिया एवं हंसराज गोदारा टीम आदि शामिल थे।

सीएमएचओ ने आमजन से अपील है कि जहां भी अशुद्ध, मिलावटी व अवधिपार खाद्य सामग्री बेचने की आशंका हो, उसकी शिकायत अवश्य करें।

बीकानेर में 24 घंटे में चार शव मिले

बीकानेर, (निसं)। शहर में पिछले 24 घंटे में अलग-अलग जगहों से चार युवकों के शव मिले हैं, जहां गुरूवार को दो शव मिले थे, वहीं शुक्रवार को भी दो अलग-अलग जगह युवकों की मौत हो गई। इसमें एमएम ग्राऊंड के पीछे एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव देर रात से ग्राउंड के पीछे पड़ा था। सुबह आसपड़ौस के लोगों ने देखकर पुलिस को फोन किया।

फिलहाल शव को पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है। बताया जा रहा है कि मृतक के मुंह से झाग निकल रहा था। उसके शर्ट का एक हिस्सा फटा हुआ था। ऐसे में उसकी मौत को संदिग्ध माना जा रहा है। युवक की पहचान चुंगी चौकी निवासी विक्रम पुत्र बजरंग के रूप में हुई है। नयाशहर पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना कर दी, जिसके बाद वे पीबीएम अस्पताल पहुंच गए फिलहाल कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। पोस्टमार्टम के बाद ही स्पष्ट होगा कि मौत का कारण क्या है?

कार ने बाइक सवार दंपति को कुचला, मौत

कानोड़, (निसं)। कानोड़ से उदयपुर मुख्य सड़क मार्ग पर शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दंपति की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार दोपहर करीब 1 बजे उदयपुर मुख्य सड़क मार्ग पर भाटीया तलाई के पास उदयपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने कानोड़ की ओर से आ रही बाइक को चपेट में ले लिया, जिससे बाइक सवार दंपति गणेश डांगी (52) व बाबुड़ी बाई (45) को ग्रामीणों ने गंभीर हालत में कानोड़ चिकित्सालय पहुंचाया जहां पर चिकित्सकों ने दंपति को मृत घोषित कर दिया।

इधर कार चालक कार को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि कार में अन्य लोग भी सवार थे जो भी वहां से फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने कार चालक व अन्य लोगों का कानोड़ और भींडर चिकित्सालय में पता करने का प्रयास किया लेकिन दोनों ही नजदीकी अस्पतालों में नहीं मिले। वहीं हादसे की जानकारी क्षेत्र में आग की तरह फैल गई जिससे मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए।

बताया जा है कि मृतक बाइक सवार दंपति गणेश डांगी व बाबुड़ी डांगी जो कानोड़ के निकट बड़ा राजपुरा गांव से प्रसादी गोल वीटी कार्यक्रम में शामिल होकर खाना खाने के बाद पुनः अपने गांव वल्लभनगर लौट रहे थे तो रास्ते में ही सड़क हादसे का शिकार हो गए। मृतक गणेश डांगी वल्लभनगर में किसी बैंक में कार्य करता था।

घटना की जानकारी मिलते ही परिवारजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। हादसे में बाइक व कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की जानकारी जैसे ही गांव पहुंची तो लोग चिकित्सालय दौड़ पड़े। घटनास्थल डूंगला थाना क्षेत्र का होने से थानाधिकारी घेवर चंद सहित पुलिस ने पहुंचकर प्रकरण दर्ज करते हुए अनुसंधान शुरू किया।

- **कार चालक व अन्य सवार लोग कार को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए**

कानोड़ से उदयपुर मुख्य सड़क मार्ग पर हुये हादसे में कार क्षतिग्रस्त हो गई।

ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ. सत्येन्द्र चौधरी ए.पी.ओ.

जे.के. लोन अस्पताल में प्लाज्मा चोरी का मामला

- मामले में आरोपी लैब टेक्नीशियन किशन सहाय कटारिया व डॉ. सत्येन्द्र चौधरी के विरूद्ध सीसीए नियम-16 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।
- कमेटी की रिपोर्ट में ब्लड बैंक के सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग नहीं पाई गई।
- सात कैमरों में से प्लाज्मा स्टोर रूम में लगे एक कैमरे के तार कटे हुए थे और अन्य उपकरणों से छेड़छाड़ होना पाया गया।
- ऑर्गन ट्रांसप्लांट प्रकरण में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया

जयपुर। राज्य सरकार ने जयपुर के जेके लोन अस्पताल में प्लाज्मा चोरी के मामले में ब्लड बैंक के इंचार्ज डॉ. सत्येन्द्र चौधरी को तत्काल प्रभाव से एपीओ कर दिया है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि जेके लोन अस्पताल में लैब टेक्नीशियन द्वारा प्लाज्मा चोरी का मामला सामने आया था। राज्य सरकार ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए लैब टेक्नीशियन किशन सहाय कटारिया को निलंबित कर दिया था और एफआईआर दर्ज करवाई गई थी।

सिंह ने बताया कि मामले की जांच के लिए तत्काल प्रभाव से एक कमेटी गठित की गई थी। कमेटी की रिपोर्ट में बताया गया कि ब्लड बैंक के सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग नहीं पाई गई। सात कैमरों में से प्लाज्मा स्टोर रूम में लगे एक कैमरे के तार कटे हुए थे और अन्य उपकरणों से छेड़छाड़ होना पाया गया। इस संबंध में अस्पताल प्रशासन को सूचना भी नहीं दी गई। इन स्थितियों को संदेहास्पद माना गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर ब्लड बैंक के इंचार्ज डॉ. सत्येन्द्र चौधरी को कार्य के प्रति उदासीनता एवं पर्यवेक्षणीय लापरवाही का दोषी मानते हुए राज्य सरकार ने तत्काल प्रभाव से एपीओ कर दिया है।

लैब टेक्नीशियन किशन सहाय कटारिया एवं डॉ. सत्येन्द्र चौधरी के विरूद्ध सीसीए नियम-16 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

उधर ऑर्गन ट्रांसप्लांट प्रकरण में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार फोर्टिस अस्पताल का नर्सिंग स्टाफ भानु लववंशी उर्फ भानु प्रताप को गिरफ्तार किया गया है। वह दलालों से सम्पर्क में रहकर अवैध ट्रांसप्लांट में मदद करता था। पूर्व में गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में भानु का नाम सामने आया था। ऑर्गन ट्रांसप्लांट प्रकरण में पुलिस अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

'पक्षकार 50 पेड़ लगाकर केस निस्तारण तक करें उनकी देखभाल'

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर की म्यूजियम रोड पर स्थित मंदिर में मूर्तियों और कृष्णानंदजी की तस्वीर पर चंदन लगाने से जुड़े मामले में दोनों पक्षकारों को निर्देश दिए हैं कि वह एक माह में मंदिर परिसर में 25-25 पेड़ लगाकर उनकी देखभाल करें। इसके साथ ही अदालत ने निचली अदालत में चल रहे केस का निस्तारण होने तक हर साल जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में इन पेडों की फोटोग्राफ अदालत में पेश करने को कहा है। जस्टिस अनूप ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश भानू प्रकाश शर्मा व अन्य की ओर से दायर याचिका का निस्तारण करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि पेड लगाना पक्षकारों की भगवान और प्रकृति के प्रति आस्था को बढाएगा।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि यह हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह हमारी संस्कृति और विरासत की रक्षा करें। इसके अलावा किसी को मूर्ति या प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने का अधिकार नहीं है, लेकिन किसी को मंदिर में पूजा-अर्चना करने से रोकने का भी अधिकार नहीं है।

श्रीलंका के दिव्यांगों को जयपुर फुट लगाये जाएंगे

जयपुर, (का.सं.)। श्रीलंका में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) के संयुक्त तत्वावधान में श्रीलंका के द्विव्यांगों को कृत्रिम पैर जयपुर फुट लगाए जाऐंगे।

कोलम्बों और वाबूनिया के शिविरों के माध्यम से 1000 विकलांगों को लाभान्वित किया जाएगा। इन शिविरों में जयपुर फुट के सात तकनीशियन विशेष रूप से श्रीलंकाई द्विव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम पैर लगाकर चलने-फिरने योग्य बनाएगें।

कोलम्बों में आयोजित उद्घाटन समारोह में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा, श्रीलंका के रक्षा राज्य मंत्री प्रेमिथा बन्दारा थेनाकून, रक्षा सचिव जनरल कमल गुनारत्ने श्रीलंका के सेवाध्यक्ष बाइकूल लियानागे आदि उपस्थित थे।

समारोह में बी.एम.वी.एस.एस. के कार्यकारी अध्यक्ष और अन्तर्राष्ट्रीय मामलें के निदेशक सतीश मेहता भी उपस्थित थे। सतीश मेहता ने कहा कि भारत सरकार और श्रीलंका आदर्श पड़ोसी राष्ट्र हैं और दोनों देशों के बीच मित्रता और सौहार्द का यह विकलांग पुर्नवास शिविर प्रतीक हैं। उच्चायुक्त संतोष झा ने कहा कि भारत सरकार ओर श्रीलंका के रिश्ते बहुत पुराने और ऐतिहासिक हैं और इससे पूर्व वर्ष 2011 में और वर्ष 2022 में कोलम्बो और जाफना में आयोजित किए गए शिविरों में 3100 से अधिक विकलांगों को लाभान्वित किया गया।

उच्चायुक्त झा ने कहा कि जयपुर फुट की गुणवत्ता और इसकी उपयोगिता को देखते हुए और अधिक लोगों को लाभान्वित करने के लिए कोलम्बो और बाबूनिया के शिविरों का आयोजन किया गया है। श्रीलंका के रक्षा राज्य मंत्री प्रेमिथा बन्दारा थेनाकून ने भारत सरकार और बी.एम.वी.एस.एस. के सहयोग के लिए धन्यवाद किया।

बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता ने कहा कि वर्ष 2010 में बाबूनिया के शिविर में 1210, 2011 के जाफना शिविर में 1163, वष 2022 के कोलम्बो शिविर में 509 और जाफना के शिविर में 249 लोगों को लाभान्वित किया गया।

डी.आर. मेहता ने बताया कि भारत सरकार के सहयोग से श्रीलंका के आठा तकनीशियनों को जयपुर में जयपुर फुट बनाने के लिए प्रशिक्षित किया। इस प्रशिक्षण का खर्च भारत सरकार ने उठाया। इससे अब श्रीलंका में जयपुर फुट केन्द्र की स्थापना की जा सकेगी और वहीं के तकनीशियनों द्वारा विकलांगों को लाभान्वित किया जा सकेगा।

दिल्ली की जनता मोदी की गारंटियों के साथ, सभी सात सीटों पर दर्ज करेंगे जीत : गोठवाल

भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल व अशोक परनामी सहित भाजपा नेताओं ने दिल्ली लोकसभा चुनावों में प्रचार की कमान संभाली।

जयपुर। भाजपा के प्रदेश महामंत्री और खण्डार विधानसभा के विधायक जितेंद्र गोठवाल लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए दिल्ली प्रवास पर है। इस दौरान उन्होंने पश्चिमी दिल्ली लोकसभा प्रत्याशी कमलजीत सहरावत के चुनाव प्रचार में घर-घर जाकर जनसंपर्क किया और भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान की अपील की। भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में जनसंपर्क सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली लोकसभा की सभी 7 सीटों पर भाजपा के प्रत्याशी भारी मतों के साथ जीत दर्ज करेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में अपना योगदान देंगे।

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी ने चुनाव प्रचार के दौरान दिल्ली भाजपा के मोर्चा पदाधिकारियों की बैठक ली और आगामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान परनामी ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन के प्रति पूरी तरह निष्ठावान और समर्पित है, इसी के चलते आज भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनैतिक दल है। परनामी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पश्चिमी दिल्ली लोकसभा में प्रवासी राजस्थानियों से संपर्क किया। इसके साथ ही पश्चिमी दिल्ली लोकसभा प्रत्याशी के कार्यालय में जनप्रतिनिधियों की संगठनात्मक बैठक लेकर मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर चर्चा की।

जयपुर ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर ने कहा कि दिल्ली की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रीति और नीति के साथ है और पीएम मोदी के विकास कार्यों पर भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में मतदान करेंगी। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश की महिलाओं को नारी शक्ति वंदन विधेयक के माध्यम से अपना हक और सम्मान मिला है। पिछले 10 सालों में देश में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पीएम मोदी ने विभिन्न योजनाएं शुरू की है। दिल्ली में लोकसभा चुनावों के प्रचार के लिए राजस्थान से प्रदेश मंत्री अजीत मांडण, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत मेहता, महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अंकित चेची, महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष डॉ रक्षा भंडारी, प्रदेश प्रवक्ता राखी राठौड़ और डॉ अपूर्वा सिंह सहित कई भाजपा नेता प्रचार में जुटे हुए हैं।

शास्त्री नगर में भगवान परशुराम की नियमित पूजा शुरू

जयपुर। सर्व ब्राह्मण महासभा की ओर से आराध्य भगवान परशुराम जी की प्राण प्रतिष्ठा शास्त्री नगर स्थित कांवटिया सर्किल पर स्थित पीपलेष्वर महादेव मंदिर में पूर्ण विधि विधान से हजारो ब्राह्मणों की उपस्थिति में हुई और आज से यहां भगवान परशुराम जी का नियमित पूजन अर्चन प्रारम्भ हो गया है।

कार्यक्रम संयोजक आशीष पराशर ने बताया कि इस अवसर पर 11 विद्वान पण्डितों से विधि विधान से वैदिक मंत्रों के साथ भगवान की प्राण प्रतिशठा की। मुख्य यजमान रोहित शर्मा धर्मपत्नी सरोज ने प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व पंचकुण्डीय यज्ञ, गणेश मण्डल पूजन, अर्चना, जलाधिवास, अन्नाधिवास, माहान्यास प्राण प्रतिष्ठा के साथ परशुराम जी की प्राण प्रतिष्ठा की गई।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत का प्रधानमंत्री पर बयान हास्यास्पद : सी.पी.जोशी

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दिए गए बयान को हास्यास्पद बताते हुए कहा कि 4 जून तक पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ऐसे बयान देकर अपना दिल बहला सकते हैं और खुश हो सकते हैं। उनको इसकी पूरी छूट है, किन्तु चुनाव परिणाम के बाद गहलोत अपने घर से बाहर निकलने में एवं प्रदेश की जनता को अपना मुंह दिखा पाने में शर्म महसूस करेंगे।

जोशी ने कहा कि प्रदेश की जनता 5 महीने पहले ही कांग्रेस को आईना दिखा चुकी है। जिसके नेतृत्व को प्रदेश की जनता ने नकारा है, वे अनर्गल बयान बाजी कर कर जनता को भ्रमित करने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। जोशी ने कहा कि भाजपा जहां इस लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों और कल्याणकारी योजना को लेकर जनता के बीच वोट मांग रही हैं, वहीं कांग्रेस जाति, धर्म के नाम पर भड़काकर सत्ता में आना चाहती है। जनता इनकी कुत्सित रणनीतियों को पहचान चुकी है। 4 जून को लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद ये अपने घर से नहीं निकल पाएंगे। जोशी ने कहा कि कांग्रेस की साम्प्रदायिक और जातिवादी सोच के कारण देश पहले ही भारी नुकसान सह चुका है। कांग्रेस देश की आस्था और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाली पार्टी है।

नर्सेज दिवस की पूर्व संध्या पर होगी कैंडल लाइटिंग

जयपुर । नर्सिंग प्रोफेशन की जन्मदात्री मिस फ्लोरेंस नाइटिंगल का जन्मदिन हर वर्ष 12 मई को अंतरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस के रूप में मनाया जाता है।

नर्सेज एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष श्याम सिंह ने बताया कि इसी उपलक्ष्य में हर वर्ष की भांति जयपुर के सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के संलग्न विभिन्न अस्पतालों में कार्यारत नर्सेज द्वारा नर्सेज दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार शाम सात बजे एसएमएस अस्पताल के मुख्य द्वार पर द्वीप प्रज्जवलन एवं कैंडल लाइटिंग कर मिस फ्लोरेंस नाइटिंगेल को श्रद्धा सुमन अर्पित किए जायेंगे। एसोसिएशन के अतिरिक्त महामंत्री भरत लाल जाटव ने बताया कि समारोह में एस एम एस मेडिकल कॉलेज जयपुर के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, एस एम एस चिकित्सालय जयपुर के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी, नर्सिंग कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. जोगेंद्र शर्मा तथा मुख्य नर्सिंग अधीक्षक सुरेश कुमार मीणा सहित अन्य अधिकारी एवं नर्सिंग कॉलेज तथा स्कूल ऑफ नर्सिंग के छात्र शामिल होंगे।

वहीं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधीन नर्सिंग संवर्ग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्रेष्ठत्तम नर्स को नर्सेज दिवस पर राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए निदेशालय स्तर पर गठित चयन समिति द्वारा 8 मई को बैठक आयोजित कर 57 नर्सिंग कर्मियों को सम्मानित किये जाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

भानपुरकलां स्कूल भवन का जीर्णोद्धार

जयपुर, (का.सं.)। भानपुर कलां कस्बे में स्थित राजकीय वरि.उपाध्याय संस्कृत विद्यालय का मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान ने नैक ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी व भामाशाहों के आर्थिक सहयोग से कायाकल्प कर बदल दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नैक ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड के एसोसिएट वाईस प्रेसिडेंट सुजीत, ट्रस्ट के संयोजक कौशल सत्यार्थी रहे विद्यालय परिवार की तरफ से सभी आगंतुकों का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया।

'कांग्रेसियों के बयान से दिख रहा, उनका मानसिक दिवालियापन'

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मणिशंकर अय्यर के बयान पर प्रतिक्रिया

पुणे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर देश की जनता विश्वास कर रही है। उन्होंने 10 वर्ष के कार्यकाल में देश का विकास, गरीब कल्याण, सीमाओं की सुरक्षा, दुनिया में देश का गौरव बढ़ाने जैसे अच्छे काम किये है। इसी का नतीजा है कि पश्चिम बंगाल, झारखंड, तेलंगाना में हमारी सीटें बढ़ रही हैं। आंध्रप्रदेश में गठबंधन के तहत हम बड़ी संख्या में सीटें जीतेंगे।

उन्होंने कहा कि 4 जून को 400 पार का सपना पूरा होगा। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने जनता के साथ अब तक सिर्फ धोखा किया है। कांग्रेस शासन में भ्रष्टाचार हुआ और जनता ने आतंकवाद एवं नक्सलवाद को देखा। कांग्रेस का संबंध टुकड़े-टुकड़े गैंग से है। मणिशंकर अय्यर के बयान पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रसियों के दिमाग का मानसिक दिवालियापन दिख रहा है, इसलिए वह चुनाव में कुछ भी बोल रहे हैं। कांग्रेस को देश की चिंता नहीं है, वह सिर्फ परिवार की चिंता करती है, इस कारण कांग्रेस पार्टी किसी से भी समझौता कर सकती है। कांग्रेस के लोग हमेशा देश एवं समाज को तोड़ने की बात करते हैं। अब जनता ने कांग्रेस को नकार दिया है। कांग्रेस पार्टी ने भ्रष्टाचार की नई-नई इबारतें लिखी हैं।उन्होंने कहा कि कई विपक्षी दल भ्रष्टाचार पर बात करते हैं, लेकिन अन्ना हजारे के साथ आंदोलन कर भ्रष्टाचार मिटाने की बात करने वाले अरविंद केजरीवाल स्वयं भ्रष्टाचार के दल-दल में डूब गये।

कूकस, नीमराना व कोटा में सी.एन.जी.-पी.एन.जी. सेवाएं शुरू

राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने अधिकारियों की बैठक ली।

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने बताया है कि आरएसजीएल द्वारा कोटा में 25 हजार से अधिक नागरिकों तक ग्रीन एनर्जी-क्लीन एनर्जी सुविधा से जोड़ दिया है। जयपुर के कूकस व नीमराना में सीएनजी व कोटा में सीएनजी व पीएनजी सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है।

एमडी रणवीर सिंह ने बताया कि आरएसजीएल द्वारा कोटा में 5064 परिवारों को डोमेस्टिक पाइप्ड नेचुरल गैस डीपीएनजी सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने बताया कि कोटावासियों को रोडमेप बनाते हुए डीपीएनजी-सीएनजी सेवाओं से जोड़ा जा रहा है। आरएसजीएल द्वारा 10 सीएनजी स्टेशनों का सं3चालन करते हुए वाहनों को ग्रीन एनर्जी उपलब्ध कराई जा रही है वहीं 60 व्यावसायिक कनेक्शन और 13 औद्योगिक प्रतिष्ठानों में नेचुरल गैस उपलब्ध कराई जा रही है।

एमडी सिंह ने कोटावासियों से आग्रह किया है कि वे डीपीएनजी कनेक्शन प्राप्त करने के लिए संपर्क करें। आरएसजीएल द्वारा कोटा, नीमराना व कूकस में कारोबार बढ़ाने, नए लोगों को जोड़ने और नवाचार की दिशा में लगातार कदम बढ़ाये जा रहे हैं।

बैठक में डीजीएम मार्केटिंग विवेक रंजन, डीजीएम सीएनपी विवक श्रीवास्तव डीएम आईटी गगनदीप राजोरिया, सीएस दीप्तांशु पारीक, सलाहकार रविशंकर अग्रवाल, पी आर प्रभारी राजेन्द्र शर्मा ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर एमडी रणवीर सिंह ने कोटा डीजीएम आनन्द आर्य, सीपी चौधरी व उनकी टीम को बधाई दी और अधिक से अधिक परिवारों को ग्रीन एनर्जी-क्लीन एनर्जी सुविधा से जोड़ने की आवश्यकता प्रतिपादित की।

नाबालिग से दुष्कर्म

जयपुर । विद्याधर नगर इलाके में ब्लैकमेल कर नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। दोस्त के रूम पर ले जाकर नशीला पदार्थ पिलाकर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

बेहोशी की हालत में बनाए अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल कर देहशोषण करता रहा। नाबालिग पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने बताया कि विद्याधर नगर निवासी सौलह वर्षीय लड़की ने मामला दर्ज करवाया है कि एक रिश्तेदार की शादी में जाने पर नितेश मीना नाम के लड़के ने चुपके से उसके फोटोज खींच लिए। फिर उसके फोटोज को एडिट कर दोस्ती करने का दबाव बनाया और ब्लैकमेल कर मोबाइल पर बात करने लगा।

शिविर में 51 यूनिट रक्तदान

जयपुर । कल्पतरु शिक्षा समिति, रोटरी क्लब जयपुर प्राइड एवं रॉयल राजस्थान रनर्स के संयुक्त तत्वावधान में सूर्य नगर, गोपापुरा बाईपास रोड स्थित परमहंस धाम, मानव उत्थान सेवा समिति में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर आयोजित हुआ।

एच.यू.एफ. शेयर्स के उत्तराधिकार प्रमाण पत्र को लेकर पद्मनाभ सिंह से मांगा जवाब

जयपुर, (का.सं.)। जिला न्यायालय महानगर प्रथम ने पूर्व राजपरिवार के एचयूएफ शेयर्स के उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के खिलाफ दायर प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए पद्मनाभ सिंह को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने यह आदेश सवाई मानसिंह की दोहित्री उर्वसी देवी के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता रामजी लाल गुप्ता ने अदालत को बताया कि पद्मनाभ सिंह ने पूर्व में 15 शेयर्स के उत्तराधिकार प्रमाण पत्र को लेकर अदालत में प्रार्थना पत्र पेश किया था। जिसमें एचयूएफ के कुछ शेयर्स भी शामिल थे। इस पर उर्वसी देवी के विरोध करने पर इन शेयर्स को सूची से हटा दिया गया। इस पर अदालत ने 22 अगस्त, 2012 को शेष शेयर्स का उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी कर दिया। ऐसे में उर्वसी देवी ने अपने अधिकार सुरक्षित रखते हुए केस से अलग हो गई। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि इसके बाद इन एचयूएफ के शेयर्स को लेकर पद्मनाभ सिंह ने पुनः प्रार्थना पत्र पेश किया। जिसमें उर्वसी देवी सहित अन्य को पक्षकार नहीं बताया गया। इस प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए अदालत ने पद्मनाभ सिंह के पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी कर दिया। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि यह उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी करने के दौरान याचिकाकर्ता के पक्ष को नहीं सुना गया। इसके अलावा ये शेयर्स दिल्ली हाईकोर्ट में चल रहे मुकदमे की विवादित संपत्तियों में शामिल हैं और सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त रिसीवर की अभिरक्षा में है। ऐसे में इस उत्तराधिकार प्रमाण पत्र को निरस्त किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने पद्मनाभ सिंह को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

स्टैच्यू सर्किल पर तेज रफ्तार कार पलटी, बिजनेसमैन की मौत

- सड़क पर अचानक सामने आ गया था कुत्ता, उसे बचाने के चक्कर में कार पलटकर बिजली पोल से टकराई

जयपुर । सी-स्कीम क्षेत्र में स्टैच्यू सर्किल पर शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार कार पलट गई। रोड पर अचानक आए कुत्ते को बचाने के चलते कार बिजली पोल से टकराई। एयर बैग खुलने के बाद भी कार सवार युवक की मौत हो गई। एक्सीडेंट थाना (साउथ) पुलिस ने परिजनों के लिखित में देने पर बिना केस दर्ज किए शव परिजनों को सौंप दिया, सिर्फ पंचनामा किया गया।

दुर्घटना थाना पुलिस ने बताया कि हादसे में जय सुरोलिया (24) पुत्र रवि कुमार निवासी शिवाजी स्टेडियम नई दिल्ली की मौत हो गई। मृतक जय होटल कारोबार से जुड़े हुए थे। शुक्रवार सुबह करीब 4:45 बजे जय अपनी फॉक्सवैगन कार से स्टैच्यू सर्किल से जा रहे थे। सड़क पर अचानक दौड़ते हुए कुत्ता सामने आ गया। उसे बचाने के चलते ओवर स्पीड कार पलटी खाकर बिजली पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के एयर बैग खुलने के साथ ही बिजली पोल टूटकर नीचे गिर गया। मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने जैसे-तैसे संभालने की कोशिश की। एक्सीडेंट की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल जय को कार से बाहर निकाला। गंभीर हालत में उसे हॉस्पिटल भिजवाया गया। हॉस्पिटल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने एक्सीडेंट में जय सुरोलिया की मौत की सूचना परिजनों को दी। हॉस्पिटल पहुंचे परिजनों ने एफ.आई.आर. दर्ज करवाने से मना कर दिया। पुलिस को पोस्टमार्टम नहीं करवाने की एप्लीकेशन दी। पुलिस ने परिजनों की सहमति पर पंचनामे की कार्रवाई कर शव परिजनों को सौंप दिया। पलटी खाने के बाद कार बिजली पोल में फंस गई थी। पुलिस ने क्रेन की मदद से पोल में फंसी कार को निकाला।

जीप की टक्कर से 6 वर्षीय मासूम की मौत

जयपुर। झोटवाड़ा इलाके में तेज रफ्तार जीप की टक्कर से एक मासूम की मौत हो गई। वह अपनी मां के साथ मार्केट खरीदारी करने बाजार आया था। इस दौरान सड़क पार करते समय जीप ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद ड्राइवर जीप ले भागा। गंभीर घायल बच्चे को सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां गुरुवार देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जीप और चालक की तलाश में जुटी है।

सडक दुर्घटना थाना पुलिस ने बताया कि हादसे में मानसर झुंझुनूं निवासी राजकुमार सैन के छह साल के बेटे मोहित की मौत हो गई। राजकुमार अपनी पत्नी और बेटे मोहित के साथ नींदड़ मोड हरमाड़ा में किराए से रहकर प्राइवेट नौकरी करते हैं। तीन मई को शाम पौने सात बजे मोहित अपनी मां के साथ ढेहर के बालाजी मार्केट में खरीदारी करने आया था। इस दौरान सड़क पार करते समय तेज रफ्तार जीप ने मोहित को टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक मौके से जीप भगा ले गया। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर हालत में एंबुलेंस की मदद से मोहित को सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां इलाज के दौरान गुरुवार देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार सुबह पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

पांच परिंडे लगा अभियान की शुरुआत की

करौली(नि.स.)। प्योर इंडिया ट्रस्ट के द्वारा पक्षियों के लिए परिंडे अभियान की शुरुआत की ट्रस्ट के प्रतिनिधि खुशबिहारी व्यास ने बताया की परिंडे अभियान की शुरुआत एसपी आफिस के गार्डन से कि जहां ट्रस्ट के द्वारा पांच परिंडे लगाकर अभियान की शुरुआत की ट्रस्ट लगातार ऐसे कार्यक्रम करता रहता है।

जिला प्रशासन के साथ कहीं कार्यक्रम में ट्रस्ट ने भागीदारी निभाई है ट्रस्ट के संस्थापक प्रशांत पाल के निर्देश अनुसार यह कार्यक्रम चलाए जा रहे है। उनका मानना है कि जल ही जीवन है अगर प्यासे पक्षियों के लिए पानी पिलाएंगे जो। यही सबसे बड़ा पुण्य है। इस कार्यक्रम में प्रिंसिपल राधारमण शर्मा,हैड मास्टर मनोज व्यास, जयप्रकाश शर्मा ,शिवम शर्मा सहित कई लोग उपस्थित थे। इसके अलावा राजकीय जिला आयुर्वेद चिकित्सालय के प्रधान चिकित्सा अधिकारी डॉ.नरेश कुमार शर्मा एवं चिकित्सालय के स्टाफ ने जिला चिकित्सालय के मंडरायल रोड स्थित इनडोर पंचकर्म शाखा एवं चिकित्सालय परिसर में स्थित पेड़ों पर गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिये परिंडे बांध कर नियमित रुप से परिडो में पानी भरने की भी जिम्मेदारी ली गयी।

डॉ. शर्मा की अध्यक्षता में भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाया

भरतपुर (निस)। शुक्रवार को श्री ब्राह्मण सभा भरतपुर द्वारा श्री ब्राह्मण धर्मशाला खिरनीघाट पर अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर डॉ लोकेश शर्मा की अध्यक्षता में भगवान परशुराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। जिसमें पंचामृत द्वारा भगवान परशुराम का महाभिषेक देवेन्द्र पंडित, पवित्र मोहन मुद्गल सहित 21 वेद पाठी आचार्यों द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ हर्षोल्लास के साथ किया गया।

भगवान परशुराम की मूर्ति पर पुष्पाहार पहनाया गया तथा जनेउ धारण कराया गया। भगवान के पूजन के बाद सामूहिक रूप से महाआरती की गई तथा सत्तू, खरबूजा, ककडी आदि का भोग लगाकर समस्त उपस्थित महानुभावों को प्रसादी वितरण की गई। कार्यक्रम में श्री ब्राह्मण सभा के महामंत्री इंजी. जीवनलाल शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महावीर खोंखर, उपाध्यक्ष जितेन्द्र टीटू, प्रवक्ता शैलेन्द्र उपाध्याय, आयोजन अध्यक्ष गौरीशंकर शर्मा, सांस्कृतिक मंत्री भूपेन्द्र नौगाया, गिरिजा शंकर शर्मा, डोरीलाल शर्मा, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष संगीता शर्मा, उपाध्यक्ष नीलम शर्मा, महामंत्री अनुराधा

श्री ब्राह्मण सभा भरतपुर द्वारा अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर डॉ लोकेश शर्मा की अध्यक्षता में भगवान परशुराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

शर्मा, शहर अध्यक्ष सीमा शर्मा, रंजना पाराशर, डॉ केएन तिवारी, गिरधारी तिवारी, पंडित रामकिशन, उमाशंकर शर्मा, भूदेव कटारा, रामेश्वर दयाल शर्मा, वैद्य लक्ष्मण तिवारी, मनोज पाराशर, चेतन शर्मा, दीपक मुद्गल पार्षद, श्यामसुन्दर गौड पार्षद, परमानन्द शर्मा घुस्यारी, मनोज भारद्धाज अध्यक्ष बीजेपी, रिषीपाल तिवारी, उत्तम शर्मा एडवोकेट, दिनेश लवानियां, योगेश लवानियां, मनोज शर्मा, अभिषेक शर्मा, आकाश शर्मा, सचिन पंडित, उत्कृष्ट उपाध्याय, लक्ष्मीनारायण शर्मा, देवकी प्रसाद शर्मा, छिद्दीमल सैंथरा, मनोज तिवारी, राजीव शर्मा, सुनील पीढ़ी, नत्थीलाल दीक्षित, शुभनेश पाराशर, रामवीर शर्मा, जगदीश उपमन, आदित्य त्रिगुणायत, वीरेन्द्र शर्मा, मुरारीलाल शर्मा, देवेश पंडित, रमेश चंद शर्मा, विनोद शर्मा, सुरेश शर्मा, पवन पाराशर, विष्णु गोपालगढ़, बाबूलाल कटारा, सुरेन्द्र कुमार शर्मा, गंगाराम पाराशर, दयाचंद पचौरी, सुनीलकांत शर्मा, रमेश चंद शर्मा, मिलन पंडित, यश शर्मा, महेश तिवारी आदि उपस्थित थे।

भगवान परशुराम की शोभायात्रा निकाली

गंगापुर सिटी। अक्षय तृतीया पर पुरानी अनाज मण्डी स्थित सीताराम जी मंदिर से पूजा अर्चना के बाद भगवान परशुराम की विशाल शोभायात्रा डीजे व बैण्ड बाजो के साथ रवाना हुई शोभायात्रा में भारी संख्या में ब्राहमण समाज के महिला पुरूष शामिल हुए।

शोभायात्रा का अग्रवाल समाज, श्याम परिवार, पंसारी गली, भाजपा पदाधिकारियो सहित सामाजिक व राजनैतिक संगठनो की ओर से पुष्प वर्षा कर एवं पेय पदार्थ पिला कर भव्य स्वागत किया गया। पूरा शोभायात्रा मार्ग भगवान परशुराम के जयकारो से गुंज उठा। शोभायात्रा शहर के प्रमुख बाजारो से गुजरती हुई जैसे ही कैलाश टाकीज पर पहुंची समाज के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र लोढी के समर्थको ने शोभायात्रा परशुराम छात्रावास ले चलने को लेकर हंगामा किया। पुलिस व उनके समर्थको के बीच तकरार भी हुई पुलिस प्रशासन ने निर्धारित मार्ग से ही यात्रा निकालने की बात कहते हुए परशुराम छात्रावास जाने वाले रास्ते को पुलिस की गाडी लगा कर बंद कर दिया। जद्दोजहद के बाद ट्रक यूनियन के रास्ते शोभायात्रा रूकमणी पैलेस पहुंची। इस बीच भगवान परशुराम की जगह जगह पूजा अर्चना कर आरती उतारी गई।

सार-समाचार

युवक को गिरफ्तार किया

गंगापुर सिटी । सदर थाना पुलिस ने 1.10 ग्राम अवैध स्मैक जब्त कर एक है। अरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। विशेष अभियान के तहत सदर थानाधिकारी पन्नालाल के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबिर की सूचना पर 1.10 ग्राम अवैध स्मैक सहित आरोपी ब्रहमसिंह गुर्जर पुत्र मीठालाल जाति गुर्जर निवासी मच्छीपुरा थाना सदर गंगापुर सिटी, जिला गंगापुर सिटी को टोटोलाई मोड से गिरफ्तार किया। आरोपी स्मैक के करोबार में बेचान का काम करता था। पुलिस आरोपी से अवैध मादक पदार्थ की सप्लाई को लेकर पूछताछ कर रही है। सदर थानाधिकारी पन्नालाल ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर के निर्देश पर एएसपी राकेश राजौरा और पुलिस उपाधीक्षक अरविंद कुमार के सुपरविजन में विशेष अभियान चलाया हुआ है। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम में सदर थानाधिकारी पन्नालाल, कांस्टेबल लख्मीचन्द, रिंकु, रवि, बसंत आदि शामिल थे।

ईनामी बदमाश गिरफ्तार

नदबई। पुलिस ने क्षेत्र के गांव ऐचेंरा में दो अलग-अलग जगह कार्रवाई करते हुए लूट के मामलें में फरार पांच हजार के ईनामी बदमाश सहित एक अन्य आरोपी से अवैध हथियार जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया।पुलिस के अनुसार लूट के मामलें में करीब तीन माह से फरार पांच हजार के ईनामी बदमाश ऐचेंरा निवासी अरुण सिंह को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए गांव से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ ऐचेंरा निवासी डिगम्बर सिंह पुत्र मिश्रीलाल ने मारपीट कर नगदी लूट की घटना को अंजाम देने का आरोप लगाते हुए पुलिस में मामला दर्ज कराया। बाद में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। उधर, पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार जब्त कर ऐचेंरा निवासी गौरव पुत्र रनधीर सिंह को गिरफ्तार किया। कार्रवाई दौरान पुलिस ने 315 बोर देशी हथकढ़ रायफल बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से अवैध हथियार को लेकर जांच पडताल में जुट गई।

हिंडौन में बदला मौसम, तेज आंधी चली

हिंडौन सिटी । पश्चिमी विक्षोभ का असर देखने को मिला। शहर में शाम के समय मौसम का मिजाज बदल गया। दिन में तेज धूप से झुलस रहे लोगों को शाम 5 बजे आंधी चलने के बाद राहत मिली। इस दौरान 20 मिनट तक तेज आंधी चलती रही। इसकी वजह से सड़कों पर अंधेरा छा गया और वाहनों को हेड लाइट जलानी पड़ी।जानकारी के अनुसार आज दिन का अधिकतम तापमान 42 से 43 डिग्री सेल्सियस रहा। धूलभरी आंधी के बाद हल्की गति से हवा चलने से मौसम में हल्की ठंडक घुल गई। वहीं 2 से 3 डिग्री तापमान में गिरावट गईजिला कृषि मौसम केंद्र के एम के नायक ने बताया कि प्रदेश के भरतपुर समेत कुछ एक हिस्सों में 10-11 मई को पश्चिमी विक्षोभ का असर रहेगा। जिसमें आंधी व हल्की बारिश की संभावना है। जिसके कारण क्षेत्र में आंधी के साथ बारिश भी हुई। इधर हवाओ के साथ बूंदाबांदी से मौसम खुशनुमा हो गया।

नाबालिक छात्र ने फांसी लगाई

गंगापुर सिटी, (निसं)। पढ़ाई के लिए रह रहे एक नाबालिक ने अज्ञात कारणो के चलते फंदे से लटक कर अपनी जीवन लीला को समाप्त कर लिया। घटना का पता चलने पर परिजन और पुलिस मौके पर पहुंची और छात्र को फंदे से उतारकर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां छात्र को डॉक्टरों से मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम करीब सात बजे छात्र कमरे की कुंडी बंद कर छत के कड़े के फंदा लगाकर लटक गया। कमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर मकान मालिक को शक हुआ तो उसने परिजन और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजन और पुलिस को छात्र फंदे पर लटका मिला। उन्होंने छात्र को फंदे से नीचे उतारकर जिला अस्पताल गंगापुर सिटी पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रात होने के कारण पुलिस ने शव को हॉस्पिटल की मॉच्यूरी में रखवाया। कोतवाली थाना के एएसआई रामखिलाड़ी ने बताया कि फिलहाल मृतक का पोस्टमॉर्टम करा शव परिजनों के सुपुर्द किया है। मृतक ने आत्महत्या का कदम क्यों उठाया है, इसका कारण का पता नहीं चला है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आरोपी को गिरफ्तार किया

भरतपुर (निस)। मथुरा गेट थाना पुलिस ने फर्जी हस्ताक्षर कर जमीन को अपने नाम पट्टा कर लेने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। 3 अगस्त को कमलराम मीणा आयुक्त नगर निगम भरतपुर ने भौंट थाना उच्चैन हाल नेहरूनगर हीरादास थाना अटलबंद निवासी ईश्वरसिंह पुत्र अतरसिंह जाति जाट के विरूद्व आनाज मण्डी के पास नगर निगम की सरकारी जमीन के धोखाधडी पूर्वक फर्जी दस्तावेज तैयार कर प्रशासन शहर के साथ अभियान में जमीन का अपने नाम पट्टा कर लेने का एक मामला थाना मथुरागेट पर दर्ज कराया गया था। जिस पर एएसआई रत्तिराम मय जाप्ता द्वारा बाद अनुसंधान कर इस मामले के आरोपी ईश्वर सिंह पुत्र अतरसिंह जाति जाट निवासी भौंट थाना उच्चैन हाल नेहरूनगर हीरादास थाना अटलबंद को गिरफतार किया गया है।

निशुल्क समर कैंप का किया

भरतपुर (निस)। हेल्पिंग हैंड संस्था में अध्यक्ष रूना गुलाटी एवं सचिव हिमांशु अग्रवाल के द्वारा निःशुल्क समर कैंप आयोजित किया गया जो कि करीब एक महीने तक चलेगा। मुख्य अतिथि के रूप में समाज सेविका शिवानी गेरा उपस्थिति रही। इस कैंप में सभी बच्चों को मेहंदी, ब्यूटीपार्लर, कला क्षेत्र डांस एवं ढोलक जैसे प्रशिक्षण सिखाए जा रहे हैं। इस मौके पर हेल्पिंग हैंड्स संस्था के सदस्य गीतू मालिक, गीता अरोड़ा, ईशा गुलाटी, नन्दनी गुलाटी, मौनू अग्रवाल, मोनिका गर्ग, छवि ओबराय, विशाली अग्रवाल एवं गौरव सैनी उपस्थित रहें।

अवैध हथियार सहित आरोपी गिरफ्तार

■ **आरोपी से 1 अवैध देशी कटटा मय 1 कारतूस 12 बोर के जब्त किया**

भरतपुर (निस)। मथुरा गेट थाना पुलिस ने अवैध हथियार सहित आरोपी को गिरफ्तार कर 1 अवैध देशी कटटा मय 1 कारतूस 12 बोर के जब्त किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के निर्देशन में अवैध हथियारों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय लालचंद कायल व वृत्ताधिकारी वृत शहर सुनील प्रसाद के सुपरवीजन में थानाधिकारी करनसिंह के नेतृत्व में एएसआई अनिलकुमार मय जाप्ता द्वारा कार्यवाही करते हुये अवैध हथियार रखने के मामले में एक आरोपी को गिरफतार कर कब्जे से 1 अवैध देशी कट्टा मय 1 जिन्दा कारतूस 12 बोर के किया जब्त। एएसआई अनिल कुमार मय जाप्ता को गस्त के दौरान सूचना मिली कि मंगल हाट के पीछे अहिल्या बाई मंदिर के पास एक व्यक्ति घूम रहा है जो किसी घटना को अंजाम दे सकता है। उक्त सूचना पर एएसआई मय जाप्ता के अहिल्या बाई मंदिर के पास पहुंचे। तो पुलिस को वावर्दी देख उक्त व्यक्ति भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस जाप्ता की मदद से उस व्यक्ति को घेरा देकर पकडा। पकडे गये व्यक्ति से नाम-पता पूछा तो उसने अपना नाम जगत उर्फ जगतपाल उम्र 51 साल जाति बघेल निवासी सूरजपोल गेट थाना मथुरागेट को होना बताया। आरोपी की तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 1 अवैध कट्टा मय 1 जिन्दा कारतूस 12 बोर मिला। पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर कब्जे से मिले अवैध हथियार को जब्त कर थाना मथुरागेट पर मामला दर्ज कर आरोपी से अवैध हथियार के संबंध में गहनतापूर्वक पूछताछ की जा रही है कि आरोपी उक्त हथियार को कहां से व किस उद्देश्य से लेकर आया है।

बैठक आयोजीत

भरतपुर (निस)। जगद्गुरु स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्दःसरस्वती के गौ-प्रतिष्ठा संकल्प यात्रा राजस्थान के उपलक्ष में भरतपुर आगमन पर धर्मसभा कार्यक्रम के संयोजक सीए अतुल मित्तल एवं यात्रा संमन्वयक गिरधारी तिवारी के सानिध्य में सनातन प्रेमी कार्यकर्ताओं ने बैठक कर अपनी-अपनी जिम्मेदारी संभाली। संयोजक सीए अतुल मित्तल ने बताया कि जगद्गुरु शंकराचार्य जी बुधवार, 15 मई दोपहर 2 बजे भरतपुर पधारेंगें। जहां उनका 5 सनातन प्रेमी परिवारों में पादुका पूजन कार्यक्रम रहेगा। इसके उपरान्त वह सायं 5 बजे धर्मसभा स्थल श्री बांके बिहारी मंदिर प्रांगण किला में सनातन प्रेमियों को संबोधित करेगें। सायं 7 बजे जगद्गुरु विश्राम स्थल गीताभवन सहयोग नगर पहुचेगें। 16 मई गुरुवार को प्रात: 6.30 बजे विश्राम स्थल पर दीक्षा कार्यक्रम रहेगा। इसके उपरान्त 7.15 बजे 3 किमी तक जगद्गुरु सनातन प्रेमियों एवं भजन मण्डली के साथ नगर भ्रमण (पदयात्रा) करेगें। बैठक में मोहनलाल माहेश्वरी, राकेश सर्राफ, गिरीश सिंघल, मनोज तिवारी, राकेश खुडासिया, त्रिलोकीनाथ शर्मा, मनोज दुवे, ओंकार पंचोली आदि सनातन प्रेमी उपस्थित रहे।

2 मोबाइल प्याऊ का शुभारम्भ किया

भरतपुर (निस)। जय श्री बाँकेबिहारी सेवा समिति रजि. भरतपुर द्वारा 2 मोबाईल प्याऊयो का शुभारम्भ किया गया। संस्थापक जयप्रकाश गोयनका ने बताया कि इन प्याऊयों का शुभारम्भ सम्मानीय अतिथि भरतपुर के बयोवृद्ध नेता और समाजसेवी पंडित रामकिशन शर्मा, डॉ कौशलेन्द्र सिंह और महंत मुनेंद्र दास के कर कमलों द्वारा हुआ। इस अवसर पर पंडित रामकिशन ने कहा की समिति द्वारा इस भीषण गर्मी में इस तरह की प्याऊ शुरू करना बहुत ही पुण्य का कार्य है।

डॉ कौशलेन्द्र ने कहाँ की व्यक्ति प्यास लगने पर कुआ के पास जाता है। लेकिन समिति के प्रयासों से कुआ रूपी मोबाईल प्याऊ व्यक्ति के पास पहुंचेगी. समिति के उपाध्यक्ष हरिगोविन्द मिश्रा और कोषाध्यक्ष गोपाल गर्ग और देवेश सिंह ने सभी अतिथियों का पटका और माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी

भीषण गर्मी को देखते हुए मोबाईल प्याऊ चलाए गए।

घनश्याम सिंह महेश शर्मा दीपक शर्मा रोहित अरोड़ा संतोष बंसल मुकेश गर्ग गंगाराम लवनिया सपना डीगिया विप्र फाउंडेशन के कौशलेश शर्मा पीयूष टाइगर केदार नाथ शर्मा कांग्रेस भरतपुर शहर अध्यक्ष दयानंद पचौरी गंगाराम पाराशर पूर्व अध्यक्ष बाल कल्याण समिति आदि समाजसेवी उपस्थित रहे।

भगवान परशुराम का मंत्रोच्चारण के साथ अभिषेक किया

भरतपुर (निस)। विप्र फाउंडेशन के द्वारा भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर पं. सुंदरलाल बगीची स्थित भगवान परशुराम मंदिर पर आचार्य धरणीधर शास्त्री के सानिध्य में 11 पंडितों के साथ भगवान परशुराम का विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ अभिषेक किया गया। परशुराम स्त्रोत से उनकी आराधना की गई।

मुख्य यजमान के रूप में मौजूद पूर्व सांसद पंडित रामकिशन, रामेश्वर प्रसाद शर्मा ,पेंशनर समाज के अध्यक्ष डोरी लाल शर्मा, विप्र फाउंडेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष गंगाराम पाराशर, प्रदेश महामंत्री दयाचंद पचौरी, जिलाध्यक्ष डॉ. सुशील पाराशर, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष इंदुशेखर शर्मा, प्रदेश महामंत्री युवा देवाशीष भारद्वाज के द्वारा भगवान परशुराम का पुष्प माला, पंचमेवा, धूप दीप बत्ती से पूजन किया गया। पंडित रामकिशन ने इस अवसर पर कहा कि भगवान परशुराम का जीवन चरित्र, सर्व समाज के लिए और सभी कालों में प्रासंगिक रहा है इनके जीवन चरित्र से, अत्याचार एवं शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने की सीख मिलती है। रामेश्वर प्रसाद शर्मा ने भगवान परशुराम को, वैदिक धर्म संस्कृति का अग्रदूत बताते हुए, सभी से वैदिक संस्कृति के पालन की अपील कीं इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन की महिला प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव अनीता शर्मा, जिलाध्यक्ष लक्ष्मी शर्मा, बाबा सुग्रीव की प्रिंसिपल विप्र फाउंडेशन की संरक्षक डॉ. रंजना तिवारी, कोषाध्यक्ष आशा शर्मा, शहर अध्यक्ष भुवनेश्वरी दीक्षित, शहर अध्यक्ष कल्पेश शर्मा, वंदना त्रिपाठी, अर्चना शर्मा, ब्राह्मण सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष कौशलेश शर्मा, अनिल भारद्वाज, इंद्रजीत भारद्वाज, शिशुपाल लवानियां, तिलक नगर ब्राह्मण समिति के अध्यक्ष नत्थीलाल दीक्षित, बाल कल्याण समिति सदस्य एडवोकेट लोकेश मुद्गल, बनवारी लाल शर्मा, बाबूलाल कटारा, बृजभूषण पाराशर, नेत्रकमल मुद्गल, रविंद्र मोहन शर्मा, पीयूष दीक्षित, राजीव तिवारी, मदन मोहन शर्मा, कृष्ण कुमार शर्मा, बांके बिहारी समिति के जयप्रकाश गोयनका, अनुराधा शर्मा, अनुराग गर्ग एडवोकेट, समता पार्टी के जिलाध्यक्ष केदारनाथ पाराशर, डॉ. हरीश शर्मा, डॉ. गिरीश शर्मा, नवीन उपाध्याय, बृजेंद्र शर्मा, राजीव तिवारी, ओमप्रकाश शर्मा, सुनीलदत्त शर्मा आदि मौजूद रहे।

भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाया

हिंडौन सिटी । ब्राह्मण समाज की ओर से शुक्रवार को अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाया। इसमें समाज के लोगों ने भगवान परशुरामजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सामूहिक आरती की। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने की।

सामूहिक महाआरती में कोतवाली थाना प्रभारी हरलाल भी शामिल हुए। इस दौरान साहित्यकार जय गोविंद बेंदील ने भगवान परशुरामजी के पौराणिक गाथाएं सुनाते हुए उनका परिचय कराया।उन्होंने बताया कि महर्षि वेद व्यास ने अक्षय तृतीया से ही महाभारत की रचना शुरू की। मन्त्रोच्चार के साथ भगवान परशुराम की प्रतिमा को जलाभिषेक कराया। महामंत्री मंजीत मुदगल ने बताया सुबह 9 बजे आचार्यो द्वारा पूजन कराने के उपरांत महाआरती की। इस कार्यक्रम में हिंडौन, महू, श्रीमहावीरजी से भी समाज के लोग शामिल हुए।इस अवसर पर 16 मई परशुराम शोभायात्रा, महा अभिनंदन, आमसभा व धर्म प्रवचन के आयोजन की जानकारी दी। जिसमें शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद शामिल होंगे। इसके उपरांत समाज की विधवा महिलाओं व आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को पारितोषिक वितरित किया। कार्यक्रम में युवाओं को अक्षय तृतीया की तिथि का वैदिक व सांसारिक महत्व पर प्रकाश डाला।

सूरौठ में झांकियों के साथ निकली भगवान परशुराम की शोभायात्रा

हिंडौन सिटी/सूरौठ । कस्बे में भगवान परशुराम जन्मोत्सव बड़ें धूमधाम से मनाया गया अक्षय तृतीया पर परशुराम धर्मशाला में सुबह 11 बजें भगवान परशुराम की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई व भगवान को भोग लगाने के बाद प्रसादी का वितरण किया गया।

सूरौठ तहसील अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा पाली व चौबीसा

■ **पुष्प वर्षा के साथ किया स्वागत सम्मान**

अक्षय तृतीया पर परशुराम धर्मशाला में भगवान परशुराम की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई।

ब्राह्मण समाज अध्यक्ष प्रकाश नारायण शर्मा जटवाड़ा वालों ने श्री श्री 1008 श्री हरेन्नांद जी महाराज ध्रुवघटा वालों का माला व साफा पहनाकर जोरदार तरीके से भव्य स्वागत सम्मान किया गया सूरौठ अध्यक्ष बालकृष्ण शर्मा, महामंत्री हरीशचंद्र शर्मा,व युवा अध्यक्ष प्रमोद तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि बाहर से पधारे हुए सभी विप्र बंधुओं का तिलक लगाकर व दुपट्टा पहनाकर स्वागत सत्कार किया गया, भगवान परशुराम कि झांकी के रूप में धीरज तिवारी कों सजाया गया,भगवान परशुराम के चित्र पटेल के साथ श्रीं श्रीं 1008 श्री ध्रुवघटा वाले महाराज जी हरेन्नांद कि महाराज को बग्गी में बिठाया गया , चौबीसा पूर्व अध्यक्ष रामनिवास खेड़ी हैवत, पूर्व युवा अध्यक्ष अवधेश शर्मा सूरौठ, नरेंद्र बाबा, रामकुमार पंडा, वेदप्रकाश शर्मा,भोलेशंकर शर्मा,पूर्व सूरौठ अध्यक्ष बाबूलाल पाराशर ने कहां कि ,शोभायात्रा कस्बे के मशहूर,मुंशी बैंड के साथ निकाली गई शोभायात्रा में सूरौठ ,पाली, चुरारी, लहचौडा, हिंडौन सिटी, जटवाड़ा, महूं वरगमा ध्राधरैन ,धंधावली ढिंढोरा, भुकरावली सहित दर्जनों गांव के विप्रबंधु शोभायात्रा में रहे उपस्थित जिसमें शोभायात्रा सूरौठ कस्बे की परशुराम धर्मशाला से करीब 5 बजे प्रारंभ होकर मैंन मार्केट, पुलिस चौकी, मस्जिद चौराहा, सब्जी मंडी, गंगापुर भरतपुर मेगा हाईवे, सीताराम जी मंदिर होते पुन: परशुराम धर्मशाला पहुंची शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा करके भव्य स्वागत सम्मान किया गया शोभायात्रा में हिंडौन तहसील अध्यक्ष अशोक शर्मा पार्षद बृजकिशोर शर्मा पूर्व महामंत्री ओमप्रकाश भुकरावली, प्रकाश चंद्र शर्मा ढिंढोरा, सुनील जटवाड़ा,भोमेश शर्मा, मोंनू पंडित,योगेश शर्मा शेरपुर, ओमप्रकाश शुक्ला, चंदशेखर शर्मा अनिल गुधैनिया, संजय शुक्ला, रूपेश शर्मा,नरेंद्र कौशिक त्रिलोक शर्मा,केशव शर्मा ,मोनू शर्मा,राजू चतुर्वेदी, दीना शर्मा बृजभूषण शर्मा विपुल शुक्ला विवेक शर्मा सहित हजारों लोग रहे उपस्थित व ब्राह्मण समाज के द्वारा सरकारी नौकरी में चयनित समाज की प्रतिभाओं को शील्ड में प्रतिशत पत्र देकर किया गया सम्मानित इस मौके पर कई लोग उपस्थित रहे

एक दिवसीय आठवीं सत्कोसी परिक्रमा 23 को

कामां (निस)। चार युगों के चार नाम सतयुग में ब्रह्मपुरी त्रेता में अनंत पुरी द्वापर में काम्यक वन कलयुग में कामवन वर्तमान में कामां कामसैन राजा द्वारा बसाई भई तथा विश्वकर्मा द्वारा निर्मित या नगरी में 84 तीर्थ, 84 मन्दिर, 84 खम्भा, तीन सौ कूप छः करोड़ साठ हजार छः सौ सिन्हासन जो कि द्वापर युग में भगवान श्री कृष्ण चन्द्र के लीला केन्द्र रहे हैं। यानि ये 84 तीर्थ 84 मन्दिर 84 खम्भा तीन सौ कूप छः करोड साठ हजार छः सौ सिन्हासन ये कामवन में कैसे प्रगट भये। ब्रज के 12 वन में ये कामवन परम श्रेष्ठ पांचमो वन है जा कामवन की यात्रा करके मनुष्य स्त्री बैकुंठ लोक में वास करे है। आज्ञा श्री राधा बल्लभ जी मन्दिर संस्थापक स्वः माधोलाल पूर्व कथाकार स्वः लाडलीलाल जगन्नाथ प्रसाद राधाकिशन श्याम बाबू कौशिक माध्यम श्याम भगत जग में बड़े उनको करूं प्रणाम.बृज चौरासी कोस के बीच में बनो आपको धाम बृज नगरी कामवन धाम की एक दिवसीय आठवीं सत्कोसी परिक्रमा 23 मई गुरूवार को प्रातः 5 बजे प्रारंभ होगी। कृष्ण भगवान की क्रीडा स्थली आदि वृन्दावन धाम कामवन कामां की एक दिवसीय सप्तकोसी परिक्रमा जो हर महीने की पूर्णिमासी पूणों को लगाई जाती है कामवन धाम हमारा आदि वृन्दावन है। इस स्वरूप को पुनः लाने का हमारा और आपका यह अनुठा प्रयास है और यह आपका प्रयास कामवन धाम को पुनः वृन्दावन स्वरूप में लाने का उद्देश्य से सेवायत आशुतोष कौशिक नूनू पुजारी ने वचन लिया।

जयशंकर टाइगर क्लब भरतपुर की टीम बीकानेर रवाना हुई

राज्य स्तरीय सीनियर व मास्टर बालक-बालिका पेंचक सिलेट प्रतियोगिता 2024 में भाग लेने के लिए भरतपुर की टीम बीकानेर रवाना हुई।

भरतपुर (निस)। पराक्रम और साहस के प्रतीक भगवान विष्णु के छठे अवतार चिरंजीवी भगवान परशुराम जी के जन्म उत्सव व अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर राजस्थान पेंचक सिलेट एसोसिएशन के तत्वाधान में बीकानेर में 11 से 12 मई के बीच आयोजित होने वाली 6वी राज्य स्तरीय सीनियर व मास्टर बालक बालिका पेंचक सिलेट प्रतियोगिता 2024 में भाग लेने के लिए किला स्थित जयशंकर टाईगर क्लब भरतपुर की टीम बीकानेर रवाना हुई।

टाईगर क्लब के सचिव पीयूष जयशंकर टाईगर के निर्देशन में एवं मुख्य चयनकर्ता नेशनल चौंपियन एवं आरएसी कमांडो वेद कुंतल के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों का चयन हुआ। नेशनल चौंपियन एवं आरएसी कमांडो वेद कुंतल ने बताया की सीनियर बालक वर्ग में 55 किलो ग्राम में तुषार पठानिया, 60 किलो ग्राम में राजेश सिंह, 75 किलोग्राम में करतार सिंह पेनोरी राजस्थान पुलिस, 80 किलोग्राम में कुलदीप कसौदा, 85 किलोग्राम में अमित सोगरवाल भरतपुर कमांडो, 90 किलो ग्राम में शेर सिंह राजस्थान पुलिस, ओवर 110 किलोग्राम में कुलदीप नगला चाहर का चयन किया गया। टाईगर क्लब के सचिव पीयूष जयशंकर टाईगर ने अपने उद्बोधन में कहा कि पेंचक सिलेट दिमाग और ताकत का खेल है आशा है भरतपुर के खिलाड़ी इस खेल में अन्य खेल क्षेत्रों की भांति ही भरतपुर जिले एवं राज्य का नाम रोशन करेंगे। पेंचक सिलेट एक कॉम्बैट और गैर-आक्रामक मार्शल खेल है जो सामूहिक रूप से इंडोनेशिया से उत्पन्न विभिन्न शैलियों की मार्शल आर्ट को शामिल करता है।

पेंचक सिलेट में शरीर के किसी भी हिस्से का इस्तेमाल किया जा सकता है और शरीर के किसी भी हिस्से पर हमला किया जा सकता है इस मौके पर भरतपुर ताइक्वांडो संघ सचिव दीप्ति शर्मा, जिग्नेश गुर्जर, आस्था मंगल, ऐश्वर्य शर्मा, शांतनु राणा, अहाना गुप्ता, राम्या शर्मा, युवराज सिंह, शांतनु राजपूत, यशोदा सिंह, अभिषेक जाटव, आदि ने सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देते हुए रवाना किया

विराट कोहली अपनी दमदार स्लॉग स्वीप के जरिये बीच के ओवरों में स्पिनरों को बखूबी खेल रहे हैं। वह अब पहले की तरह वाला विराट कोहली नहीं है लेकिन अब वह 21 साल का भी नहीं है। वह 30 पार है लेकिन अभी भी ऐसा प्रदर्शन लाजवाब है।" – टॉम मूडी

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, विराट कोहली के बारे में कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

साई सुदर्शन

गुजरात के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने आईपीएल के इतिहास में सबसे तेज 1,000 रन पूरे करने के मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है। आईपीएल 2024 में सुदर्शन का बल्ला जमकर रनों की बरसात कर रहा है, जिसमें वो 500 से भी अधिक रन बना चुके हैं। आईपीएल में सबसे तेज 1,000 रन पूरे करने वाले भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर थे। तेंदुलकर ने 31 पारियां खेलकर साल 2010 में एक हजार रन पूरे किए थे, जिनमें उनका औसत 34.8 का रहा था। अब गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन ने 25 पारियों में ही एक हजार रन पूरे कर लिए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... अपने टेस्ट जीवन की पहली श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड भारत के सुनील गावस्कर के नाम है। गावस्कर ने 1970-71 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 774 रन बनाये।

गिल व सुदर्शन ने जड़े शतक, चेन्नई को 35 रन से हराया

गुजरात की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें कायम, मोहित को 3 विकेट मिले, गिल ने आईपीएल का 100 वां शतक लगाया

अहमदाबाद, 10 मई। गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 59वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को 35 रन से हरा दिया। चेन्नई ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। गुजरात ने 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 231 रन बनाए। जवाब में चेन्नई की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 196 रन ही बना सकी। कप्तान शुभमन गिल (104 रन) ने इतिहास का 100वां शतक जमाया। गिल के बाद साई सुदर्शन (103 रन) ने भी करियर की पहली सेंचुरी पूरी की। दोनों ने 210 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। चेन्नई सुपर किंग्स से तुषार देशपांडे ने 2 विकेट लिए। सीएसके से डेरिल मिचेल ने 63 रन, मोईन अली ने 56 रन, एमएस धोनी ने 26 और शिवम दुबे 21 रन बनाए। मोहित शर्मा ने 3 और राशिद खान ने 2 विकेट लिए।

आज यहां चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। गुजरात टाइटंस की साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने टीम को शानदार शुरुआत देते हुए मैदान के चारों शॉट लगाते हुए पहले विकेट के लिये रिकार्ड अवजित 210 रनों की साझेदार की। 18वें ओवर में तुषार देशपांडे ने साई सुदर्शन को आउट कर चेन्नई को पहली सफलता दिलाई। साई सुदर्शन ने 51 गेंदों में पांच चौके और सात छक्के लगाते हुये (103) रन बनाये। शुभमन गिल ने 55 गेंदों में नौ चौके और छह छक्के लगाते हुये (104) रनों की पारी खेली।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने क्रिकेट को कहा अलविदा

टी-20 विश्वकप में नहीं मिली जगह

क्राइस्टचर्च, 10 मई। न्यूजीलैंड के शीर्षक्रम के बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने आगामी टी20 विश्व कप के लिये टीम में जगह नहीं मिलने के बाद शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। मुनरो ने न्यूजीलैंड के लिये एक टेस्ट, 57 वनडे और 65 टी20 मैच खेलकर 3010 रन बनाये हैं। टी20 क्रिकेट में उनका औसत 156 . 44 रहा। वह उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं जिन्होंने सभी टी20 स्पर्धाओं में मिलकर 10000 से अधिक रन बनाये हैं। उन्होंने 428 टी20 मैचों में 10961 रन बनाये हैं जिनमें उनका स्ट्राइक रेट 141.25 रहा। उन्होंने न्यूजीलैंड के लिये आखिरी मैच 2020 में भारत के खिलाफ टी20 खेला था। मुनरो ने एक बयान में कहा ," न्यूजीलैंड के लिये खेलना मेरी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से रहा। मैंने 123 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जिस पर मुझे गर्व है।" उन्होंने कहा ,"मैने लंबे समय से नहीं खेला है लेकिन मुझे वापसी की उम्मीद बनी हुई थी। अब न्यूजीलैंड की टी20 विश्व कप टीम के ऐलान के बाद मेरे लिये विदा लेने का सही समय है।" वह दुनिया भर में टी20 लीग खेलते रहेंगे।

बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे को पांच रन से हराया, सीरीज में 4-0 की अजेय बढ़त

मीरपुर, 10 मई। तंजिद हसन (52) की अर्धशतकीय पारी और सौम्य सरकार (41) रनों की शानदार पारियों के बाद शाकिब अल हसन चार विकेट और मुस्तफिजुर रहमान तीन विकेट की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत बंगलादेश ने चौथे टी-20 के बेहद रोमांचक मुकाबले में जिम्बाब्वे को पांच रन से पराजित कर सीरीज में 4-0 की अजेय बढ़ त बना ली है। यहां शुक्रवार को जिम्बाब्वे ने टॉस जीता और बल्लेबाजी के लिए बंगलादेश की टीम को आमंत्रित किया। बंगालदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 143 रन पर सिमट गई थी। तंजिद हसन के अलावा सौम्य सरकार (41), मोहम्मद तौहिद हदोय (12), नजमुल शांतो (02), शाकिब उल हसन (01), जाकेर अली (06), रिशाद हुसैन (02), तस्किन अहमद (शून्य), तंजीम हसन साकिब (06), मुस्तजिफुर रहमान (03) और तनवीर इस्लाम (03) रन बनाकर कर आउट हुये। जिम्बाब्वे की ओर से ल्यूक जॉन्गवे ने तीन विकेट लिये। ब्रायन बेनेट और रिचर्ड एनगरावा ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। ब्लेसिंग मुजाराबानी तथा सिकंदर रजा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। 144 रन का पीछा करने करने की उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में ब्रायन बेनेट (शून्य) का विकेट गवां दिया। जिम्बाब्वे की ओर से जोनाथन कैंपवेल (31) को छोड़ कर कोई भी बल्लेबाज बंगलादेश के गेंदबाजों के आगे टीक नहीं सका। तड़िवनाश मरुमानी (14), ब्रायन ब्रेनेट (शून्य), सिकंदर रजा (17), क्लाइव मंडाडे (12), रायन बले (19), ल्यूक जॉन्गवे (01), बेलिंग्टन मसाकाट्ज़ा (19 नाबाद), ब्लेसिंग मुजराबानी (08) और रिचर्ड एनगरावा (06) रन बनाकर आउट हुये। बंगलादेश की ओर से शाकिब अल हसन ने चार विकेट लिये। मुस्तफिजुर रहमान को तीन विकेट लिये। तस्किन अहमद ने दो और रिशाद हुसैन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

पीजीडीएवी ने जीता टी-20 इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब

नयी दिल्ली, 10 मई। अमन भारती(21 रन पर 4 विकेट) की घातक गेंदबाजी और श्रेष्ठ पी. यादव (39 गेंद में 74 रन) की आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत पीजीडीएवी कॉलेज ने आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज को सात विकेट से पराजित कर द्वितीय स्वामी दयानंद सरस्वती डे-नाईट टी-20 इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब लगातार दूसरी बार जीत लिया। फाइनल मुकाबले में आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज (आरएसडी) ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पीजीडीएवी कॉलेज के शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए आरएसडी को 19.2 ओवर में 134 रन पर समेट दिया। आरएसडी कॉलेज के ज्योति आदित्य ने 27 गेंद में 46 रन बनाए। वहीं पीजीडीएवी के अमन भारती ने 3.2 ओवर में 21 रन देकर चार विकेट लिये। 135 रनों के लक्ष्य के जवाब में पीजीडीएवी कॉलेज टीम ने 15.1 ओवर में तीन विकेट पर 136 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। श्रेष्ठ पी. यादव ने 39 गेंदों में 74 रन और काव्य ने 33 गेंदों में 40 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। पीजीडीएवी के श्रेष्ठ पी. यादव को प्लेयर ऑफ द मैच एवं प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट पुरस्कार से नवाजा गया। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का पुरस्कार अभिक को दिया गया। अमन भारती सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज चुने गये। सर्वश्रेष्ठ विकेट कीपर का पुरस्कार आर्यन शर्मा को दिया गया।

कोहली को आगामी टी-20 विश्वकप में पारी का आगाज करना चाहिए : गांगुली

बेंगलुरु, 10 मई। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन को विराट कोहली की मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार फॉर्म को देखते हुए अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में उनसे पारी का आगाज करना चाहिए। इस आईपीएल में 12 मैच में 153.51 के शानदार स्ट्राइक रेट से 70.44 के औसत से 634 रन बनाकर कोहली 'ओरेंज कैप' पहने हैं और यह स्ट्राइक रेट उनके करियर के 134.31 के स्ट्राइक रेट से काफी अधिक है। गांगुली ने यहां एक कार्यक्रम से इतर पीटीआई से कहा, "विराट बहुत ही शानदार खेल रहा है। बीती रात कोहली ने जो पारी खेली जिसमें उसने तेजी से 90 रन बना दिये, उसे देखते हुए आपको उसे टी20 विश्व कप में बतौर सलामी बल्लेबाज इस्तेमाल करना चाहिए। उसकी पिछली कुछ आईपीएल पारियां देखें तो ये अद्भुत रही हैं इसलिये उसे पारी का आगाज करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत ने टी20 विश्व कप के लिए संतुलित टीम का चयन किया है जिसमें 17 साल के अंतराल बाद ट्राफी जीतने की काबिलियत है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका में 2007 में शुरूआती टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। गांगुली ने कहा, "यह बहुत अच्छी टीम है। मुझे लगता है कि उन्होंने सर्वश्रेष्ठ टीम चुनी है। बल्लेबाजी में गहराई के अलावा गेंदबाजी भी बेहतरीन दिखती है। " उन्होंने कहा, "बुमराह इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज हैं। हमारे पास कुलदीप, अक्षर और सिराज का अनुभव है। इस बार टीम संयोजन आदर्श है। " आईपीएल के मौजूदा चरण में 250 रन का स्कोर आसानी से बन रहा है और 51 साल के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि भविष्य में भी यही चलन जारी रहेगा। गांगुली ने कहा, "आने वाले वर्षों में भी यही चलन जारी रहेगा। टी20 अब ताकत का खेल बन गया है और ऐसा होना ही था। मैं संजू सैमसन की प्रतिक्रिया पढ़ रहा था जिसमें उन्होंने कहा कि आधुनिक टी20 में सुस्ताने की कोई जगह नहीं है। आपको सिर्फ हिट करना होता है और यह ऐसा ही रहेगा। अब हम आईपीएल में नियमित रूप से 240, 250 रन के स्कोर देख रहे हैं। इसका मुख्य कारण बल्लेबाजी के लिए अच्छी पिच भी है और भारत में मैदान भी इतने ज्यादा बड़े नहीं हैं।

बीसीसीआई मुख्य कोच के लिए अगले हफ्ते जारी करेगा विज्ञापन

मुंबई, 10 मई। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा है कि भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को अगर टी20 विश्व कप के बाद भी पद पर बने रहना है तो उन्हें फिर से आवेदन करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि नये कोच की नियुक्ति तीन साल के लिये होगी। द्रविड़ का करार शुरू में दो साल का था लेकिन उन्हें और सहयोगी स्टाफ को नवंबर में 50 ओवरों के विश्व कप के बाद कार्यकाल में विस्तार दिया गया। शाह ने यहां बीसीसीआई कार्यालय में चुनिंदा मीडिया से कहा ," हम अगले कुछ दिन में आवेदन मंगवायेंगे। राहुल द्रविड़ का कार्यकाल खत्म होने वाला है। उन्हें पद पर बने रहना है तो फिर से आवेदन करना होगा। हमें दीर्घकालिन कोच चाहिये, तीन साल के लिये।"

उन्होंने यह भी कहा कि अलग अलग प्रारूपों के लिये अलग कोच रखने का चलन नहीं रहा है लेकिन अंत में फैसला क्रिकेट सलाहकार समिति को लेना है। समिति में जतिन परांजपे, अशोक मल्होत्रा और सुलक्षणा नाईक हैं। शाह ने कहा ," भारतीय क्रिकेट में अलग अलग प्रारूपों के लिये अलग कोच रखने का चलन नहीं रहा है। इसके अलावा हमारे पास कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो सभी प्रारूपों में खेलते हैं जैसे ऋषभ पंत, विराट कोहली और रोहित शर्मा। "

उन्होंने कहा ,"यह फैसला क्रिकेट सलाहकार समिति को लेना है। जो फैसला वह लेंगे, मैं उस पर अमल करूंगा। अगर वे कहेंगे कि विदेशी कोच चाहिये तो मैं दखल नहीं दूंगा।" अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समिति के अध्यक्ष के रूप में ठोग बार्कले का कार्यकाल इस साल खत्म हो रहा है लेकिन शाह ने यह नहीं बताया कि वह इस पद की दौड़ में हैं या नहीं। उन्होंने कहा ," मुझे यहां बीसीसीआई में रहने दीजिये। अटकलें लगने दीजिये लेकिन मुझे यहां रहने दीजिये। क्या मैं अच्छा काम नहीं कर रहा हूं।

केकेआर और मुंबई के बीच मैच आज

नई दिल्ली, 10 मई। कोलकाता नाइट राइडर्स शनिवार (11 मई) को ईडन गार्डन्स में मुंबई इंडियंस का सामना करेगी। केकेआर 11 में से आठ मैच जीतकर अंक तालिका में टॉप पर है। नाइट राइडर्स ने अपने पिछले पांच मुकाबलों में चार में जीत दर्ज की है। वहीं, मुंबई ने अपने 12 मैचों में चार जीते हैं। प्वाइंट्स टेबल में आठवें पायदान पर है। एमआई ने अपने पिछले पांच मुकाबलों में से एक मैच जीता है। कोलकाता और मुंबई ने एक-दूसरे के खिलाफ 33मैच खेले हैं। केकेआर ने 10 और एमआई ने 23 मुकाबले जीते हैं। कोलकाता का मुंबई के खिलाफ उच्चतम स्कोर 232 है। जबकि केकेआर के खिलाफ इंडियंस का हाईस्कोर 210 है। दोनों टीमों के बीच आखिरी मैच इस साल 3 मई को हुआ था। वेंकटेश अय्यर (70 रन) कोलकाता की जीत के हीरो रहे थे। ईडन गार्डन्स की पिच बल्लेबाजी के लिए बेहतरीन मानी जाती है। यहां उछाल के साथ सपाट सतह है, जो बल्लेबाजों को शॉट आसानी से खेलने में मदद करता है।

निकहत जरीन को मिलेंगे हाई-टेक उपकरण, शरत कमल जर्मनी में लेंगे प्रशिक्षण

नयी दिल्ली, 10 मई। युवा मामले और खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने दो बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज निकहत जरीन को पेरिस 2024 ओलंपिक की तैयारी के लिए उच्च तकनीकी (हाई-टेक) उपकरण उपलब्ध कराने अनुरोध और टेनिस खिलाड़ी शरत कमल को जर्मनी में प्रशिक्षण को मंजूरी दे दी है।

इन अत्याधुनिक उपकरणों में लेजर यूनिट-बीटीएल, एंकल रैप गेम रेडी, फुल लेग रैप गेम रेडी, हैंड रिस्ट रैप गेम रेडी और ट्रॉली बीटीएल लेजर यूनिट शामिल हैं। इन सभी में हाई-इंटेंसिटी वाले लेजर एप्लीकेशन का उपयोग किया जाता है जो ऑपरेटर की आवश्यकता के बिना समान रूप से ऊर्जा के प्रसार को नियंत्रित करता है। ये उपकरण पीठ जकड़न, मांसपेशियों के दर्द को कम करने और चोट से उबरने में अत्यधिक प्रभावी होती है। निकहत जरीन ने हांगझोऊ में एशियाई खेल 2023 में कांस्य पदक जीतने के बाद महिलाओं की 50 किग्रा वर्ग में आगामी ग्रीष्मकालीन खेलों के लिए पहले ही अपनी जगह पक्की कर ली थी।

एमओसी ने शरत कमल के जर्मनी के डसेलडोर्फ में राष्ट्रीय टेबल टेनिस प्रशिक्षण केंद्र में उनके कोच क्रिस फिफर और सेंटर कोच डैनी हेस्टर के सानिध्य में 22 दिनों के प्रशिक्षण के लिए वित्तीय सहायता के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। यह धनराशि टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टोप्स) पहल के तहत आवंटित की जाएगी, जिसका उद्देश्य भारतीय एथलीटों को वैश्विक आयोजनों, विशेषकर ओलंपिक में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करना है।

पेरिस 2024 में जाने वाली रेसवॉकर प्रियंका गोस्वामी के कोच ब्रेंट वालेंस के तहत ऑस्ट्रेलिया में प्रशिक्षण लेने के प्रस्ताव को भी हरी झंडी दे दी गई है। प्रियंका, जो पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करने वाली पहली भारतीय ट्रैक एंड फील्ड एथलीट थीं, वह कैनबरा के पास उच्च तकनीकी वाले प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण लेंगी और आगामी ग्रीष्मकालीन खेलों की तैयारी के लिए कुछ स्थानीय प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा लेंगी।

प्लेऑफ की रेस में बरकरार है आरसीबी

बेंगलुरु, 10 मई। फाप डु प्लेसिस की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने बीते चार मैचों में धमाकेदार परफॉर्मेंस दी है। हाल ही में टीम ने शानदार जीत दर्ज की है। इस जीत को हासिल करने के साथ ही आरसीबी फिर से आईपीएल के प्लेऑफ की रेस में जगह बनाने में कामयाब हो गई है। आरसीबी ने नौ मई को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में पंजाब किंग्स को 60 रनों से हराया है। इस जीत के साथ आरसीबी की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें बनी हुई है।

वहीं पंजाब अब इस हार के बाद प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। वहीं इस जीत से आरसीबी की उम्मीद प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अब भी बरकरार है। आरसीबी 12 मैचों में से पांच में जीत दर्ज कर चुकी है। पांच जीत हासिल करने के साथ ही पॉइंट्स टेबल में आरसीबी सातवें नंबर पर है। पंजाब जो अबतक आठवें नंबर पर थी वो आरसीबी से हारने के बाद नौवें नंबर पर पहुंच गई है। पंजाब 12 में से चार मैच जीती है।

आईपीएल की बात करें तो आरसीबी ने चार मैच जीत कर खुद को प्लेऑफ की रेस में शामिल किया है। आरसीबी के दमदार खेल के कारण चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपरजाइंट्स और दिल्ली कैपिटल का प्लेऑफ में पहुंचना मुश्किल लग रहा है। आईपीएल में प्लेऑफ का समीकरण समझने से पहले प्वाइंट्स टेबल पर भी नजर डालते है। पंजाब पर जीत दर्ज करने के बाद 5 मैच जीत कर रॉयल चैलेंज बैंगलोर 10 अंक के साथ है।

ईशान, अय्यर को केन्द्रीय अनुबंध से बाहर रखने का फैसला अगरकर का : जय शाह

मुंबई, 10 मई। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर रखने का फैसला मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर का था। बीसीसीआई से निर्देश मिलने के बावजूद घरेलू टूर्नामेंट नहीं खेलने पर ईशान और अय्यर को अनुबंध से बाहर रखा गया। ईशान पिछले साल वनडे विश्व कप के बाद लंबे ब्रेक पर चले गए और आईपीएल में ही लौटे। वहीं अय्यर ने रणजी ट्रॉफी में सेमीफाइनल और फाइनल समेत मुंबई के लिये कुछ मैच खेले। मुंबई टीम जब रणजी खेल रही थी तब अय्यर कोलकाता नाइट राइडर्स के मुंबई शिविर में भाग ले रहे थे।

शाह ने बीसीसीआई कार्यालय पर मीडिया से बातचीत में कहा ," आप संविधान देख सकते हैं। मैं चयन समिति की बैठक बस बुलाता हूं।" उन्होंने कहा ,"वह फैसला अजित अगरकर का था। जब इन दोनों खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट नहीं खेला तो उन्हें बाहर रखने का फैसला अगरकर का ही था। मेरा काम बस उस पर अमल करने का है। हमें संजू सैमसन जैसा अच्छा खिलाड़ी मिल गया। कोई भी अपरिहार्य नहीं है।" शाह ने कहा कि उन्होंने बाद में दोनों खिलाड़ियों से बात भी की।

उन्होंने कहा ," मैने उनसे बात की। मीडिया में रिपोर्ट भी आई थी। हार्दिक पंड्या ने भी कहा था कि अगर बीसीसीआई सफेद गेंद के क्रिकेट के लिये उन्हें चुनता है तो वह विजय हजारे और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी खेलने के लिये तैयार है। हर खिलाड़ी को खेलना होगा , भले ही वह नहीं चाहता हो।" गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच मैच के बाद उन्होंने ईशान से क्या बातचीत की, यह पूछने पर उन्होंने कहा ," मैने उसे कोई सलाह नहीं दी। यह दोस्ताना बातचीत थी कि उसे अच्छा खेलना चाहिये। मैं सभी खिलाड़ियों से ऐसे ही बात करता हूं।

आयरलैंड ने पाक को 5 विकेट से दी पटखनी

डबलिन, 10 मई। एंडी बैलबर्नी (77) और हैरी टेक्टर (36) रनों की शानदार बल्लेबाजी के दम पर आयरलैंड ने शुक्रवार को पहले टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ आयरलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 182 रन का स्कोर खड़ा किया था। पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में मोहम्मद रिजवान (1) का विकेट गवां दिया। सईम अयूब और कप्तान बाबर आजम ने पारी को संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट लिये 85 रनों की साझेदारी हुई। सईम अयूब ने 29 गेंदों में (45) और बाबर आजम ने 43 गेंदों में (57) रनों की पारी खेली। फखर जमान(20) आजम खान (शून्य) और शदाब खान (शून्य) पर आउट हुये। इफ़्तिख़ार अहमद ने 15 गेंदों में नाबाद 37 रनों की पारी खेली।

धीमी शुरुआत के बाद डी गुकेश की धमाकेदार वापसी, प्रज्ञानानंदा रहे तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली, 10 मई। विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर डी गुकेश ने धीमी शुरुआत के बाद डी गुकेश ने जोरदार वापसी की। गुकेश ने शुक्रवार को सुपरबेट रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन से ड्रॉ खेलने से पहले हमवतन आर प्रज्ञानानंदा और जर्मनी के विन्सेंट केमर को शिकस्त दी। प्रज्ञानानंदा ने पांचवें दौर में होलैंड के अनीष गिरी को पराजित किया और फिर छठे दौर में केमर पर जीत हासिल की। नार्वे के कार्लसन ने आठ अंक लेकर चीन के वेई यि के साथ संयुक्त बढ़त बनाई हुई है जबकि प्रज्ञानानंदा और शेवचेंको सात सात अंक लेकर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव, गुकेश और अर्जुन एरिगेसी छह छह अंक लेकर संयुक्त पांचवें स्थान पर हैं।

ये सभी स्थानीय स्टार डुडा जान क्रिस्तोफ से पूरे एक अंक आगे हैं। चार अंक से केमर नौवें स्थान पर हैं और गिरी से पूरे एक अंक आगे हैं। हालांकि रोमानिया के किरिल शेवचेंको का स्वप्निल सफर एरिगेसी ने समाप्त किया जिन्होंने टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल की। पहले दो दौर में हार के बाद ड्रा खेलने वाले गुकेश ने चौथे दौर में प्रज्ञानानंदा को 41 चाल में पराजित किया। इसके बाद गुकेश ने केमर को हराया और कार्लसन से बाजी ड्रॉ कराई।

भारतीय खिलाड़ियों को खेल-विशिष्ट सहयोगी स्टॉफ से मदद मिलेगी : पीटी उषा

नयी दिल्ली, 10 मई। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) अध्यक्ष पीटी उषा ने शुक्रवार को ओलंपिक के लिए जाने वाले खिलाड़ियों को पेरिस में सर्वोत्तम संभव सहायता का आश्वासन देते हुए कहा कि खिलाड़ियों की सुविधा और समय की बचत के लिए खेल-विशिष्ट सहयोगी स्टाफ को खेल गांव के करीब रखा जाएगा। पेरिस में भारतीय एथलीटों और सहयोगी स्टाफ की व्यवस्था को अंतिम रूप देने के बाद भारत लौटीं उषा ने कहा कि आईओए ने यह भी सुनिश्चित किया है कि निशानेबाज और गोल्फ खिलाड़ी अपने-अपने आयोजन स्थलों के करीब रहें। चेटेउरौक्स निशानेबाजी क्रेंद पेरिस से लगभग दो घंटे की दूरी पर है, जबकि ले गोल्फ नेशनल ओलंपिक हब से एक घंटे की दूरी पर है।

उन्होंने यहां जारी बयान में कहा, "हम एथलीटों के गांव से थोड़ी दूरी पर कई खेल-विशिष्ट सहयोगी सदस्यों के लिए आवास सुरक्षित करने में सक्षम हैं। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कोई भी खिलाड़ी अपनी सहायता प्रणाली से वंचित न रहे और इसलिए हमने आसपास के क्षेत्र में अपार्टमेंट बुक किए हैं।" उन्होंने कहा, "हमने यह सुनिश्चित किया है कि हमारे निशानेबाज और गोल्फ खिलाड़ी अपने-अपने आयोजन स्थलों के करीब रहें।"

पूर्व दिग्गज धाविका ने मजबूत समर्थन प्रणाली की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि भारतीय खिलाड़ी पिछले कुछ वर्षों में लगातार अपने प्रदर्शन में सुधार कर रहे है। उन्हें शीर्ष प्रदर्शन हासिल करने के लिए बेहतर समर्थन प्रणाली की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, " एक खिलाड़ी और खुद कोच के तौर पर मैंने हमारे एथलीटों के लिए समर्थन प्रणाली के विकास को देखा है। वे प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा के दृष्टिकोण में बहुत पेशेवर हो गए हैं।

शतरंज की ट्रेनिंग भले ही सस्ती दिखे लेकिन यह खेल काफी महंगा है : प्रज्ञानानंदा

वारसॉ, 10 मई। युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने शुक्रवार को शतरंज के लिए मजबूत वित्तीय समर्थन की मांग करते हुए इस अवधारणा को खारिज किया कि इस खेल में ट्रेनिंग के लिए कम वित्तीय राशि की जरूरत होती है। प्रज्ञानानंदा ने हाल में पहली बार टोरंटो में फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था और वह इस समय ग्रां शतरंज टूर के अंतर्गत रैपिड एवं ब्लिट्ज पोलैंड में खेल रहे हैं। इस 18 साल के खिलाड़ी ने कहा, "शतरंज की ट्रेनिंग भले ही आसान और सस्ती दिखे लेकिन इसके लिए यात्रा करना और सामान इकट्ठा करना बहुत ही महंगा होता है। इसलिये मैं अडानी ग्रुप से सहयोग मिलने के लिए उनका आभारी हूं। " प्रज्ञानानंदा ने पिछले कुछ वर्षों में तेजी से ऊपर की ओर कदम बढ़ाये हैं और इस दौरान मैग्नस कार्लसन सहित कुछ शीर्ष खिलाड़ियों को पराजित किया है। उन्होंने शतरंज के समर्थन के लिए कोरपोरेट जगत को आगे आने की जरूरत पर ध्यान दिलाते हुए कहा, "शीर्ष स्तर के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेना काफी मुश्किल हो सकता है क्योंकि ये काफी मंहगे होते हैं। " उन्होंने कहा, "मेरे माता पिता को वित्तीय परेशानियों का सामना करना पड़ा था लेकिन मेरा पहला प्रायोजक मिलने के बाद थोड़ी मदद मिली। " अडानी ठ्रुप की एक विज्ञप्ति में प्रज्ञानानंदा ने कहा, "यह मुश्किल था क्योंकि मेरी बहन भी खेल रही थी और उसे भी टूर्नामेंट के लिए यात्रा करनी पड़ती थी। इसलिये खेलों के लिए कोरपोरेट प्रायोजक काफी जरूरी हैं। "

उनकी बड़ी बहन आर वैशाली टोरंटो में फिडे महिला कैंडिडेट्स में संयुक्त उप विजेता रही थीं। चेन्नई के इस युवा खिलाड़ी ने यह भी कहा कि शतरंज के 14 राउंड खेलने के लिए खिलाड़ी को शारीरिक रूप से भी फिट होना चाहिए और वह अपनी फिटनेस के लिए बैडमिंटन और बीच वॉलीबॉल खेलते हैं। उन्होंने कहा, "कैंडिडेट्स की तैयारी के लिए मैं शारीरिक रूप से फिट होने के लिए कुछ खेल खेल रहा था। मैं शिविर के दौरान व्यायाम कर रहा था। हमें शतरंज की ट्रेनिंग के इतर शारीरिक ट्रेनिंग के लिए भी कुछ निश्चित समय दिया जाता है। हाल में मैंने बीच वॉलीबॉल खेलना शुरू किया।"

प्रज्ञानानंदा ने कहा, 'आपको लंबे टूर्नामेंट के लिए तैयार होने की जरूरत होती है क्योंकि 14 मैच खेलना आसान नहीं है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान फोकस बनाये रखने पर हम काम कर रहे हैं। " उन्होंने कहा, "14 मैच खेलना बहुत थकाने वाला होता है। शारीरिक फिटनेस की बात तब सामने आती है जब आप पांच-छह घंटों तक एक ही बाजी खेलते रहते हो। अगर आप पूरे टूर्नामेंट में ऐसा करते हो तो निश्चित रूप से ध्यान लगाये रखना बहुत थकाऊ होता है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को महाराष्ट्र के पुणे शहर में प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन में शामिल हुए और साथी राजस्थानियों से पुणे लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी मुरलीधर मोहोल के समर्थन में अधिक से अधिक मतदान करके उन्हें जिताने की अपील की।

राष्ट्रहित और समाज सेवा मारवाड़ियों का मूल स्वभाव- मु.मंत्री भजनलाल

- **पुणे में प्रवासी राजस्थानियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री न यह भी कहा कि, मारवाड़ी समुदाय के लिए हमेशा देश सर्वोपरि होता है।**

पुणे, 10 मई। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को पुणे में प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन में शिरकत की। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, पिछले एक दशक में देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजनीतिक दलों को बदलने के लिए मजबूर कर दिया है। वर्ष 2014 से पहले, कांग्रेस सरकार के समय देश में भ्रष्टाचार और घोटालों की इबारतें लिखी जाती थीं। उस समय नस्लवाद और आतंकवाद का बोलबाला था। लेकिन मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद केवल एक बार ही ऐसा दुस्साहस हुआ, जिसका भी मुंह तोड़ जवाब दिया गया।

उन्होंने कहा कि, मारवाड़ियों के मूल स्वभाव में समाज सेवा और राष्ट्रिहत निहित है। मारवाड़ी राष्ट्रिहत की नींव से जुड़े होते हैं और देश इनके लिए सर्वोपरि होता है। उन्होंने कहा कि, 21वीं सदी में भारत को आगे ले जाने के लिए वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तीसरे स्थान की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि, जहां एक तरफ गरीबी हटाने के नाम पर सिर्फ वोट मांगने वाले लोग हैं, वहीं दूसरी तरफ गरीब कल्याण से लेकर देश के विकास, सीमाओं की सुरक्षा एवं दुनिया में देश के गौरव को बढ़ाने वाले मोदी जी हैं। प्रधानमंत्री ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाने का अभूतपूर्व काम किया है।

मु.मंत्री भजनलाल ने उपस्थित जनों से, पुणे लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी मुरलीधर मोहोल के समर्थन में अधिक से अधिक मतदान कर उन्हें विजयी बनाने की अपील की।

'बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ काफी सबूत'

दिल्ली राउज़ एवेन्यु कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप तय किए जाने के दौरान टिप्पणी की

- **राउज़ एवेन्यु कोर्ट में एडिशनल चीफ मैट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने बृजभूषण पर यौन शोषण के साथ महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने का आरोप भी तय किया।**
- **बृजभूषण के खिलाफ 7 गवाह मिले हैं तथा यौन शोषण की जगहों पर उनकी मौजूदगी के सबूत भी मिले हैं।**
- **आरोप है कि, बृजभूषण शरण सिंह ने रैसलिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पद पर रहने के दौरान महिला पहलवानों का यौन शोषण किया था।**

नई दिल्ली, 10 मई। महिला पहलवानों से यौन शोषण मामले में कैसरगंज से भाजपा सांसद और रैसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यु.एफ.आई.) के पूर्व चीफ बृजभूषण शरण सिंह पर आरोप तय हो गए हैं। दिल्ली की राउज़ रेवन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को उनके खिलाफ आरोप तय किए। अदालत ने कहा कि, बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं।

ज्ञातव्य है कि, दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ बीते साल 15 जून को चार्जशीट दाखिल की थी। बृजभूषण के खिलाफ धारा 354, 354-ए, 354-डी और 506 के तहत आरोप लगाए गए थे।

राउज़ एवेन्यू कोर्ट में एडिशनल चीफ मैट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (ए.सी.एम.एम.) प्रियंका राजपूत ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आदेश पारित किया। अदालत ने बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण के साथ ही किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने का आरोप भी तय किया है। अदालत ने बृजभूषण के डब्ल्यु.एफ.आई. चीफ रहते उनके सेक्रेटरी विनोद तोमर के खिलाफ भी आरोप तय किए हैं।

यौन शोषण के आरोप तय होने पर बृजभूषण शरण सिंह ने प्रतिक्रिया भी दी है। उन्होंने कहा, "प्रथम दृष्टया न्यायालय ने आरोप तय किए हैं। चार्जशीट लगी थी। मैंने प्रोटैस्ट किया था। मैं कोर्ट के ऑर्डर का स्वागत करता हूं। अब मेरे लिए ऑप्शन खुले हैं। इस प्रकरण का सामना किया जाएगा।"

बृजभूषण के खिलाफ करीब 7 गवाह मिले हैं। वहीं, यौन शोषण के कथित स्थान पर उनकी मौजूदगी के भी सबूत मिले हैं। चार्जशीट की पहली सुनवाई पर कोर्ट ने इसे एम.पी.-एम.एल.ए. कोर्ट में ट्रांसफर किया था। इसके अलावा, कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को चार्जशीट की एक कॉपी शिकायतकर्ता पहलवानों को देने के आदेश दिए थे।

बालिग पहलवानों के केस में पुलिस ने 1500 पन्नों की चार्जशीट पेश की। इसमें पुलिस ने पहलवानों के सी.आर.पी.सी. की धारा 164 के तहत मजिस्ट्रेट के आगे दिए बयान को चार्जशीट का प्रमुख आधार माना है। पुलिस ने कहा कि, बालिग पहलवानों ने जिस जगह पर उनके साथ यौन शोषण के आरोप लगाए हैं, वहां आरोपियों की मौजूदगी के सबूत मिले हैं।

हेमंत सोरेन को राहत नहीं मिली

- **सुप्रीम कोर्ट ने सोरेन की याचिका पर अगले सप्ताह विचार करने की बात कही।**

नयी दिल्ली, 10 मई। उच्चतम न्यायालय ने झारखंड में कथित भूमि घोटाले से संबंधित धन शोधन के एक मामले में तीन माह से अधिक समय से न्यायिक हिरासत में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को शुक्रवार को भी कोई राहत नहीं दी और कहा कि उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर वह अगले सप्ताह सुनवाई करेगा।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दिपांकर दत्ता की पीठ ने इस मामले में तीन मई के उच्च न्यायालय के आदेश का संज्ञान लेते हुए कहा कि, सोरेन की अनुच्छेद 32 के तहत शीर्ष अदालत में दायर याचिका, जो सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रहने की अवधि को देरी का आधार बनाकर दायर की गई थी, का अब कोई अर्थ नहीं रहा।

पीठ ने अनुच्छेद 32 के तहत दायर उस याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि, झारखंड उच्च न्यायालय की ओर से याचिका खारिज करने के आदेश को चुनौती देने वाली सोरेन की गुहार पर वह अगले सप्ताह विचार करेगी।

'चुनाव प्रचार में भाग लेना न तो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव में प्रचार करने का अधिकार कोई संवैधानिक, मौलिक और यहाँ तक कि विधिक अधिकार भी नहीं है। किसी भी राजनेता को चाहे वह चुनाव में प्रत्याशी ना भी हो, तब भी कभी चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत नहीं दी गई और चुनाव लड़ने वाला कोई प्रत्याशी यदि जेल में है तो उसे खुद के चुनाव प्रचार के लिए भी कभी अंतरिम जमानत पर रिहा नहीं किया गया।"

जाँच एजेन्सी ई.डी. ने अपने शपथ पत्र में कहा कि "कोई भी राजनेता किसी सामान्य नागरिक से अधिक के विशेष दर्जे का दावा नहीं कर सकता और उसे कोई अपराध करने पर देश के किसी अन्य नागरिक की भांति गिरफ्तार किया जा सकता है और जेल में बंद किया जा सकता है। ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं जिनमें न्यायिक हिरासत में रहने के दौरान राजनेताओं ने चुनाव लड़े और उनमें से कुछ जीते भी, लेकिन चुनाव प्रचार के लिए उन्हें कभी अंतरिम जमानत नहीं दी गई।"

शपथ पत्र में कहा गया है कि "यदि चुनाव प्रचार के अधिकार को अंतरिम जमानत मंजूर करने का आधार माना जाए तो इससे अनुच्छेद 14 के सिद्धान्तों का उल्लंघन होगा क्योंकि अपराध करने वाले किसी किसान के लिए फसल कटाई के लिए अंतरिम जमानत लेना भी उना ही महत्वपूर्ण है और किसी कंपनी का डायरैक्टर, कंपनी बोर्ड की मीटिंग या वार्षिक आम मीटिंग के लिए भी अंतरिम जमानत की मांग कर सकता है।"

ई.डी. ने केजरीवाल को दिल्ली के आबकारी घोटाले का "सरगना" और मुख्य षड़यंत्रकर्ता बताते हुए शीर्ष अदालत से कहा कि केजरीवाल को नौ समन जारी किए गए थे, लेकिन उनके बावजूद वह "पूछताछ" से बचते रहे जिससे ई.डी. के जाँच अधिकारी को यकीन हो गया कि वे मनी लॉण्ड्रिंग के दोषी हैं।

ई.डी. ने केजरीवाल की अंतरिम जमानत नामंजूर करने का बैंच से अनुरोध करते हुए कहा कि "यह ना केवल विधि के निर्धारित सिद्धांतों के खिलाफ होगा, बल्कि इससे "विधि का शासन," जो कि संविधान की मूल अवधारणा हैं का भी उल्लंघन होगा।"

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केजरीवाल अपनी अंतरिम जमानत की अवधि के दौरान अपने कार्यालय अथवा दिल्ली सचिवालय में नहीं जा सकते। कोर्ट ने जमानत शर्तों के रूप में उन पर कुछ प्रतिबंध लगाए हैं।

बैंच ने केजरीवाल से कहा कि वह 21 दिन की अपनी अंतरिम जमानत अवधि के दौरान किसी ऑफिशियल फाइल पर तब तक हस्ताक्षर नहीं करेंगे, जब तक कि उस पर दिल्ली के लैफ्टिनैंट गवर्नर का अनुमोदन लेना बेहद जरूरी ना हो। बैंच ने केजरीवाल को यह निर्देश भी दिया कि वे जेल अधीक्षक की तुष्टि के लिए 50,000 रूपए की जमानत का मुचलका भरें।

शीर्ष अदालत ने कहा कि "केजरीवाल वर्तमान केस से संबंधित अपनी भूमिका को लेकर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे और इस केस से संबंधित किसी गवाह से बातचीत नहीं करेंगे और केस से संबंधित किसी सरकारी फाइल तक अपनी पहुंच नहीं बनाएंगे।" कोर्ट ने केजरीवाल को राहत प्रदान करते हुए कहा कि "इसमें कोई संदेह नहीं इनके विरूद्ध गंभीर आरोप हैं, लेकिन यह भी है कि इनका अभी तक दोष सिद्ध नहीं हुआ है। इनकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं रही है और ये समाज के लिए भी खतरा नहीं हैं।"

हेमंत सोरेन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बचाया जा सके। मुझे खुशी है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस तर्क को समझा है।"

इसी दौरान केजरीवाल जिनको एनफोर्समैंट डायरेक्टोरेट (ई.डी.) ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था, को शीर्ष अदालत ने एक जून तक के लिए अंतरिम जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने उन दलीलों को खारिज कर दिया कि, केजरीवाल को जमानत देने से राजनीतिज्ञ आम आदमी की तुलना में विशिष्ट माने जाएंगे। कोर्ट ने माना है कि आम चुनाव "इस वर्ष का सबसे महत्वपूर्ण और अहम आयोजन है" और "असाधारण महत्व" के हैं। कोर्ट ने यद्यपि, केजरीवाल की जमानत पर कुछ शर्तें रखी हैं जिनके अनुसार केजरीवाल मुख्यमंत्री कार्यालय और दिल्ली सचिवालय नहीं जाएंगे और किसी आधिकारिक फाइल पर दस्तखत तब तक नहीं करेंगे जब तक कि वह फाइल उपराज्यपाल से किसी जरूरी अनुमति/भुगतान के लिए ऐसा करना जरूरी न हो।

केजरीवाल को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यालय में भी नहीं जाएंगे।

जमानत अवधि समाप्त होने के बाद उन्हें समर्पण करना होगा और वो 2 जून को वापस जेल जाएंगे।

शर्त यह भी है कि मामले के किसी भी गवाह से बातचीत नहीं करेंगे और न ही वे इस केस से संबंधित कार्यालय की फाइल देखेंगे।

'भारत को परमाणु...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और वो ऐसा करके पाकिस्तान के आंतकवाद की ढाल बनने की कोशिश करती है। यहां पार्टी के मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रैंस में उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस आदतन माफी मांगने वाली पार्टी और पाकिस्तान व उसके आतंकवाद की रक्षक बन गई है, जबकि पाकिस्तान के विदेश मंत्री राहुल गांधी का समर्थन कर रहे हैं।

उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि "असल में अय्यर के बयान ने राहुल गांधी व सम्पूर्ण कांग्रेस की विचारधारा व नीतियों की पोल खोल दी है और इस बयान से उनकी पाकिस्तान के साथ नजदीकियों का पता चलता है जो आतंकवाद को प्रायोजित करता है और वे पाकिस्तान के लिए प्रचारक के तौर पर काम कर रहे हैं। अय्यर के इस कथन पर कि, भारत को परमाणु शक्ति सम्पन्न पाकिस्तान से डरना चाहिए, पर मंत्री चन्द्रशेखर ने कहा: "यह नया भारत है जो किसी से नहीं डरता है।" उन्होंने कहा कि, कांग्रेस की यह सामान्य प्रक्रिया है कि वह ऐसे नेताओं के बयानों से पार्टी को अलग कर लेती है और बाद में उन्हें ईनाम देती है।

'कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हवाले से कहा गया है कि 'यह आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर शंकाए पैदा करता है।"

कांग्रेस अध्यक्ष ने पत्र में कहा था, आयोग ने मतदान के आंकड़े जारी करने में "अत्यधिक विलंब किया है" और प्रारंभिक आंकड़ों की तुलना में अंतिम आंकड़ों में "ऊंची वृद्धि" हुई है जो ईवीएम को लेकर भी कुछ सवाल उठाते हैं।

आयोग ने जवाब में कहा है कि आपने डेटा जारी करने के समय और उसमें वृद्धि को उन निर्वाचन क्षेत्रों के साथ जोड़ा है जहां सत्तारूढ दल ने 2019 में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। आप ने यह आरोप लगा दिया कि, ये सब बातें चुनाव परिणाम को प्रभावित करने का प्रयास हैं।

आयोग ने खड़गे को लिखा है कि, उन्होंने अपने पत्र के विषय में जांच करने लायक तथ्यों और उच्चतम न्यायालय के पहले आ चुके स्पष्ट निणर्यों के बाद भी एक पक्षपात पूर्ण कहानी प्रस्तुत करने की कोशिश की है।

बीजापुर में नक्सलियों से मुठभेड़ में 12 नक्सली मरे, दो जवान घायल

- **मौके से पुलिस को भारी मात्रा में हथियार भी मिले है।**
- **पुलिस सूत्रों ने बताया कि, पीड़ा के जगलों में दंतेवाडा, बीजापुर और सुकमा जिलों की पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही की, इसमें जिला रिज़र्व पुलिस बल, टॉस्क फोर्स व केन्द्रीय सुरक्षा बल भी शामिल थे।**

बीजापुर, 10 मई। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के पीड़ा के जंगलों में आज सुबह से पुलिस और नक्सलियों के बीच जारी मुठभेड़ में देर शाम तक मृतक नक्सलियों की संख्या बढ़ कर ग्यारह हो गयी। वहीं, दो जवान घायल हो गए हैं। मौके से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद हुए हैं तथा सर्च अभी भी जारी है। दक्षिण बस्तर क्षेत्र के उप पुलिस महानिरीक्षक कमलोचन कश्यप ने बताया कि, बीजापुर जिला मुख्यालय से 55 किलोमीटर दूर पीड़ा के जंगलों में नक्सलियों का बड़ा लीडर होने की सूचना पर दंतेवाड़ा, बीजापुर तथा सुकमा, तीन जिलों के जवानों ने शुक्रवार सुबह से संयुक्त ऑपरेशन लॉन्च किया। इसके तहत जिला रिजर्व पुलिस बल, स्पेशल टास्क फोर्स, केन्द्रीय सुरक्षा बल सहित कोबरा बटालियन समेत 12 सौ से अधिक जवानों ने इलाके को घेर लिया।

कमलोचन ने बताया कि, सुबह से जारी मुठभेड़ के बाद सर्च अभियान शुरू किया गया। देर शाम तक नक्सलियों के ग्यारह शव बरामद किए गए और भारी मात्रा में हथियार भी बरामद हुए, जिसमें बारह बंदूकें भी शामिल हैं। मुठभेड़ के दौरान पास के ही केन्द्रीय सुरक्षा बल के कैम्प से पुलिस के उच्च अधिकारी कमान संभाले हुए थे। इस मुठभेड़ में दो जवान भी घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया है।

शराब के ठेके चलाने की अवधि...

- **राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि, आचार संहिता लगने के कारण उनके पास नई निविदा आमंत्रित करने का समय नहीं था और यह मामला राज्य सरकार के राजस्व से संबंधित है इसलिए टाला नहीं जा सकता था।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया था।

मामले के तथ्यों के अनुसार राज्य सरकार ने इस वर्ष "लिकर पॉलिसी 2024-25" को जारी किया और इस नीति के अनुसार जनवरी-फरवरी में शराब के ठेकों के लाइसेंस के आवंटन के लिये निविदा आमंत्रित की। परंतु जब 50 प्रतिशत से भी अधिक लाइसेंस धारकों ने निविदा में भाग नहीं लिया, तब राज्य सरकार की ओर से ना केवल एकतरफा कार्रवाई करते हुए लाइसेंस धारकों की अवधि बढ़ाई, बल्कि इन लाइसेंस धारकों को कहा कि वे उनके द्वारा जमा की गई सुरक्षा राशि को जब्त कर लेंगे। राज्य सरकार ने कहा कि यह आदेश जून तक जारी रहेगा, उसके बाद पुनः नई निविदा आमंत्रित की जाएंगी।

उल्लेखनीय है कि 500 पीड़ित लाइसेंस धारक अदालत के समक्ष पहुंचे तो उन्होंने कहा कि उन्होंने निविदा में भाग इसलिये नहीं लिया क्योंकि उन्हें राज्य सरकार को तय दर पर राजस्व देने में भारी घाटा हो सकता था। उन्होंने अदालत को कहा कि नियमानुसार राज्य सरकार उन्हें एकतरफा कार्रवाई करके उन्हें विवश नहीं कर सकती कि उनकी लाइसेंस की अवधि बढ़ाई जाये।

दूसरी ओर राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि यह मामला राज्य सरकार के राजस्व से संबंधित है और राज्य सरकार के पास शराब के ठेकों के आवंटन के लिये दूसरी निविदा आमंत्रित करने का समय नहीं था क्योंकि आचार संहिता लगा दी गई थी। उन्होंने कहा कि कानून के तहत वे लाईसेंस धारकों को नोटिस देकर यह आदेश दे सकते थे कि वे कब और कैसे शराब के ठेके संचालित करें। इस पर प्रतिक्रिया करते हुए याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि राज्य सरकार लाईसेंस धारकों को 31 मार्च तक ही नोटिस दे सकती थी जो लाईसेंस की अवधि का समय था, उसके बाद नहीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास अन्य एजेंसिया भी हैं, जो इन ठेकों का संचालन कर सकती हैं, परंतु याचिकाकर्ताओं को घाटे पर ठेकों का संचालन करने के लिये विवश नहीं किया जा सकता। उल्लेखनीय प्रश्न यह है कि याचिकाकर्ताओं को नई सरकार में ठेके चलाने में घाटा क्यों हो रहा है जबकि नई लिकर पॉलिसी और पुरानी लिकर पॉलिसी में कोई खास अंतर नहीं है। इस सवाल का जवाब अदालत में याचिकाकर्ताओं की ओर से नहीं दिया गया। पर यह सवाल जरूर उठता है कि क्या पिछली सरकार में कई लाइसेंस धारकों को लाभ की गारंटी थी?

बहरहाल अदालत ने राज्य सरकार को आदेश दिये हैं कि याचिकाकर्ताओं के द्वारा दी गई सुरक्षा राशि को चार हफ्ते में लौटाया जाये और यदि सरकार उससे अधिक समय लेती है तो उसे छह प्रतिशत ब्याज भी देना होगा।

देश भर में एक जुलाई से तीन नए आपराधिक कानून लागू होंगे

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मालिनी अग्रवाल ने मीडिया से वार्ता में यह जानकारी दी और कहा कि, नए कानूनों में पीड़ितों और न्याय पर फोकस किया गया है

- **इन कानूनों के लागू होने के बाद से लेकर अदालत के निर्णय तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन हो जाएगी और भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में आधुनिक तकनीक का सबसे अधिक इस्तेमाल करने वाला देश बन जाएगा।**
- **पांच हजार रुपए से कम चोरी के मामलों में तथा छह अन्य श्रेणी के अपराधों में सामुदायिक सेवा का प्रावधान किया गया है।**

जयपुर, 10 मई। भारतीयता को ध्यान में रखते हुए, नए आपराधिक कानून "पीड़ित केन्द्रित" बनने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव के साथ लाए गए हैं। जिनमें न्याय और पीड़ित पर फोकस किया गया है। गृह मंत्रालय एवं पत्र सूचना कार्यालय जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में पत्रकारों के लिए, तीन नए आपराधिक कानूनों पर जयपुर में आयोजित कार्यशाला "वार्तालाप" में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पुलिस ट्रेनिंग, डॉ. मालिनी अग्रवाल ने ये विचार व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि 1 जुलाई से तीन नए अपराधिक कानून देशभर में लागू हो जाएंगे। आज साइबर अपराधों कि संख्या में बढ़ोतरी हुई है। नए आपराधिक कानून, भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023, 25 दिसंबर 2023 को कानून बन गए, इसके साथ ही भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में एक नए युग की शुरुआत हुई है। तीन नए प्रमुख कानूनों का मकसद सजा देने की बजाय न्याय देना है। उन्होंने कहा कि, नए कानूनों के साथ आने वाले समय में फॉरैंसिक लैब की सुविधा को जिला स्तर पर भी स्थापित किया जाएगा।

इस अवसर पर पत्र सूचना कार्यालय की अपर महानिदेशक ऋतु शुक्ला ने कहा कि, इस वार्तालाप का उद्देश्य नए कानूनों की जानकारी मीडिया के माध्यम से आम लोगों तक पहुंचाना है, ताकि वे इन कानूनों के प्रति जागरूक हो सकें।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के सी.डी.टी.आई. से जुड़े समन्वयक, सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगमोहन शर्मा ने बताया कि, इन कानूनों के लागू होने के बाद से लेकर अदालत के निर्णय तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन हो जाएगी और भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में आधुनिक तकनीक का सबसे अधिक इस्तेमाल करने वाला देश बन जाएगा। यह कानून तारीख-पे- तारीख के चलन की समाप्ति सुनिश्चित करेंगे और देश में एक ऐसी न्यायिक प्रणाली स्थापित होगी जिसके जरिए तीन वर्षों के भीतर न्याय मिल सकेगा।

उन्होंने बताया कि 35 धाराओं में समयसीमा निर्धारित की गई है। इलेक्ट्रॉनिक तरीके से शिकायत दायर करने के तीन दिन के भीतर दर्ज करने का प्रावधान है। साथ ही यौन उत्पीड़न के मामलों में सात दिन के भीतर जांच रिपोर्ट देनी होगी। पहली सुनवाई के 60 दिनों के भीतर आरोप तय करने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि भगोड़े अपराधियों की गैर-मौजूदगी के मामलों में 90 दिनों के भीतर केस दायर करने का प्रावधान किया गया है। साथ ही आपराधिक मामलों में सुनवाई पूरी होने के 45 दिनों के भीतर फैसला देना होगा। छोटे-मोटे मामलों में सामुदायिक दण्ड का प्रावधान रखा गया है। पांच हजार रुपए से कम की चोरी के मामलों में सामुदायिक सेवा का प्रावधान किया गया है तथा छह अपराधों में सामुदायिक सेवा का प्रावधान है।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के सी.डी.टी.आई. से जुड़े समन्वयक, सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक चौहान ने बताया कि, भारतीय न्याय संहिता में महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराध पर एक नया अध्याय लिखा गया है, जिसके अंतर्गत उनके खिलाफ अपराधों से संबंधित करीब 35 धाराएं हैं। जिनमें लगभग 13 नए प्रावधान हैं और शेष में कुछ संशोधन किए गए हैं। सामूहिक दुष्कर्म में 20 साल का या आजीवन कारावास और नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म में मौत की सजा या आजीवन कारावास का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा यौन संबंध के लिए झूठे वादे करना या पहचान छुपाना अब एक अपराध की श्रेणी में होगा। पीड़िता के घर पर किसी महिला अधिकारी की मौजूदगी में बयान दर्ज करने का प्रावधान किया गया है। साथ ही पीड़िता के अभिभावकों की मौजूदगी में उसका बयान दर्ज किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा तलाशी की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी अनिवार्य की गई है। साथ ही दुष्कर्म पीड़िता के ई-बयान का प्रावधान भी किया गया है। इसके अलावा अदालत में ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग पेश करने का प्रावधान किया गया है। इन कानूनों के अनुसार गवाह, अभियुक्त, विशेषज्ञ और पीड़ित अदालत में वर्चुअल माध्यम से पेश हो सकते हैं।

उन्होंने बताया कि, भगोड़े अपराधी के दोषी पाए जाने पर 10 वर्ष या अधिक की सजा, आजीवन कारावास या मौत की सजा का प्रावधान किया है। भगोड़े अपराधियों की संपत्ति जब्त करने के लिए अन्य देशों के साथ मिलकर आवश्यक कदम उठाए जाने का प्रावधान किया गया है। संगठित अपराधों पर नए प्रावधान बनाए गए हैं। आतंकवाद को परिभाषित करते हुए इसके प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को मजबूत किया गया है और आतंकवादी कृत्यों के लिए मृत्युदंड व आजीवन कारावास का प्रावधान किया गया है।

गृह मंत्रालय द्वारा नियुक्त रिसोर्स पर्सन एडवोकेट निशीथ दीक्षित ने कहा कि, पुलिस की जांच से लेकर अदालत की कार्यवाहियों को डिजिटल किया जाएगा। नए कानूनों में ई-रिकॉर्ड का प्रावधान किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत ज़ीरो एफ.आई.आर., ई-एफ.आई.आर. और चार्जशीट डिजिटल होंगे। पीड़ित को 90 दिनों के भीतर सूचना प्रदान की जाएगी और 7 साल या उससे अधिक की सजा के प्रावधान वाले मामलों में फॉरैंसिक जांच अनिवार्य होगी।

उन्होंने बताया कि, राजद्रोह को निरस्त कर देशद्रोह को परिभाषित किया गया है। इसमें भारत की संप्रभुता और अखंडता के खिलाफ कार्यों के लिए 7 साल तक की सजा या आजीवन कारावास का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि, नव संशोधित आपराधिक कानून बेहद सरल हैं और सहजता के साथ अध्ययन करने पर इन्हें आसानी से समझ जा सकता है। उन्होंने कहा कि, तीनों कानून सर्वोच्च न्यायालय के कई ऐतिहासिक फैसलों को ध्यान में रखते हुए बनाए गए हैं। इन कानूनों के लागू होने से न्याय त्वरित गति से मिलेगा, साथ ही मुकद्दमों की संख्या भी कम होगी। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य भी मान्य होंगे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908